शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 30 मार्च, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-87

कानून सबके लिए समान... तो जज पर क्यों नहीं होने दी एफआईआर..?

जज-जज मौसेरे भाई..!

दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से जले-अधजले नोटों के जखीरे की बरामदगी मामले में यह साबित हो गया कि देश का कानून सबके लिए बराबर नहीं है। दिल्ली हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ने इस मामले की लीपापोती कर दी। जिस मामले में कानून को स्वाभाविक रूप से अपना काम करना चाहिए था, वह जज के मामले में अस्वाभाविक रंग दिखाता सामने आया। जज के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करने के लिए याचिका तक दाखिल करनी पड़ी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। क्या ऐसे मामले में लिप्त किसी आम नागरिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करनी पड़ती है? भ्रष्टाचारी जज के खिलाफ महाभियोग चलाने जैसी बातें अब भारत में संभव नहीं रही। जज यशवंत वर्मा का महज ट्रांसफर कर भ्रष्टाचार की फाइल बंद कर दी गई। इस धतकरम में सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार दोनों की साठगांठ रही। इस तरह देश की सर्वोच्च अदालत ने भारत में भ्रष्टाचार की स्वीकार्यता पर आधिकारिक मुहर लगा दी है। अब देश में कहीं भी किसी नागरिक के खिलाफ भ्रष्टाचार में लिप्त होने का मामला चले तो न्यायाधीशों को शर्म आएगी या नहीं, यह तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन उनसे यह पूछा तो जाएगा ही।

कानून के विशेषज्ञ भी कहते हैं कि प्रभावशाली लोगों के खिलाफ कानून उस तरह कार्रवाई नहीं करती जैसे आम नागरिकों पर करती है। जजों और प्रभावशाली लोगों को न्यायिक-राजनीतिक-प्रशासनिक संरक्षण मिलता है। अगर ऐसे लोगों की गिरफ्तारी हो गई तो उन्हें जमानत भी जल्दी मिल जाती है। जबकि आम आदमी को लंबी कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ती है। मीडिया भी आम आदमी के मामले को कठोरता से दिखाता है और प्रभावशाली लोगों के मामले में पूंछ हिलाता है। अगर आम आदमी के घर से इतने रुपए बरामद होते तो पुलिस, आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय या सीबीआई जैसी एजेंसियां तुरंत कूद पड़तीं। आरोपी को

जज के घर नोटों का जखीरा, सुप्रीम कोर्ट ने किसका उठाया बीड़ा?

हमारे आपके घरों में मिलते नोटों के बंडल तो क्या करता कानून?

हिरासत में लेकर फौरन पूछताछ शुरू हो जाती। मनी लॉन्ड्रिंग, आयकर अधिनियम और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम जैसे कानून की विभिन्न धाराओं के तहत धड़ाधड़ मामला दर्ज होता। अवैध आय घोषित कर भारी जुर्माना लगाया जाता। संपत्तियां जब्त करने की प्रक्रिया शुरू हो जाती। जब्ती का पंचनामा बनता। सारे बैंक खाते फ्रीज कर दिए जाते। जमानत के लाले पड़ जाते। लेकिन जज यशवंत वर्मा मामले में ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। आप सबने यह देख लिया है। जज के घर पर नोटों की बरामदगी का पूरा हिसाब-किताब हुआ भी नहीं था कि दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय की जांच रिपोर्ट और सिफारिश दोनों सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। आनन फानन सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने कॉलेजियम की बैठक बुला ली और तुरंत जज यशवंत वर्मा का प्रयागराज ट्रांसफर करने का फरमान जारी कर दिया। ऐसे लगा कि जैसे सारी न्यायपालिका कुछ छुपाने के लिए बेचैन थी और बदहवासी में फैसले ले रही थी। भारत सरकार ने भी जज वर्मा के ट्रांसफर पर बिना कोई देर किए मुहर लगा दी। फौरन अधिसूचना भी जारी कर दी गई। हास्यास्पद यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने आंतरिक जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति भी गठित की, लेकिन समिति ने भी अब तक वही किया या आगे भी वही करेगी जो पहले से नियोजित है। अगर जज यशवंत वर्मा की जगह कोई सामान्य आदमी होता तो क्या होता? यह अहम सवाल भारत की न्यायपालिका पर बदनुमा दाग की तरह चस्पा हो गया है। भ्रष्टाचारी को महिमामंडित नहीं करने की भाषणबाजियों का असली सत्य पूरे देश ने जान लिया है।

जज यशवंत वर्मा के खिलाफ सरकारी परिसर में अवैध नकदी मिलने के मामले में एफआईआर दर्ज क्यों नहीं हुई? एफआईआर दर्ज कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करने पर क्यों विवश होना पड़ा? सुप्रीम कोर्ट ने मामले की आंतरिक (इन-हाउस) जांच जारी रहने के नाम पर एफआईआर क्यों खारिज कर दी? क्या किसी आम आदमी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ऐसा ही करती? या भविष्य में ऐसा ही करेगी?

▶10 पर

म्यांमार में 334 परमाणु बमों जितनी उर्जा वाला था भूकंप

म्यांमार की मदद में भारत का ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। म्यांमार में शनिवार को भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। अब तक धरती 16 बार कांपी। शुक्रवार दोपहर आए भूकंप के कारण म्यांमार में भारी तबाही हुई जिसमें अब तक एक हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। सैकड़ों लोग लापता बताए जा रहे हैं। भूकंप में अभी तक 2376 से अधिक लोग घायल हैं। म्यांमार की मदद के लिए भारत ने ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत वायुसेना के मालवाहक विमान से राहत सामग्री और बचाव दल भेजा है। इस सिलसिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने म्यांमार के मिलिटरी जुंटा चीफ से बात भी की। भूकंप प्रभावित इलाकों में लोगों की मदद और राहत-बचाव कार्य के लिए भारत से एनडीआरएफ की टीम भेजी गई है।म्यांमार की मदद के लिए सबसे पहले भारत आगे आया। भारत ने राहत और बचाव कार्यों के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया

प्रधानमंत्री मोदी ने म्यांमार के मिलिटरी जुंटा चीफ से की बात

भूकंप का आया 16वां झटका, मृतकों की संख्या 1000 के पार

बल (एनडीआरएफ) के 80 कर्मियों का दल म्यांमार भेजा है। इसमें खोजी कुत्ते भी शामिल हैं। भारत सरकार ने ऑपरेशन ब्रह्मा के नाम से राहत कार्रवाई शुरू की है। इससे पहले भी भारत ने 2015 में नेपाल भूकंप और 2023 में तुर्किये के भूकंप में राहत सामग्री के साथ-साथ बचाव दल भेजा था। एनडीआरएफ को म्यांमार में सहायता प्रदान करने के लिए मजबूत कंक्रीट कटर, ड्रिल मशीनें, हथौड़े आदि जैसे भूकंप बचाव उपकरणों के साथ भेजा गया है। एनडीआरएफ के 80 कर्मियों की एक टीम गाजियाबाद के हिंडन से भारतीय वायुसेना के दो विमानों में म्यांमार के लिए रवाना की गई। गाजियाबाद स्थित 8वीं एनडीआरएफ बटालियन के कमांडेंट पीके तिवारी शहरी खोज और बचाव (यूएसएआर) टीम का नेतृत्व करेंगे। एनडीआरएफ टीम अंतरराष्ट्रीय खोज एवं बचाव सलाहकार समूह के मानदंडों के अनुसार म्यांमार में ढही संरचना की खोज एवं बचाव अभियान का काम करेगी। इसके लिए वह अपने साथ बचाव कुत्तों को भी साथ ले गई है। भारत ने शनिवार को भारतीय वायु सेना के सी130जे सैन्य परिवहन विमान पर म्यांमार के यांगून शहर में लगभग 15 टन राहत सामग्री भेजी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत म्यांमार और थाईलैंड को हर संभव सहायता देने के लिए भारत तैयार है। अमेरिकी एजेंसी यूनाइटेड स्टेट जियोलॉजिकल सर्वे का कहना है कि थाईलैंड और म्यांमार मिला कर भूकंप में मरने वालों की संख्या 10,000 तक जा सकती है। म्यांमार दो भूगर्भीय प्लेटों के बीच में स्थित है, इस कारण वहां भूकंप की स्थिति ज्यादा खराब होती है। इस भूकंप के विनाशकारी होने के पीछे की सबसे बड़ी वजह ये है कि इसका केंद्र

▶10 पर

नेपाल में राजशाही और हिंदू राष्ट्र की वापसी का आंदोलन तेज

नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र को नजरबंद किया गया

काठमांडू, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारत के पड़ोसी देश नेपाल में राजतंत्र की बहाली और फिर से हिंदू राष्ट्र घोषित किए जाने की मांग देशव्यापी आंदोलन का शक्ल लेती जा रही है। नेपाल की राजधानी काठमांडू में कल हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस के बल प्रयोग के कारण भड़की हिंसा में दो लोगों के मारे जाने और दर्जनों लोगों के जख्मी होने के बाद नेपाल की स्थिति संवेदनशील हो गई है। राजधानी काठमांडू के कई इलाकों में कल से ही कर्फ्यू लागू है। नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र वीर विक्रम शाह को उनके आवास में ही नजरबंद कर दिया गया है। आंदोलन से घबराई नेपाल सरकार पूर्व नरेश पर मुकदमे ठोक कर उन्हें जेल भेजने की तिकड़म में लगी है।

नेपाल में राजशाही और हिंदू राष्ट्र की वापसी की मांग करने वाले आंदोलनकारियों और उनके नेताओं की बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां की जा रही हैं। आंदोलन में शरीक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा महामंत्री को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प, आगजनी की दर्जनों घटनाएं, पत्रकार को जिंदा जलाए जाने की वारदात के बाद पहले गृह मंत्रालय और फिर बाद में प्रधानमंत्री ने शुक्रवार की देर रात को कैबिनेट की आपात बैठक बुलाई। शुक्रवार की देर रात को प्रधानमंत्री केपी ओली की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में चारों सुरक्षा अंग नेपाली सेना, नेपाल पुलिस, सशस्त्र प्रहरी बल और खुफिया विभाग के प्रमुखों को भी बुलाया गया। इस दौरान मौजूदा परिस्थितियों और उनसे निपटने के बारे में विचार किया गया। बैठक के बाद सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरूंग ने कहा कि आंदोलन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने हिंसा का ठीकरा प्रदर्शन के आयोजकों पर फोड़ा और कहा कि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया गया है।

पूर्व नरेश पर मुकदमा चलाने का कुचक्र कर रही सरकार

सम्पूर्ण नेपाल में निषेधाज्ञा लागू कर हो रही गिरफ्तारियां

गृह मंत्रालय के प्रवक्ता छवि रिजाल ने कहा है कि इस संपूर्ण घटना के लिए आयोजक जिम्मेदार हैं। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे सभी बड़े नेताओं की गिरफ्तारी का वारंट जारी किया गया। इसके बाद राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के महामंत्री और सांसद धवल शमशेर राणा, पार्टी के उपाध्यक्ष रवीन्द्र मिश्र, संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक नवराज सुवेदी और प्रवक्ता स्वागत नेपाल सहित 50 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पूरे काठमांडू में पुलिस द्वारा सर्च ऑपरेशन चला कर आंदोलन में शामिल नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया जा रहा है।

काठमांडू पुलिस प्रमुख एसएसपी विश्व अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के बड़े नेताओं और तोड़फोड़ आगजनी में जिन लोगों की पहचान हुई है, उनकी गिरफ्तारी की गई है। राजशाही की वापसी के लिए गठित संयुक्त जनसंघर्ष समिति के कमांडर बनाए गए दुर्गा प्रसाई की गिरफ्तारी का वारंट जारी हो गया है, लेकिन कई स्थानों पर छापा मारने के बाद भी उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सका है।

सरकार के निर्देश पर नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र वीर विक्रम शाह के निर्मल निवास को हथियारबंद जवानों और नेपाली सेना के द्वारा घेरेबंदी में ले लिया गया है। पूर्व नरेश को उनके आवास में ही नजरबंद किया गया है।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38⁰

न्यूनतम : 27⁰

अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में प्रभावशाली साबित हो रहा भारत

2014 के बाद 10 हजार भारतीय विदेशी जेलों से मुक्त हुए

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में भारत प्रभावशाली देश के रूप में स्थापित हुआ है। इसका नतीजा है कि वर्ष 2014 के बाद अब तक 10 हजार भारतीय नागरिक विदेशी जेलों से मुक्त कराए गए हैं। इस मामले में विदेश मंत्रालय ने सदन में आधिकारिक आंकड़े पेश किए हैं।

मोदी सरकार की तरफ से विभिन्न देशों की जेलों में बंद भारतीयों की रिहाई और क्षमा के लिए किए गए सक्रिय और निरंतर कूटनीतिक प्रयासों के कारण 2014 से अब तक विदेशों में कैद 10,000 से अधिक भारतीय स्वदेश लौट आए हैं। यूएई की तरफ से रमजान के इस्लामी पवित्र महीने में लगभग 500 भारतीय कैदियों को क्षमा किए जाने से भारत और खाड़ी देश के बीच

विदेश मंत्रालय ने सदन में पेश किए आधिकारिक आंकड़े

मजबूत द्विपक्षीय संबंधों का पता चलता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने वर्ष 2014 से विदेश में भारतीय नागरिकों के कल्याण को प्राथमिकता दी। कूटनीतिक वार्ता और उच्च स्तरीय हस्तक्षेप के माध्यम से विदेशों में कैद लगभग 10,000 भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित हुई है। कूटनीतिक प्रयासों के कारण भारतीय नागरिकों की रिहाई के प्रमुख उदाहरणों में 2022 से यूएई से 2,783 भारतीय कैदियों की रिहाई और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की तरफ से 2019 में भारत की अपनी यात्रा के दौरान 850 भारतीय कैदियों की रिहाई का आदेश देना शामिल है।कतर की तरफ से साल 2023 में मौत की सजा पाए भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारियों को रिहा करना सबसे अहम कूटनीतिक प्रयास था।

▶10 पर

रूस की सेना में अब भी फंसे हैं 18 भारतीय

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने शुक्रवार को संसद में बताया कि रूसी सेना में अभी भी 18 भारतीय नागरिक हैं, जिनमें से 16 नागरिकों के लापता होने की रूसी पक्ष द्वारा जानकारी दी गई है। हालांकि, रूसी अधिकारियों से अपील की गई है कि वह नागरिकों की सुरक्षा और उनकी जल्द रिहाई सुनिश्चित की जाए।

विदेश राज्य मंत्री ने कहा, रूसी सशस्त्र बलों में 127 भारतीय नागरिक थे, जिनमें से 97 की सेवाएं समाप्त कर दी गईं। इस मामले पर भारत और रूसी सरकारों के बीच उच्चतम स्तर पर निरंतर बातचीत की गई, जिसके परिणामस्वरूप यह संभव हो सका। रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की सेवा समाप्त होने के बाद, रूस में भारतीय मिशन ने उनकी भारत वापसी में सहायता की, जिसमें यात्रा दस्तावेजों की सुविधा और हवाई टिकटों की व्यवस्था करना शामिल है। फिलहाल, 18 भारतीय नागरिक रूसी सेना में हैं, जिनमें से 16 के लापता होने की रूसी पक्ष द्वारा जानकारी दी गई है।

▶10 पर

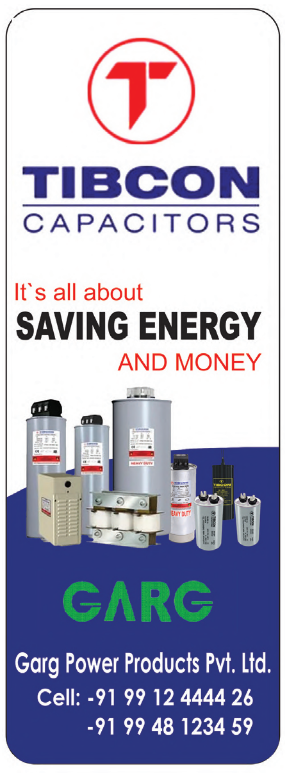

डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी को बताया शानदार प्रधानमंत्री कहा वे काफी स्मार्ट हैं

वॉशिंगटन, 28 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने उन्हे शानदार और स्मार्ट प्रधानमंत्री बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हाल ही में अमेरिका आए थे। हम हमेशा बहुत अच्छे दोस्त रहे हैं। भारत दुनिया के उच्चतम टैरिफ वाले देशों में से एक है। वे बहुत स्मार्ट हैं। वह एक बहुत स्मार्ट इंसान हैं और मेरे अच्छे दोस्त हैं। हमारी बातचीत बहुत अच्छी रही और मुझे लगता है कि भारत और हमारे देश के बीच यह बहुत अच्छे परिणाम लाएगा। मैं कहना चाहता हूं कि आपके पास एक शानदार प्रधानमंत्री है।

अमेरिका 2 अप्रैल से कई देशों पर प्रतिकारात्मक टैरिफ लागू करने की तैयारी कर रहा है। उनमें भारत भी शामिल है। ट्रंप ने लगातार भारत की व्यापार नीतियों की आलोचना की है और इसे टैरिफ किंग कहा है। ट्रंप ने एक बयान में कहा था, मेरे भारत के साथ बहुत अच्छा संबंध है, लेकिन मेरी एकमात्र समस्या यह है कि वे दुनिया के उच्चतम टैरिफ वाले देशों में से एक हैं। मुझे लगता है कि वे शायद उन टैरिफ को काफी हद तक कम करेंगे, लेकिन 2 अप्रैल को हम उन्हें वही टैरिफ चार्ज करेंगे जो वे हमें चार्ज करते हैं।प्रधानमंत्री मोदी के फरवरी में अमेरिका दौरे के बाद दोनों नेताओं ने 2025 के शुरुआती महीनों तक एक बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण पर बातचीत करने पर सहमति जताई थी।अपने संयुक्त सत्र के संबोधन में ट्रंप ने 2 अप्रैल से प्रतिकारात्मक कर लागू करने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि अमेरिका को वैश्विक स्तर पर लगभग सभी देशों से शोषण का सामना करना पड़ा है और उन्होंने ऐसी प्रथाओं को रोकने का वादा किया। इसके अतिरिक्त, ट्रंप ने यूरोपीय संघ, चीन, ब्राजील और मेक्सिको द्वारा लगाए गए टैरिफ पर भी टिप्पणी की।

न्यूज ब्रीफ

काठमांडू में हालात सामान्य, हटाया गया कर्फ्यू

काठमांडू। राजशाही समर्थकों के हिंसक प्रदर्शन, तोड़फोड़ और आगजनी की घटना के बाद लगाया गया कर्फ्यू शनिवार की सुबह सात बजे से हटा दिया गया है। कर्फ्यू हटाने के साथ ही जनजीवन सामान्य होने लगा है। काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय ने शनिवार सुबह कर्फ्यू हटाने का फैसला लिया । प्रमुख जिलाधिकारी ऋषिराम तिवारी ने बताया कि स्थिति सामान्य होने के कारण सुबह सात बजे से काठमांडू के जिन क्षेत्रों में कर्फ्यू लगाया गया था, उसे हटा लिया गया है। गया। इसी बीच जिला प्रशासन ने सेना को भी सड़कों से वापस भेज दिया गया है। प्रमुख जिलाधिकारी ने बताया कि जनजीवन सामान्य बनने के बाद सेना की आवश्यकता नहीं है। इसलिए उन्हें बैरक में वापस भेज दिया गया है। कल जिस जगह पर पर सबसे अधिक नुकसान हुआ था, लोग उस जगह को देखने के लिए पहुंच रहे है। काठमांडू के चौक चौराहों पर सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी देखी जा सकती है। गौरतलब है कि हिंसक झड़प के बाद काठमांडू के मैतीघर मंडला से लेकर संसद भवन तक, नयन बाणेश्वर से पुराने बाणेश्वर तक, कोटेश्वर से लेकर बालकुमारी तक और जड़ीबूटी से लेकर सिनामांगल तक के क्षेत्र में कर्फ्यू लगा दिया गया था। साथ ही सेना व पुलिस लगातार पूरी रात गश्त करती रही।

टैरिफ पर बातचीत के लिए तैयार ट्रंप बोले- दुनिया के लिए व्हाट हाउस के दरवाजे खुले हैं

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रंप ने कहा है कि जिन्हें टैरिफ से बचना है और अमेरिका से बात करना है, ऐसे देशों के लिए व्हाइट हाउस के दरवाजे खुले हुए हैं। उन्होंने कहा कि जो भी देश इस टैरिफ से बचना चाहते हैं वह उनके साथ अलग-अलग समझौतों पर बातचीत करने के लिए तैयार है। ट्रंप के मुताबिक 2 अप्रैल को उनके प्रशासन द्वारा टैरिफ लागू करने के बाद ऐसे समझौतों पर बातचीत करने के लिए उनके दरवाजे खुले हुए हैं। इतना ही नहीं ट्रंप ने मेडीकल सेक्टर पर भी टैरिफ लगाने की योजना का उल्लेख किया। हालांकि उन्होंने इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी।ट्रंप से पूछा गया कि यह सब कुछ 2 अप्रैल को टैरिफ लागू होने के पहले हो जाएगा। इस पर ट्रंप से जवाब देते हुए कहा कि नहीं ऐसा नहीं होगा। यह टैरिफ लागू होने के बाद की बात है। यह सब कुछ एक प्रक्रिया के तहत होगा। मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि हमारी कई देशों से बात हुई है। ब्रिटेन समेत कई देश ऐसे हैं, जिन्होंने इन टैरिफ से बचने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका से संपर्क किया है। ट्रंप ने कहा, वह सभी सौदा करना चाहते हैं। यह संभव भी है बशर्ते हमें भी इस सौदे से कुछ मिलना चाहिए... लेकिन एक बात है कि मैं भी इसके लिए तैयार हूं।

समंदर के किनारे मिला कंकाल, वायरल तस्वीर देखकर लोग जलपरी या एलियन का बता रहे

लंदन। समुद्र की गहराइयों में कई राज दफ्न हैं, जिनके बारे में कोई नहीं जानता है। कई बार कुछ ऐसी घटनाएं

घटित हैं कि लोग हैरान हो जाते हैं। सोशल मीडिया पर एक जीव की ऐसी ही कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जो समंदर के किनारे मिली। कुछ लोग वायरल तस्वीर को जलपरी का कंकाल बता रहे हैं, वहीं कुछ लोग एलियन से इसकी तुलना कर रहे हैं। दरअसल, ये कपल समुद्र किनारे टहल रहा था, तभी उन्हें एलियन की शक्ल वाले जीव का कंकाल दिखा, इस लोग जलपरी से भी जोड़ रहे हैं। फोटो वायरल होने के बाद कुछ लोगों का दावा है कि ये जलपरी का कंकाल है। वहीं कई लोग कह रहे हैं कि ये एलियन है। हालांकि, असल में ये चीज है क्या कोई नहीं जानता है। रिपोर्ट के अनुसार, इंग्लैंड निवासी पाउला और उनके पार्टनर डेव रेगन मार्गेट केंट के एक समुद्र तट पर टहल रहे थे, तभी उन्होंने ये अजीब कंकाल देखा। पहले वे डर गए, लेकिन बाद उसकी तस्वीर खींचकर सोशल मीडिया पर शेयर किया। शेयर की गई तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि समंदर किनारे मिले इस कंकाल का सिर और पूरा धड़ दिख रहा है। एक तरफ जहां इस पूंछ मछली की तरह है, वहीं दूसरी ओर शरीर देखने में एलियन (किसी दूसरे ग्रह के जीव) जैसा है। पाउला ने बताया कि मैं ज्यादा कुछ नहीं कह सकती, लेकिन वहां सच में बहुत भयानक जीव थी। 'वहां मौजूद कुछ लोगों ने सोचा कि यह शायद किसी नाव से गिरा होगा, जबकि कुछ लोग कह रहे थे।

ह्यूस्टन यूनिवर्सिटी के सिलेबस में पढ़ाया जा रह हिंदु विरोधी पाठ

वॉशिंगटन, 28 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका की ह्यूस्टन यूनिवर्सिटी के सिलेबस को लेकर विवाद गहरा गया है। इस सिलेबस में हिंदू धर्म को नीचा दिखाने की कोशिश की गई है। भारतीय मूल के एक अमेरिकी छात्र ने इस सिलेबस को लेकर विरोध दर्ज कराया है। छात्रा ने सिलेबस का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें हिंदुत्व को इस्लाम के खिलाफ इस्तेमाल होने वाला हथियार करार दिया गया है। साथ ही इसके प्राचीन होने की बात को भी खारिज कर दिया गया है। इस मुद्दे पर विश्वविद्यालय ने कहा है कि वह छात्र वसंत भट्ट द्वारा उठाए गए मुद्दों की समीक्षा कर रहा है। विश्वविद्यालय ने कहा कि यह अकादमिक स्वतंत्रता की एक महत्वपूर्ण विशेषता है जिसमें शिक्षकों को जटिल और कभी-कभी चुनौतीपूर्ण विषयों पर विचार करने की स्वतंत्रता दी जाती है। विश्वविद्यालय के बयान के मुताबिक, यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूस्टन अकादमिक स्वतंत्रता की सराहना करती है, जिसमें शिक्षक को उनके पाठ्यक्रम में जटिल और चुनौतीपूर्ण विषयों पर विचार करने की स्वतंत्रता होती है। विश्वविद्यलट सामान्यत: व्यक्तिगत व्याख्यान की समीक्षा नहीं करता, विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम की निगरानी रखता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह स्थापित शैक्षिक और शैक्षिक मानकों को पूरा करता है। ह्यूस्टन विश्वविद्यालय का लिव्ड हिंदू रिलिजन सिलेबस ऑनलाइन छात्रों के लिए उपलब्ध है, जिसमें प्रोफेसर आरोन माइकल उलरी के वीडियो लेक्चर साप्ताहिक रूप से दिए जाते हैं। वसंत भट्ट इस विश्वविद्यालय में राजनीतिक विज्ञान के छात्र हैं।उन्होंने कॉलेज ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड सोशल साइंसेज के डीन के पास एक शिकायत दर्ज कराई है। विश्वविद्यालय के डीन और धार्मिक अध्ययन के निदेशक ने शिकायतों की समीक्षा की और इसे शिक्षक के साथ चर्चा की। उन्होंने कहा, यह कोर्स धार्मिक अध्ययन के शैक्षिक अनुशासन पर आधारित है, जो विशिष्ट शब्दावली जैसे फंडामेंटलिज्म का उपयोग धार्मिक आंदोलनों को समझने के लिए करता है। इसमें ईसाई धर्म, इस्लाम, बौद्ध धर्म और हिंदू धर्म शामिल हैं। विश्वविद्यालय ने यह भी स्पष्ट किया कि ये शैक्षिक शब्द सार्वजनिक या राजनीतिक वार्ता में उपयोग किए गए अर्थों से अलग हो सकते हैं।

महिला ने निजी वीडियो और तस्वीरें शेयर कर कमाया खूब पैसा

लॉस एंजिल्स। ऑस्ट्रेलिया में जन्मी और अब लॉस एंजिल्स में रहने वाली 26 वर्षीय हेली डेविस ने कभी तीन नौकरियों में दिन-रात मेहनत की, लेकिन थकावट और लंबे घंटे काम करने की वजह से वह बुरी तरह टूट गईं। इसके बाद उन्होंने एक अनोखा फैसला लिया और एक ऐसे प्लेटफॉर्म से जुड़ गईं, जहां वह अपने प्राइवेट वीडियो और तस्वीरें शेयर कर पैसा कमाने लगीं। हेली बताती हैं कि पहले ही हफ्ते में उनकी कमाई उनकी पुरानी सैलरी से दस गुना ज्यादा हो गई। हालांकि, लोगों की राय इस फैसले पर अलग-अलग हो सकती है, लेकिन हेली का कहना है कि उनका यह काम आसान नहीं, बल्कि इसमें भी कड़ी मेहनत शामिल है। वह बताती हैं, लोग सोचते हैं कि यह सिर्फ तस्वीरें खींचने और ऑनलाइन डालने का काम है, लेकिन असल में इसमें काफी समय और मेहनत लगती है। हेली हफ्ते में औसत इंसान से दोगुने घंटे काम करती हैं और इसके चलते उन्हें नींद की कमी जैसी परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है।

उन्होंने लाइफ कोच की मदद लेने की कोशिश की, लेकिन अब यह जॉब उनके जीवन का हिस्सा बन चुका है। वह दिनभर सोशल मीडिया पर खुद को प्रमोट करने, कंटेंट बनाने, फैंस से बातचीत करने और शूट्स की तैयारी में जुटी रहती हैं। इसके अलावा, वह जिम, सेल्फ-केयर, मेडिटेशन और सांस की एक्सरसाइज को भी अपने रूटीन में शामिल करती हैं। हेली की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनके इंस्टाग्राम पर 20 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इनमें ब्रिटेन की मशहूर हस्तियां बॉनी ब्लू, लिली फिलिप्स और एल ब्रूक भी शामिल हैं। हालांकि, इतनी कमाई के बावजूद हेली की जिंदगी सादगी से भरी है। वह कहती हैं, लोग सोचते होंगे कि मैं शानदार जिंदगी जीती हूं, लेकिन असल में मैं एक आम लड़की हूं। मुझे फिजूलखर्ची पसंद नहीं और मैंने अब तक कार भी नहीं खरीदी।

डी 915 नाम की सड़क पर ड्राइविंग करना मौत को दावत देने के बराबर

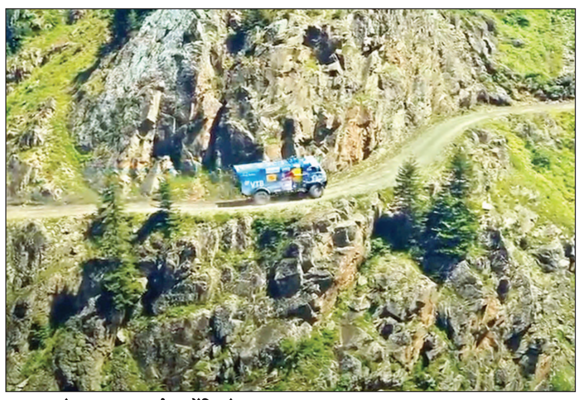

अंकारा, 29 मार्च (एजेंसियां)। पूर्वी तुर्की में स्थित डी 915 नाम की सड़क ऑफ और बेबर्ट शहरों को जोड़ती है। इसे दुनिया की सबसे खतरनाक सड़कों में से एक माना जाता है। इस सड़क को पार करना किसी खतरनाक एडवेंचर से कम नहीं है। अनुभवी ड्राइवर भी यहां गाड़ी चलाने से पहले सौ बार सोचते हैं। खासकर जब यहां का रास्ता संकरा हो, कोई गार्ड रेल न हो और अचानक मुड़ते ही हजारों फीट गहरी खाई दिखाई दे, तब यह सफर किसी डरावने सपने से कम नहीं लगता। इस सड़क का इतिहास 1916 से जुड़ा है, जब रूसी सेना ने ट्रैबजॉन नामक शहर पर कब्जा किया था। सेना ने अपने हाथ के औजारों से इस सड़क का निर्माण किया था, ताकि एक आसान मार्ग तैयार किया जा सके। शुरुआती समय में सड़क के कुछ हिस्सों पर डामर बिछाया गया था, लेकिन अब इसका अधिकांश भाग ढीली बजरी से बना हुआ है, जिससे ड्राइविंग बेहद खतरनाक हो जाती है।

इस रास्ते में 38 जानलेवा हेयरपिन टर्न हैं, जिनमें से सबसे खतरनाक डेरेबासी मोड़ है। यह सड़क समुद्र तल से 5600 से 6600 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और कई हिस्सों में इतनी पतली है कि एक समय में केवल एक ही वाहन निकल सकता है। यहां जरा सी भी चूक ड्राइवर की जिंदगी को खत्म कर सकती है। इस सड़क पर कोई सुरक्षा इंतजाम नहीं हैं। गहरी खाई के किनारे पर बनी इस सड़क के दोनों तरफ गार्ड रेल तक नहीं हैं, जो किसी वाहन को गिरने से बचा सके। डी 915 पर ड्राइव करना केवल उन्हीं लोगों के लिए मुमकिन है, जिनके पास जबरदस्त कौशल और निडरता हो।

कमजोर दिल वालों के लिए यह सड़क किसी बुरे सपने से कम नहीं है। अगर आप रोमांच के शौकीन हैं और खतरों से खेलने की हिम्मत रखते हैं, तो यह सड़क आपके लिए एक अलग ही अनुभव हो सकती है, लेकिन यहां हर मोड़ पर आपकी सांसें अटक सकती हैं। मौसम खराब होने पर यह सड़क और भी खतरनाक हो जाती है। बारिश और बर्फबारी के कारण यह अक्टूबर से जून तक बंद रहती है, क्योंकि इन महीनों में सड़क बेहद फिसलन भरी और घातक हो जाती है। कई बार घना कोहरा और बर्फबारी ड्राइवरों के लिए मुसीबत खड़ी कर देती है।

भूकंप से म्यांमार में अब तक 700 लोगों की मौत

म्यामांर में शुक्रवार को आए भूकंप में मरने वालों की संख्या 700 के करीब तक जा पहुंची है। अब तक 694 लोगों के मरने की पुष्टि म्यांमार शासन कर दी है। हर तरफ लाशें बिखरीं पड़ी हैं। अमेरिकी भौगोलिक सर्वेक्षण के मुताबिक यह भूकंप दस किलो मीटर की गहराई पर था। भूकंप का केन्द्र मांडले शहर से लगभग 17.2 किलो मीटर दूर बताया गया है। चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक म्यांमार में अभी तक 694 लोगों के मरने की पुष्टि हो चुकी है। लगातार मलबे को हटाया जा रहा है। उधर शनिवार को भी म्यांमार से सटे दक्षिण पश्चिमी युन्नान प्रांत में भी झटके महसूस किए गए। हालांकि वहां से किसी जान-माल के नुकासन की खबर नहीं हैं।

ईरान बातचीत के लिए तैयार, सात साल पहले ट्रंप ने दिया था धोखा इसलिए नहीं हो रहा भरोसा

तेहरान, 29 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर हमेशा हमलावर रहे हैं। अपने पिछले कार्यकाल में भी ट्रंप ने ईरान के मिलिट्री चीफ जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या करवाई थी। एक बार फिर ट्रंप के तेवरों के बीच ईरान ने साफ कहा है कि वह अमेरिका से बातचीत करने को तो राजी है लेकिन ट्रंप के तेवरों के साथ वह आगे नहीं बढ़ेंगे।

ईरान के स्ट्रैटेजिक काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस के प्रमुख ने कहा है कि वाशिंगटन के मौजूदा कूटनीतिक रुख को हम खारिज करते हैं लेकिन इसके बावजूद हम इन-डायरेक्ट बातचीत के लिए तैयार हैं।

मीडिया रिपोर्ट में खराजी ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन के मौजूदा व्यवहार में हमें एक मनोवैज्ञानिक युद्ध दिखता है, जो 'या तो युद्ध या बातचीत' की नीति को बढ़ावा देता है। ट्रंप के हालिया पत्र और अमेरिकी अधिकारियों के बयान ईरान के लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा कर रहे हैं। अमेरिका का मकसद ईरान में ध्रुवीकरण पैदा करना है। ऐसे में यहां कुछ लोगों को लगता है कि ट्रंप वास्तव में तेहरान और वाशिंगटन के बीच संबंध सुधारना चाहते हैं।

ईरान ने अमेरिकी के असली इरादों पर सवाल उठाए। उनका मकसद आर्थिक प्रतिबंधों और सैन्य खतरों की छाया में बातचीत का न्योता देना है। ईरान ने साफ कहा है कि ऐसे माहौल में बातचीत में सिद्धांतों की कमी है, पिछले अनुभवों को देखें तो अमेरिका पर भरोसा नहीं किया जा सकता। ट्रंप को लेकर ईरान इसलिए चिंतित है क्योंकि सात साल पहले ट्रंप ने ईरान को धोखा दिया था। तब साल 2015 में बराक ओबामा सरकार द्वारा साइन किए गए परमाणु समझौते से ट्रंप पीछे हट गए थे। ईरान पर दबाव बनाने के मकसद से इसके बाद ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान उनपर खूब प्रतिबंध लगाए। अब दूसरे कार्यकाल की शुरुआत से ही ट्रंप एक बार फिर ईरान के खिलाफ दबाव की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

ईरान ने साफ कहा है कि ट्रंप की रणनीति एक पक्ष की मांगों को दूसरे पर थोपने के अलावा कुछ नहीं है। डर और धमकी के माहौल में बातचीत नहीं हो सकती। खराजी ने जोर देकर कहा कि ट्रंप को अब तक यह समझ लेना चाहिए था कि ईरानी लोग दबाव या जबरदस्ती के सामने नहीं झुकेंगे, लेकिन विनम्रता और ईमानदारी का सकारात्मक जवाब देंगे। उन्होंने कहा की कि ईरान ने सभी दरवाजे बंद नहीं किए हैं और अप्रत्यक्ष वार्ता के लिए तैयार है ताकि दूसरी ओर के इरादों का आकलन कर सके, अपनी शर्तें रख सके और उचित फैसले ले सके।

इजराइल में विस्फोटक है वेश्यावृत्ति, हर स्कूल की 5वीं लड़की इस धंधे में शामिल

यरुशलम, 29 मार्च (एजेंसियां)। इजराइल के सामने उसका खूंखार दुश्मन हमास है वहीं लेबनान में हिजबुल्लाह और यमन के हूतियों से भी इजराइल लड़ रहा है। इन सबके बीच इजराइल के अंदर एक खतरा बढ़ रहा है, इस यहूदी देश की हजारों इजराइली लड़कियां वेश्यावृत्ति के दुष्चक्र में फंस गई हैं, जहां से उनके लिए निकलना मुश्किल है। मीडिया रिपोर्ट में इन इजराइली लड़कियों के फंसने की कहानी सामने आई है।

एक 25 वर्षीय युवती ने बताया कि सेक्स वर्कर के रूप में उसका रास्ता बहुत पहले ही शुरू हो गया था, जब वह किशोरावस्था में थी। युवती ने बताया कि वह खुद को अदृश्य महसूस करती थी। उसे लगा कि नियंत्रण का एक स्रोत मिल गया है। मेरा शरीर। उसने कहा कि यह ऐसा नहीं था कि वेश्यावृत्ति से पैसे कमाने हैं। यह कुछ इस तरह था। हम साथ में ड्रग्स लेते हैं और फिर मेरे पास सोने के लिए जगह होगी। एक अन्य युवती ने बताया कि एक ग्राहक के साथ हिंसक मुठभेड़ के बाद पहली बार उसके मन में इसे छोड़ने का ख्याल आया।

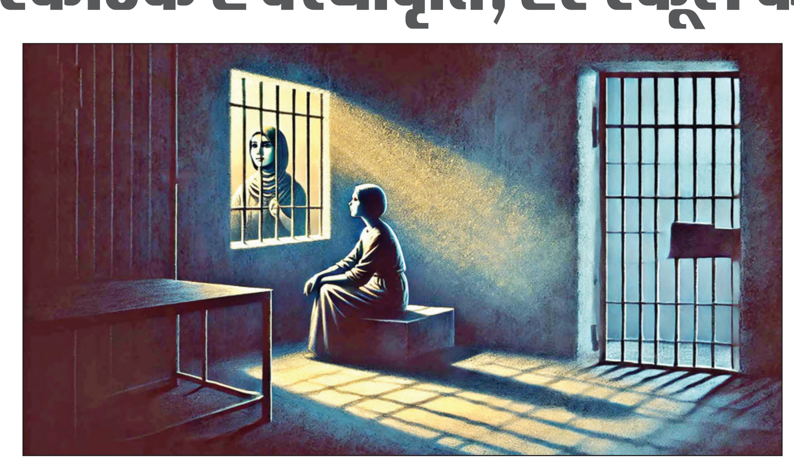

उसने कहा कि अंत तभी आया जब मुझे मौत का अहसास हुआ। इजराइल में इन लड़कियों बचाने के लिए आश्रय स्थलों का निर्माण किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक कई नाबालिग लड़कियां बेहद कम उम्र में वेश्यावृत्ति में प्रवेश करती हैं। इनमें कुछ की उम्र तो 13 साल की होती है। इजराइल में जागरूकता के बावजूद इस घटना का दायरा काफी हद तक अनिर्दिष्ट है। इजराइली कल्याण मंत्रालय ने 2016 में किए गए अंतिम आधिकारिक सर्वेक्षण में वेश्यावृत्ति में शामिल 1300 नाबालिगों की पहचान की गई थी, लेकिन तस्करी विरोधी टास्क फोर्स ने नए अनुमान जारी किए, जो इस संख्या को 3000 के करीब बताते हैं।

कल्याण मंत्रालय में वेश्यावृत्ति और तस्करी पीड़ितों के लिए सेवाओं की प्रमुख ने कहा कि इजराइल के हर स्कूल में कम से कम पांच लड़कियां और दो लड़के जोखिम में हैं। टास्क फोर्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि वेश्यावृत्ति में शामिल कई वयस्क महिलाएं नाबालिग होने पर इसमें फंस गई थीं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से डरे बिल गेट्स, इंसानों की नौकरियां खा लेगा

लंदन । बीते कुछ वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने काफी तरक्की की है। 2022 में ओपन एआई के द्वारा चैट जीपीटी और पिछले साल चीन के डीप सीक के आने के बाद कई प्रोफेशनल लोगों के मन में यह डर घर कर गया है कि क्या यह एआई आने वाले समय में उनकी नौकरी को खा लेगा। क्योंकि आज आम तौर पर ही हम एआई का उपयोग करने लगे हैं, इसके बाद कई कंपनियों के लिए यह किसी इंसान को काम पर रखने से ज्यादा आसान है। इसी मुद्दे को लेकर माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने भविष्यवाणी की है एआई निकट भविष्य में ज्यादातर जगहों पर या कहें नौकरियों में इंसानों की जगह ले लेगा। गेट्स के पहले नाविडिया के जेन्सेन हुआंग, ओपन एआई के सैम ऑल्टमैन सहित कई लोगों का मानना है कि एआई से सबसे पहले कोडिंग करने वाले लोग अपनी नौकरी खाने वाले हैं, क्योंकि एआई बिना किसी गलती के और बेहतर ढंग से काम करने में सक्षम है। इस मामले पर गेट्स की राय थोड़ी अलग है। उनका मानना है कि कोडिंग में एक्सपर्ट्स को नहीं हटाया जा सकता.. उनकी भूमिका हमेशा ही महत्वपूर्ण रहेगी। गेट्स ने जिन तीन प्रोफेशन के नाम बताए उनमें सबसे महत्वपूर्ण है बायोलॉजिस्ट.. गेट्स ने कहा कि एआई कभी जीवविज्ञानियों की जगह नहीं ले पाएगा क्योंकि इसमें वैज्ञानिक खोजों के लिए रचनात्मकता की कमी है।

इसी सत्र में पेश होगा वक्फ संशोधन विधेयक : अमित शाह

वक्फ संशोधन विधेयक संविधान की भावना के अनुरूप

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि संसद के वर्तमान बजट सत्र में वक्फ संशोधन विधेयक को फिर से पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कानून से किसी को भी डरने की जरूरत नहीं है। सरकार संविधान के दायरे में अधिनियम में संशोधन कर रही है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि अगस्त 2024 में संयुक्त संसदीय समिति (जेप-ीसी) को भेजा गया वक्फ संशोधन विधेयक संसद के वर्तमान बजट सत्र में फिर से पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा, हम इसी सत्र में वक्फ विधेयक पेश करेंगे। बता दें कि बजट सत्र 4 अप्रैल को समाप्त हो जाएगा।

अमित शाह ने कहा कि प्रस्तावित कानून से किसी को भी डरने की जरूरत नहीं है। नरेंद्र मोदी सरकार संविधान के दायरे में वक्फ अधिनियम में संशोधन कर रही है। उन्होंने कहा, विपक्ष मुसलमानों को गुमराह कर रहा है। मुसलमानों के किसी भी अधिकार पर अंकुश नहीं लगाया जाएगा। वे सिर्फ झूठ बोल रहे हैं।

मौजूदा कानून में संशोधन करना आवश्यक था, क्योंकि मूनल कानून तुष्टीकरण की राजनीति के कारण बनाया गया था। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने वक्फ अधिनियम में ऐसे नियम बनाए जो संविधान की भावना के अनुरूप नहीं थे। उन्होंने कहा, हमने वक्फ विधेयक को संविधान के दायरे में रखा है, जबकि कांग्रेस ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए कानून को तोड़-मरोड़ कर पेश किया।

अमित शाह ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार इस तरह से काम कर रही है कि कानून को अदा-लतों में चुनौती दी जा सके। उन्होंने कहा कि कोई भी विधेयक संविधान की भावना से ऊपर नहीं हो सकता। शाह ने उदाहरण देते हुए कहा कि हमारे द्वारा बनाए गए कानून, जैसे नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए), संविधान के अनुच्छेद 370 को खत्म करने के लिए संसद के फैसले को भी अदालतों में चुनौती दी गई। वक्फ बोर्ड ने दिल्ली में 123 प्रमुख स्थानों को वक्फ संपत्ति घोषित किया है। प्रयागराज में ऐतिहासिक चंद्रशेखर आजाद पार्क को भी वक्फ संपत्ति घोषित किया गया है, जहां आजाद ने अपना बलिदान दिया था। कांग्रेस द्वारा बनाए गए मौजूदा कानून के अनुसार, इन फैसलों को अदालतों में चुनौती नहीं दी जा सकती।

विधेयक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन पर गृह मंत्री ने कहा कि सभी को विरोध करने का अधिकार है। किसी भी विवाद को अदालतों में चुनौती दी जा सकती है। उन्होंने कहा, वे विरोध करने के लिए स्वतंत्र हैं। यदि विधेयक संविधान के दायरे में नहीं है, तो इसे अदालतों में चुनौती दी जा सकती है। वहीं इसी कार्यक्रम में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि टैक्सी सेवा सरकार नहीं बल्कि सहकारी संगठन चलाएगा। उन्होंने कहा कि एक सहकारी संगठन बनाया जाएगा जो यह टैक्सी सेवा प्रदान करेगा। इसका लाभ सीधे ड्राइवरों को मिलेगा। यह सहकारिता की भूमिका है, सरकार की नहीं। सरकार किसी भी तरह का व्यापार नहीं करेगी।

भारत का सबसे बड़ा रक्षा सौदा

156 प्रचंड अटैक हेलीकॉप्टर की खरीद मंजूर

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारत रक्षा क्षेत्र में नई ताकत के साथ लगातार ऊंचाइयां छू रहा है। इसी दिशा में अब केंद्र सरकार ने अब तक के सबसे बड़े घरेलू रक्षा सौदे को हरी झंडी दे कर 156 मेड-इन-इंडिया एलसीएच प्रचंड अटैक हेलीकॉप्टरों की खरीद को मंजूरी दी है। सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सी-सीएस) की बैठक में यह महत्व-पूर्ण फैसला लिया गया है। उल्लेखनीय है कि इस वित्त वर्ष के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा 2.09 लाख करोड़ रुपए से अधिक के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

एलसीएच प्रचंड को एचएएल ने देश में ही डिजाइन और विकसित किया है जिसके चलते यह ठेका हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को ही मिला। यह अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर बन गया है। इन हेलीकॉप्टरों का निर्माण एचएएल के बेंगलुरु और तुमकुर स्थित अत्याधुनिक संयंत्रों में किया जाएगा। अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों से लैस यह हेलीकॉप्टर एलसीएच प्रचंड सियाचिन जैसे दुर्गम व ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी ऑपरेशन करने में पूरी तरह सक्षम है। इसमें रात्रि हमले की क्षमता के साथ-साथ बुलेटप्रूफ सुरक्षा, हवा से हवा और हवा से जमीन में मार करने वाली मिसाइलें और ड्रोन-रोधी सिस्टम जैसी विश-ेषताएं शामिल हैं। जिससे यह बड़ी ही आसानी से दुश्मन के टैंकों, बंकरों और एयर डिफेंस सिस्टम को भी प्रभावी और सटीक ढंग से निशाना बना सकता है।

प्रचंड को भारतीय थलसेना और वायुसेना में पिछले वर्ष ही शामिल किया गया था। जिससे यह मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियानों को एक बड़ी मजबूती देने वाला कदम है बन गया। अब इतने बड़े ऑर्डर से न केवल घरेलू रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि विदेशी निर्भरता कम होगी।

शहादत देने में सबसे आगे है जम्मू कश्मीर पुलिस

36 साल में 1709 अफसर और जवान की आहुति

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 29 मार्च। देश में जब शहादत देने की बात आती है तो जम्मू कश्मीर पुलिस को भूला नहीं जा सकता। वर्ष 1989 से लेकर अभी तक प्रदेश में 1709 पुलिसकर्मी मारे भी जा चुके हैं। गैर सरकारी तौर पर मरने वाले पुलिसकर्मियों की संख्या 1850 से ज्यादा है।

आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि कश्मीर में आतंकी हिंसा में शहीद पुलिसकर्मियों में सबसे अधिक कांस्टेबल हैं, जिनकी संख्या 593 है। उसके बाद दूसरा स्थान एसपीओ अर्थात विशेष पुलिस अधिकारियों का आता है। आंकड़ों के मुताबिक, 566 एसपीओ इस अवधि में जान गंवा चुके हैं। कश्मीर में 37 साल से फैले आतंकवाद के दौर में जम्मू कश्मीर पुलिस एक डीआईजी, एक एसपी, 22 डीएसपी, 28 इंस्पेक्टर, 39 सब इंस्पेक्टर और 70 एएसआई रैंक के अधिकारियों को भी खो चुकी है। यही नहीं 153 हेड कांस्टेबल, 191 सीनियर ग्रेड कांस्टेबल तथा 26 फॉलोअर्स भी आतंकी हिंसा में शहादत पा चुके हैं। जम्मू कश्मीर पुलिस की शहादत की शौर्यगाथाएं भी अपना एक मुकाम रखती हैं। तभी तो इन शहादतों के लिए वे कई बार कई पदकों से नवाजे जा चुके हैं। इन शहादतों के लिए उसे अभी तक एक अशोक चक्र, दो कीर्ति चक्र, 18 शौर्य चक्र, 1672 प्रेसिडेंट पुलिस गैलेंट्री अवार्ड तथा 1822 जम्मू कश्मीर पुलिस मेडल फॉर गैलेंट्री भी प्राप्त हुए हैं। कश्मीर में फैले आतंकवाद की तस्वीर का एक पहलू यह है कि जम्मू कश्मीर पुलिस कभी सिर्फ लाशें गिनने वाली फोर्स बन रह गई थी पर अब वह सबसे आगे रहकर आतंकवाद का खात्मा करने की ओर अग्रसर है। आतंकी हमलों, चेतावनियों और धमकियों के बावजूद कश्मीर में मारे जाने वाले हजारों आतंकियों में से आधे की मौत में जम्मू कश्मीर पुलिस की प्रमुख भूमिका रही है।

ईसाई धर्मांतरण के लिए एसटी बच्चों का हो रहा ब्रेनवॉश

मंडला में बाल आयोग ने अवैध हॉस्टल से बरामद किए 48 बच्चे

मंडला, 29 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मंडला जिले में ईसाई मिशनरियां सक्रिय हैं। ये स्कूल चला रही हैं, ये हॉस्टल चला रही हैं, जिनमें बच्चों को शिक्षा के नाम पर ईसाई बनाया जा रहा है। मंडला के घुटास ग्राम में साइन फॉर इंडिया नाम का स्कूल है, इसके हॉस्टल में रहने वाले 15 लड़कियों और 33 लड़कों को ईसाई बना दिया गया है। इस स्कूल को हॉस्टल चलाने की अनुमति तक नहीं है।

मध्य प्रदेश बाल संरक्षण आयोग की जांच में पता चला कि इन बच्चों का ब्रेनवॉश करके उन्हें ईसाई धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया गया। इस स्कूल को ओड़ीशा का ज्योति राज बिना किसी अनुमति के चला रहा है। आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सारी जानकारी भोपाल मुख्यालय व प्रशासन को कार्रवाई के लिए भेज दी है।

बाल संरक्षण आयोग के सदस्य ओंकार सिंह ने बताया कि ये 48 बच्चे दामोह, अनूपपुर, ओड़ीशा

राज्य और आसपास के इलाकों से लाए गए थे। टीम ने जब बच्चों से बात की, तो चौंकाने वाली बातें सामने आईं। बच्चे डॉक्टर या इंजीनियर बनने के बजाय पास्टर और सिस्टर बनने की बात कह रहे थे। बच्चों ने खुद बताया कि उन्हें ईसाई धर्म से जुड़ने के लिए कहा गया है। जांच में पाया गया कि उनका पूरी तरह से ब्रेनवॉश कर दिया गया था। स्कूल में बाइबिल समेत कई मजहबी किताबें भी मिलीं, जो इस बात का सबूत थीं कि यहां धार्मिक गतिविधियां चल रही थीं।

आयोग की टीम के सामने ही एक अजीब नजारा देखने को मिला। स्कूल में प्रार्थना खुले में नहीं, बल्कि छत के नीचे एक अंडरग्राउंड जगह पर हो रही थी। आमतौर पर स्कूलों में प्रार्थना खुले में होती है, लेकिन यहां ऐसा नहीं था। टीम ने बच्चों से बातचीत और प्रार्थना का पूरा वीडियो रिकॉर्ड किया, जो अब सबूत के तौर पर प्रशासन और भोपाल मुख्यालय को भेजा गया है। डीपीसी केके उपाध्याय ने बताया कि उन्हें पहले से शक था कि स्कूल में कुछ गलत चल रहा है। जब आयोग की टीम पहुंची, तो बच्चों को बाइबिल के साथ प्रार्थना कक्ष में जाते देखा। बच्चों ने कहा कि वे रोज शाम 6:30 बजे ईसाई प्रार्थना करते हैं और पहले वे दूसरे धर्म को मानते थे।

बाल संरक्षण आयोग की सदस्य डॉ. निवेदिता शर्मा ने बताया कि स्कूल के दस्तावेजों में बच्चों का धर्म हिंदू और जाति गोंड लिखा था, लेकिन हॉस्टल के रिकॉर्ड में उन्हें क्रिश्चियन दिखाया गया। बच्चों के पूरे कागजात भी नहीं मिले। हैरानी की बात ये कि हॉस्टल में बच्चियों के बाथरूम में कैमरे लगे थे, जो बेहद आपत्तिजनक है। इन 48 बच्चों में 15 लड़कियां और 33 लड़के शामिल हैं जो मंडला, ओड़ीशा और अनूपपुर से लाए गए थे। बच्चों के माता-पिता की अनुमति के बिना उन्हें धार्मिक गतिविधियों में शामिल किया जा रहा था।

मंडला जिले के सामाजिक कार्यकर्ता तारेंद्र चौरसिया ने बताया कि बच्चों के हाथ में कलावा, माथे पर तिलक, सब गायब हैं। हिंदू प्रतीकों को मिटा दिया गया है। गोंड बच्चे हैं। पूरी तरह से ईसाई बनाए जा चुके हैं। प्रार्थना में ईशू की प्रार्थना करते हैं, बाइबिल हाथ में लिए रहते हैं। ये सभी बच्चे गोंड और बैगा जनजाति के हैं। बैना जनजाति की संख्या तेजी से खत्म हो रही है और इसमें सबसे बड़ा योगदान इन मिशनरियों का है। तारेंद्र चौरसिया ने कहा, सबसे बड़ा विषय यह है कि यहां आदिवासी बच्चों के साथ-साथ बैगा जनजाति बच्चों को भी कन्वर्ट किया जा चुका है। बिना माता-पिता के अनुमति के इनको प्रार्थना कराई जाती है एवँ उनके स्कूल फॉर्म में भी क्रिश्चियन रिलिजन लिखा गया है। इसी तरह आदिवासी जिला मंडला में ईसाई मिशनरियों के द्वारा विद्यालय को धर्मांतरण का अड्डा बनाया हुआ है, लगभग सभी स्कूलों में इसी तरह के मामले सामने आ रहे हैं।

इस मामले से जुड़े वीडियो और फोटो पूरी कहानी बताते हैं। प्रार्थना करने से लेकर एमपी बाल संरक्षण आयोग के सदस्यों से बातचीत तक के, इन वीडियो और अन्य जानकारियों को कार्रवाई के लिए आगे भेजा गया है। हैरानी की बात है कि बामुश्किल 100 परिवारों वाले इस पिछड़े से गांव में ईसाई मिशनरियां करोड़ों खर्च करके स्कूल बना रही हैं और उसमें बच्चों को मामूली फीस पर पढ़ाया जा रहा है। आखिर इसके पीछे का मकसद क्या है और कौन इस काम के लिए पैसे दे रहा है, इसकी जांच बेहद जरूरी है। साफ तौर पर ये पूरा मामला ईसाई मिशनरियों की करतूतों की ओर इशारा कर रहा है। बिना अनुमति के स्कूल चलाना, बच्चों का ब्रेनवॉश करना और धर्मांतरण की कोशिश करना गंभीर अपराध है। मुख्य आरोपी ज्योति राज ओड़ीशा का रहने वाला है और उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। प्रशासन से संपर्क कर इस मामले में सख्त कदम उठाने को कहा गया है।

सुकमा में 17 नक्सली ढेर, दो जवान घायल

सुकमा, 29 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में पुलिस के साथ सुरक्षाबलों का नक्सल विरोधी अभियान जारी है। आज सुकमा में मुठभेड़ के दौरान 17 नक्सली मारे गए हैं। वहीं दो जवान घायल हुए हैं। मुठभेड़ स्थल से 10 से ज्यादा एके-47, इंसास राइफल, एसए-लआर जैसे ऑटोमेटिक हथियार मिले हैं। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में शनिवार सुबह सुर-क्षाकर्मियों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। मुठभेड़ में अब तक 17 नक्सली मारे गए हैं। इंसास और एसएलआर समेत बड़ी मात्रा में हथियार बरामद हुए हैं। मरने वाले नक्सलियों की संख्या बढ़ सकती है। एक साल के अंदर अब तक 410 नक्सली मारे जा चुके हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 17 नक्सलियों के मारे जाने के बाद कहा कि हथियार रखने वाले और हिंसा का सहारा लेने वाले बदलाव नहीं ला सकते, शांति

और विकास ही ला सकते हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट लिख कहा कि नक्सलवाद पर एक और प्रहार! हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने सुकमा में एक अभियान में 17 नक्सलियों को मार गिराया और स्वचालित हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार 31 मार्च, 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। हथियार रखने वालों से मेरी अपील है कि हथियार और हिंसा बदलाव नहीं ला सकते, शांति और विकास ही ला सकते हैं।

बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि 17 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। दो जवानों को मामूली चोटें आईं हैं। खबर है कि इस मुठभेड़ में डीवीसीएम जगदीश ढेर हो गया है। वहीं सुकमा एसपी किरण गंगाराम चव्हाण ने बताया कि हमने अब तक 17 नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। बड़ी संख्या में एके-47, एसएलआर, इंसास राइफल और अन्य हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए हैं। दो जवानों को मामूली चोटें आई हैं। एक अधिकारी ने कहा कि मुठभेड़ केरलापाल थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक जंगल में हुई है। मुठभेड़ उस वक्त हुई जब सुरक्षाबलों की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। केरलापाल क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर शुक्रवार रात को अभियान शुरू हुआ। अभियान में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान शामिल थे। सुकमा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, जिला सुकमा के थाना केरलापाल क्षेत्र में माओवादियों के उपस्थिति की सूचना परब 28 मार्च को जिला सुकमा डीआरजी और सीआ-रपीएफ की संयुक्त पुलिस पार्टी नक्सल विरोधी सर्च अभियान में रवाना हुए हुई।

अभियान के दौरान आज सुबह सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रूक-रूक कर मुठभेड़ जारी है।

मुठभेड़ स्थल और आस-पास क्षेत्रों की सुरक्षाबलों द्वारा सघन सर्चिंग जारी है। जवानों ने नक्सलियों को चारों तरफ से घेर रखा है। मुठभेड़ में डीवीसीएम केडर के नक्सलिक जगदीश के भी मारे जाने की खबर है। हाल ही में 25 लाख का नक्सली सुधाकर भी मार गिराया गया था। मुठभेड़ में दो जवान घायल हुए हैं, जिन्हें सुकुमा के स्थानीय अस्पताल में लाया गया है।

केरलापाल वही इलाका है। जहां नक्सलियों ने पूर्व कलेक्टर एलेक्स पाल मेनन को बंधक बनाया था। जिसे छुड़ाने के लिए नक्सलियों से बातचीत करनी पड़ी थी।

मुठभेड़ स्थल से जवानों को मौके से 10 से ज्यादा एके-47, इंसास राइफल, एसएलआर जैसे ऑटोमेटिक हथियार मिले हैं। इससे स्पष्ट होता है कि वहां पर नक्सलियों के बड़े लीडर जमा हुए थे। ऐसे में अन्य बड़े नक्सलियों के भी मारे जाने की खबर है। वर्तमान समय पतझड़ का चल रहा है। ऐसे समय में नक्सल एरिया में सर्चिंग करना जवानों के लिए काफी परेशानी का काम होता है। क्योंकि पतझड़ होने से नक्सलियों को जवानों के आने की जानकारी मिल जाती है। पत्तों के ऊपर जवानों के चलने से आवाज होती है। जिससे नक्सलियों को भनक लग जाती है।

मोदी सरकार ने तोड़ी आतंकवाद की कमर

तो कश्मीरी युवा मिटाने लगे एके-47 वाला टैटू

श्रीनगर, 29 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर के युवा अब एके-47 राइफलों वाले टैटू अपने शरीर से मिटवा रहे हैं। इसके पीछे मजहबी कारण से लेकर घाटी के माहौल में आए बदलाव तक का असर है। जम्मू-कश्मीर के युवा अब आतंक से मुंह मोड़ रहे हैं। कुछ वर्ष पहले तक आतंकवादियों को अपना नायक मानने वाले युवा अब इस जाल में नहीं फंस रहे। जो युवा कभी रियाज नाइकू और बुरहान वानी बनने का सपना देखने वाले सेना में जाने को अपनी पहली पसंद मान रहे हैं। इसी कड़ी में जम्मू-कश्मीर के युवा अब अपने टैटू हटवा रहे हैं।

बीते चार साल में कई हजार युवा अपने टैटू मिटवा चुके हैं। टैटू विशेषज्ञों का कहना है कि अब लोग कश्मीरी संस्कृति और धर्म के बारे में जागरूक हो रहे हैं। अब जो लोग नए टैटू बनवा रहे हैं, उनकी भी प्राथमिकता में बदलाव आया है।

यहां के टैटू स्टूडियो में पूरे दिन युवाओं की भीड़ रहती है। वहां से कुछ दूरी पर लेजर पेन से टैटू मिटाने वाले विशेषज्ञ बासित बशीर का क्लीनिक भी है। उनके क्लीनिक पर युवाओं की भीड़ हाल के दिनों में बढ़ गई है। बासित ने बताया कि सबसे अधिक एके-47 वाले टैटू हटवाने के लिए युवा आ रहे हैं। ब्वायफ्रेंड और गर्लफ्रेंड के टैटू भी मिटवाए जा रहे हैं। वर्षों से हिंसा और आतंक की परछाई में रहे युवाओं के मन-मस्तिष्क पर भी आतंक की छाप आ गई थी। इसी के चलते उनके टैटू भी एके-47, कंकाल की खोपड़ी, बिच्छू, सांप और शेर जैसे टैटू शरीर के अलग अलग हिस्सों में बनवाने लगे। रिपोर्ट में बशीर ने बताया कि अब तक वह लगभग एक लाख लोगों के शरीर से ऐसे टैटू मिटा चुके हैं।

टैटू हटवाने के लिए आने वाले लोग कैमरे पर या आधिकारिक तौर पर बात नहीं करना चाहते। ऐसा इसलिए है क्योंकि कश्मीर में टैटू को एक टैबू के तौर पर देखा जाता है। इसके अलावा कई लोगों का कहना है कि ट्रेंड के दौरान बनवाए गए टैटू से अब लोगो का उतना जुड़ाव नहीं रहा। इसके अलावा टैटू हटाने के पीछे मजहबी कारण भी है। इस्लाम मजहब में भी स्थायी टैटू की इजाजत नहीं है। टैटू बनवाकर मस्जिद में जाना हराम है। मस्जिद के इमाम भी टैटू के खिलाफ लगातार तक़रीर देते रहते हैं।

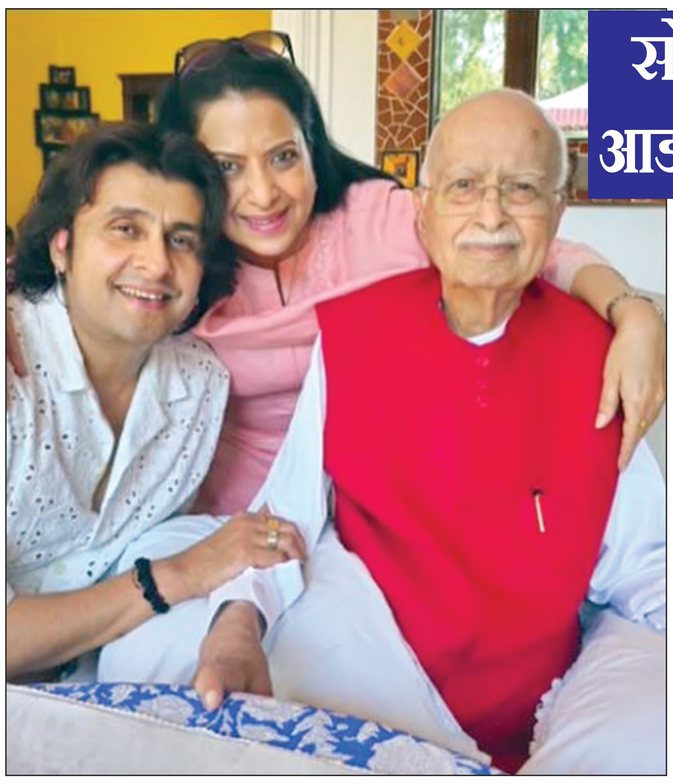

सोनू निगम ने की लालकृष्ण आडवाणी और प्रतिभा आडवाणी से मुलाकात, सिंधी व्यंजनों का उठाया लुत्फ

पार्श्व गायक सोनू निगम ने हाल ही में दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) में अपने प्रदर्शन के बाद भारत के पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और उनकी बेटी प्रतिभा आडवाणी से मुलाकात की। शुक्रवार को गायक ने अपने इंस्टाग्राम पर लालकृष्ण आडवाणी और प्रतिभा आडवाणी के साथ खुद का एक वीडियो शेयर किया। गायक ने बताया कि उन्हें सिंधी खाना बहुत पसंद है और प्रतिभा ने उन्हें सिंधी कढ़ी खिलाई।

उन्होंने कैप्शन में एक लंबा नोट भी लिखा। सोनू ने लिखा, प्रतिभा आडवाणी और लालकृष्ण आडवाणी जी बहुत लंबे समय से मेरे जीवन का हिस्सा रहे हैं इसीलिए मैंने अपने डीटीयू कॉन्सर्ट के बाद उनके साथ लंच करने के लिए एक और दिन रुकने का फैसला किया। चूंकि मेरी मां सिंधियों के बीच पली-बढ़ी थीं इसलिए सिंधी खाना हमारे बचपन का अहम हिस्सा रहा है। प्रतिभा इसे जानती हैं और इसीलिए उन्होंने दाल पकवान के अलावा मेरे लिए सिंधी कढ़ी भी पकाई। आडवाणी जी 97 साल के हैं और वे हमेशा की तरह खूबसूरत हैं। मेरा परिवार।

इससे पहले सोनू ने हाल ही में दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी में उनके प्रदर्शन के दौरान हुई पत्थरबाजी की घटना पर स्पष्टीकरण जारी किया था।गायक ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर किसी भी तरह की पत्थरबाजी की घटना से इनकार किया, हालांकि उनके प्रदर्शन के दौरान गायक पर स्मोकिंग डिवाइस और हेडगियर फेंका गया, जिसे पूकी बैंड कहा जाता है।

गायक ने पूकी बैंड पहने हुए अपनी एक तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा।उन्होंने लिखा, डीटीयू में कुछ मीडिया में बताए गए पत्थर या बोतलें फेंकने जैसा कुछ नहीं हुआ। मंच पर किसी ने एक वेप फेंका जो शुभंकर की छाती पर लगा और तभी मुझे इसके बारे में बताया गया। मैंने शो रोक दिया और कॉलेज के छात्रों से अनुरोध किया और उन्हें याद दिलाया कि अगर ऐसा कुछ दोबारा हुआ तो शो को रोकना पड़ेगा।उन्होंने कहा, इसके बाद मंच पर केवल पूकी बैंड फेंका गया।

सावित्रीबाई फुले का किरदार पर्दे पर निभाना बड़ी जिम्मेदारी थी : पत्रलेखा

अभिनेत्री पत्रलेखा की अपकमिंग बायोपिक 'फुले' का ट्रेलर हाल ही में लॉन्च हुआ। फिल्म में अभिनेत्री सावित्रीबाई फुले की भूमिका में हैं। अभिनेत्री ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की और बताया कि पर्दे पर सावित्रीबाई फुले का किरदार निभाना, उनके लिए एक बड़ी जिम्मेदारी थी और उनका यह सफर भावनाओं से भरा रहा। इसे एक परिवर्तनकारी और बेहद प्रेरणादायक अनुभव बताते हुए, पत्रलेखा ने कहा कि समाज सुधारक की भूमिका निभाना उनके लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी, उन्होंने उनके संघर्ष, ताकत और विरासत को पर्दे पर दिखाने का प्रयास किया।

उन्होंने आईएएनएस को बताया, जब मुझे इस भूमिका के लिए संपर्क किया गया, मेरे विचार स्पष्ट थे। जब मैंने पहली बार अनंत सर से बात की, तो उन्होंने मुझे स्क्रिप्ट भेजी, जो काफी बड़ी थी। मुझे याद है कि मैंने उन्हें फोन करके कहा था, सर, यह स्क्रिप्ट बहुत बड़ी है। मेरे पास पढ़ने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन उन्होंने मुझे आश्वस्त करते हुए कहा कि यह सिर्फ पहला ड्राफ्ट है और वे इसे और बेहतर बनाएंगे। डेढ़ साल बाद, मुझे अंतिम स्क्रिप्ट मिली और यह खूबसूरती से लिखी गई थी। मैं मना नहीं कर सकी। मुझे बस इतना पता था कि मुझे इसका हिस्सा बनना है।

पत्रलेखा ने सावित्रीबाई फुले के रूप में चुने जाने पर अपनी शुरुआती प्रतिक्रिया के बारे में भी बताया, उन्होंने स्वीकार किया कि वह इतनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उत्साहित और चिंतित दोनों थीं।अभिनेत्री ने बताया, ईमानदारी से कहूं तो मैं तुरंत ही इस किरदार की ओर आकर्षित हो गई। यह सिर्फ एक ऐतिहासिक शख्सियत का किरदार निभाने के बारे में नहीं था, यह साहस की कहानी के बारे में था। जब अनंत सर और मैंने पहली बार बात की, तो मैं ऐसे महत्वपूर्ण व्यक्ति का किरदार निभाने को लेकर चिंतित थी, लेकिन उन्होंने मेरी मदद की।उन्होंने कहा, अपनी चिंताओं को छोड़ो और बस करो। उस आश्वासन ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया। बेशक यह चुनौतीपूर्ण था, लेकिन एक बार जब मैं सेट पर गई, तो घबराहट गायब हो गई। फिल्म में सावित्रीबाई का किरदार निभाना उनके लिए कितना चुनौतीपूर्ण था, इस बारे में अभिनेत्री ने कहा, मैं पहले तो काफी चिंतित थी, लेकिन अनंत सर ने मेरी मदद की। उन्होंने मुझे चीजों को समझने और अपना आत्मविश्वास पाने का मौका दिया। इस तरह के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक किरदार को निभाना कोई आसान काम नहीं है। टीम के सहयोग से मुझे किरदार में पूरी तरह से ढलने का आत्मविश्वास मिला।अनंत महादेवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में ज्योतिराव फुले की भूमिका में प्रतीक गांधी हैं। यह महात्मा फुले की 197वीं जयंती के मौके पर 11 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

द भूतनी का ट्रेलर रिलीज

' रोमांच से भरपूर फिल्म में संजय दत्त, पलक तिवारी और मौनी रॉय लगाएंगे कॉमेडी का तड़का

बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त, पलक तिवारी, मौनी रॉय और सनी सिंह स्टारर फिल्म 'द भूतनी' का ट्रेलर शनिवार को रिलीज हो गया, जो एक मजेदार और डरावने रोमांच से भरपूर है।

फिल्म 'द भूतनी' के ट्रेलर में मजेदार पंचलाइन, खौफनाक रोमांच और संजय दत्त का आइकॉनिक स्वैग दिखाई देता है। 'द भूतनी' दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में ले जाने का वादा करती है, जहां डर और हंसी का अनोखा मिश्रण देखने को मिलेगा।

मेकर्स ने मुंबई में एक मेगा इवेंट में पूरी स्टारकास्ट की मौजूदगी में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया।26 फरवरी को संजय ने महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर फिल्म के टाइटल 'द वर्जिन ट्री' का खुलासा किया था। यह भी खुलासा हुआ कि यह फिल्म 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में आएगी।फिल्म के निर्माताओं ने एक टीजर भी शेयर किया था, जो एक रहस्यमयी दुनिया की झलक देता है।'द भूतनी' को सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स प्रस्तुत कर रहे हैं, जिसे सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के बैनर तले दीपक मुकुट, संजय दत्त, हुनर मुकुट और मान्यता दत्त ने प्रोड्यूस किया है।सके अलावा, संजय की आने वाली फिल्मों में बहुप्रतीक्षित सीक्वल वेलकम टू द जंगल भी शामिल है। अहमद खान के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार, रवीना टंडन, दिशा पटानी, सुनील शेट्टी, लारा दत्ता, बॉबी देओल, जैकलीन फर्नांडिस, परेश रावल, अरशद वारसी, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े और तुषार कपूर जैसे कलाकारों की टीम है।

यह फिल्म 'वेलकम' फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है। यह फिल्म पहली बार 2007 में रिलीज की गई थी और इसका दूसरा भाग 'वेलकम बैक' 2015 में रिलीज किया गया था। इसके साथ ही, संजय दत्त 'सन ऑफ सरदार 2' में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते नजर आएंगे। इस ड्रामा में अजय देवगन और मृणाल ठाकुर मुख्य जोड़ी के रूप में हैं। विजय कुमार अरोड़ा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को अजय देवगन ने देवगन फिल्म्स के बैनर तले जियो स्टूडियोज के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है।

शाहिद कपूर के साथ काम करना मेरे लिए एक खास पल होगा

ईशान खट्टर ने की भाई की तारीफ

बॉलीवुड एक्टर ईशान खट्टर के लिए अपने भाई और एक्टर शाहिद कपूर के साथ काम करने का विचार बेहद उत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें शाहिद के साथ कैमरे के सामने आने का मौका मिला, तो वह बेहद खास होगा।

ईशान ने आईएएनएस को बताया, इस इंडस्ट्री और इस काम की खूबसूरत बात यह है कि आपको कभी नहीं पता कि आगे क्या होने वाला है, यह अनिश्चित है। मुझे लगता है कि हम दोनों ऐसे लोग हैं जो अपनी सहज भावना पर बहुत भरोसा करते हैं।

ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर में हिस्सा लेने गुवाहाटी पहुंचे अभिनेता ने कहा, मुझे लगता है हम दोनों भाई एक-दूसरे का बहुत सम्मान करते हैं। मेरा मतलब है, वह मेरे बड़े भाई हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हम दोनों के बीच आपसी सम्मान है और हम एक-दूसरे को अपने करियर में जगह और पूरी आजादी देते हैं।

ईशान ने कहा, अगर हमें साथ काम करने का मौका मिला, तो मुझे लगता है कि यह एक बहुत खास पल होगा और हम इसे दर्शकों के लिए भी उतना ही या उससे ज्यादा खास बनाना चाहेंगे।ईशान ने 2005 की फिल्म 'वाह! लाइफ हो तो ऐसी!' में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट पहली बार स्क्रीन पर मौजूदगी दर्ज कराई थी।उन्होंने आगे कहा, जहां तक कहानी की बात है, यह किसी भी जोनर की हो सकती है, मुझे लगता है मैं अपने किरदार में पूरी तरह डूब कर काम करने को तत्पर रहूंगा।बता दें कि ईशान द रॉयल्स की रिलीज के लिए तैयार हैं, जिसमें वह भूमि पेडनेकर के साथ अभिनय करते नजर आएंगे।टीजर के अनुसार, ईशान मोरपुर के शाही सिंहासन के करिश्माई उत्तराधिकारी अविराज सिंह की भूमिका निभाते नजर आएंगे। वह भूमि के किरदार सोफिया कनमनी शेखर से मिलते हैं, जो एक प्रेरित और सीधी-सादी सीईओ है।

द भूतनी में दिखाई देंगे अभिनेता सनी सिंह, कहा मैं हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहता था

अपनी आगामी फिल्म 'भूतनी' के ट्रेलर लॉन्च पर अभिनेता सनी सिंह ने कहा कि वह हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहते थे। सनी सिंह, मौनी रॉय, पलक तिवारी, संजय दत्त, निक और आसिफ खान 'द भूतनी' में नजर आएंगे। फिल्म का ट्रेलर फैंस को पसंद आ रहा है। कॉमेडी और हॉरर का मिक्सअप इस फिल्म में देखने को मिलेगा।

फिल्म के बारे में अपनी उत्सुकता साझा करते हुए सनी ने कहा, मैं हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहता था। जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी और सिद्धांत सचदेव से मिला, तो मुझे पूरा कॉन्सेप्ट पसंद आया। संजू सर के साथ, मुझे पता था कि यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा।सिद्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित और दीपक मुकुट और संजय दत्त द्वारा बनाई गई यह हॉरर-कॉमेडी एक भरपूर मनोरंजन करने का वादा करती है।

सनी ने कहा कि लोगों को फिल्म का पोस्टर बहुत पसंद आया है और मुझे भी। हर हॉरर कॉमेडी अनोखी होती है, लेकिन यह कॉन्सेप्ट पहले देखी गई किसी भी चीज से अलग है। इसे खूबसूरती से शूट किया गया है, और मेरे दोस्त पहले से ही उत्साहित हैं। दर्शकों ने पहले भी मेरी फिल्मों म मु झे प स ं द किया है, और मुझे लगता है कि इस बार भी वे मुझे उतना ही प्यार देंगे।यह फिल्म 18 अप्रैल को रिलीज होगी।सनी ने 2007 में धारावाहिक 'कसौटी जिंदगी की' टेलीविजन पर अपनी शुरुआत की, जिसमें उन्होंने कृतिका सेंगर द्वारा निभाए गए किरदार के प्रेमी की भूमिका निभाई। इसके बाद, उन्होंने 2009 के धारावाहिक शकुंतला में करण की भूमिका निभाई।

मैं योगी हूं और योगी ही रहूंगा... अजेय : द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी का टीजर आउट

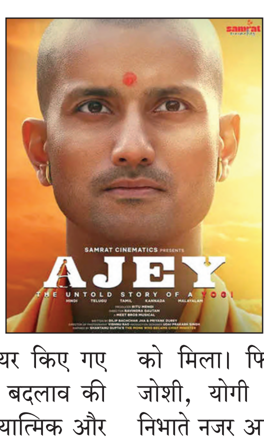

मैं योगी हूं और योगी ही रहूंगा...' ये लाइन है उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर बन रही बायोपिक की। अपकमिंग फिल्म का टाइटल 'अजेय : द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी' है। निर्माताओं ने बुधवार को टीजर जारी कर फिल्म के बारे में जानकारी दी।

फिल्म प्रोडक्शन हाउस सम्राट सिनेमैटिक्स ने टीजर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, उसने सब त्याग दिया, लेकिन जनता ने उसे अपना बना लिया। शेयर किए गए वीडियो में योगी आदित्यनाथ के जीवन और बदलाव की झलक को दिखाया गया है, जिसमें उनके आध्यात्मिक और राजनीतिक मार्ग को आकार देने वाले निर्णायक क्षणों को भी बारीकी के साथ दिखाया गया है। इसमें उनके शुरुआती वर्षों, नाथपंथी योगी के रूप में संन्यास लेने के उनके फैसले और एक राजनेता के रूप में उनके विकास को भी टीजर में उतारा गया है।'अजेय' लेखक शांतनु गुप्ता की किताब 'द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर : द डेफिनिटिव बायोग्राफी ऑफ योगी आदित्यनाथ' पर बनी है। फिल्म की पहली झलक में ड्रामा, इमोशंस, एक्शन और त्याग का मिश्रण देखने को मिला। फिल्म में अभिनेता अनंत जोशी, योगी आदित्यनाथ की भूमिका निभाते नजर आएंगे। अनंत के साथ फिल्म में परेश रावल, दिनेश लाल यादव 'निरहुआ', अजय मेंगी, पवन मल्होत्रा, गरिमा सिंह, राजेश खट्टर भी अहम भूमिकाओं में हैं।

शेखर कपूर और कावेरी कपूर की जोड़ी मासूम 2 के लिए

एक ऐसा सिनेमाई सहयोग जिससे उम्मीदें बहुत ऊँची हैं

कावेरी कपूर ने हाल ही में फ़िल्म बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी से हिंदी सिनेमा में कदम रखा और अपनी पहली ही फ़िल्म से दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। अपनी अभिनय प्रतिभा को और निखारते हुए, अब वह अपने अगले प्रोजेक्ट 'मासूम: द नेक्सट जेनरेशन' के लिए पूरी तरह तैयार हैं, और इस बार उन्हें मार्गदर्शन देंगे उनके पिता, महान फिल्मकार शेखर कपूर। दूरदर्शी फिल्म निर्माता शेखर कपूर जिन्होंने लगभग चार दशक पहले 1983 में अपनी क्लासिक फिल्म मासूम से दर्शकों को आकर्षित किया था, अब 'मासूम 2' के साथ जटिल पारिवारिक गतिशीलता की जटिल कहानी को फिर से दिखाने के लिए तैयार हैं, यह सीक्वल अपने पिछले भाग की तरह ही लोगों को पसंद आने का वादा करता है।

कावेरी कपूर पहले ही इंडस्ट्री में एक बहुआयामी कलाकार के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। वह एक गीतकार, गायिका और अब अभिनेत्री भी हैं। चार म्यूजिक वीडियो और पाँच गानों के साथ, वह खुद को एक संगीत प्रतिभा के रूप में स्थापित कर चुकी हैं। अब, वह अपनी दूसरी फ़िल्म 'मासूम 2' के साथ अपने अभिनय सफर को और ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए तैयार हैं।

कावेरी के लिए 'मासूम: द नेक्स्ट जेनरेशन' को और भी खास बनाने वाली बात यह है कि वह तीन दिग्गजों कलाकारों-नसीरुद्दीन शाह, शबाना आज़मी (जो मासूम के 'ओरिजिनल स्टार्स' हैं) और उनके पिता शेखर कपूर, जो इस फ़िल्म का निर्देशन भी कर रहे हैं, के शानदार मार्गदर्शन और अनुभव के साथ सीखने का।

विक्रम नव संवत्सर आज से प्रारंभ

सिद्धार्थ संवत् 2082 के सूर्य होंगे राजा और मंत्री

हिंदू पंचांग के हिसाब से हिन्दू नववर्ष 30 मार्च 2025 से शुरू हो रहा है। इस वर्ष का नाम सिद्धार्थ संवत् है। नए वर्ष की शुरुआत रविवार के दिन होने से संवत के राजा और मंत्री सूर्य होंगे। वहीं अन्न-धन, खनिज व धातु के स्वामी बुध, खाद्य पदार्थों के स्वामी मंगल होंगे। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा में रविवार 30 मार्च को नए संवत्सर 2082 का आरंभ ग्रह-गोचरों के शुभ संयोग में होगा। इस दिन शाम 6:14 बजे तक रेवती नक्षत्र फिर अश्विनी नक्षत्र विद्यमान रहेगा। मीन लग्न सुबह 06:26 बजे तक रहेगा फिर मेष लग्न का आरंभ होगा। मीन राशि में इस दिन पांच ग्रह के मौजूद होने से पंचग्रहीय योग बनेगा। मीन राशि में सूर्य, बुध, राहु, शनि और शुक्र ग्रह विद्यमान होंगे। केतु कन्या राशि में, देवगुरु बृहस्पति वृष राशि में तथा मंगल मिथुन राशि में रहेंगे।

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा यानी विक्रम संवत 2082 रविवार 30 मार्च 2025 से शुरू हो जाएगा। इसे हिन्दू नववर्ष भी कहा जाता है। पंचांग में 12 महीने होते हैं और हर महीने का प्रारंभ कृष्ण पक्ष से होता है। ब्रह्म पुराण के अनुसार इसी तिथि को ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी। संवत्सर नाम सिद्धार्थ होगा और इसका वाहन घोड़ा रहेगा। नव संवत्सर ज्ञानियों व वैराग्यियों के उत्तम होगा। लोगों का धर्म-आध्यात्म में रूचि बढ़ेगी। बुध के प्रभाव से वर्षा की स्थिति संतोष जनक रहेगी। चौमासी फसलों का स्वामी बुध के होने से गेंहू, धान, गन्ना आदि की उपज में बढ़ोतरी होगी। शीतकालीन फसलों का स्वामी चंद्रमा होने से मूंग, बाजरा, सरसों की उपज अच्छी होगी।

नए संवत्सर का निवास वैश्य के घर होने से व्यापार में प्रगति होगी। अन्न, भूमि, भवन, शिक्षा, सोना, वाहन, तकीनक के क्षेत्रों में तेजी रहेगी। सूर्य के राजा व मंत्री होने इस वर्ष तापमान सामान्य से ऊपर होने के कारण अत्यधिक गर्मी लोगों को झेलनी पड़ सकती है। अग्निकांड से धन जन की हानि के आसार हैं। इस वर्ष वृक्षों पर अपेक्षाकृत फल कम आने की संभावना है। चैत्र व वैशाख मास कष्टकारी व आषाढ़ मास में हवा की गति में तेजी आएगी। सावन मास में अनाजों में तेजी, आश्विन मास में समानता व कार्तिक में मंदी का दौर रहेगा। अगहण, पौष, माघ व फाल्गुन में अशांति, शासकीय विरोध झेलने पड़ेंगे।

संवत 2082 मंत्रिमंडल

इस वर्ष आकाशीय मंडल में 2082 संवत की यदि मंत्रिमंडल की बात करें, संवत के राजा और मंत्री सूर्य होंगे। वहीं अन्न-धन, खनिज व धातु के स्वामी बुध, खाद्य पदार्थों के स्वामी मंगल होंगे। वही सेनापति का कार्यभार शनि संभालेंगे और संवत्सर के वाहन घोड़ा होगा। इस विक्रम संवत का नाम सिद्धार्थ होगा। इस सिद्धार्थ संवत के राजा- सूर्य, मन्त्री- सूर्य, सस्येश- बुध, दुर्गेश- शनि, धनेश- मंगल, रसेश- शुक्र, धान्येश- चन्द्र, नीरसेश- बुध, फलेश- शनि, मेघेश- सूर्य होंगे। रविवार 30 मार्च 2025 को शाम 6:14 बजे तक रेवती नक्षत्र फिर अश्विनी नक्षत्र विद्यमान रहेगा। मीन लग्न सुबह 06:26 बजे तक रहेगा फिर मेष लग्न का आरंभ होगा। मीन राशि में इस दिन पांच ग्रह के मौजूद होने से पंचग्रहीय योग बनेगा। मीन राशि में सूर्य, बुध, राहु, शनि और शुक्र ग्रह विद्यमान होंगे। केतु कन्या राशि में, देवगुरु बृहस्पति वृष राशि में तथा मंगल मिथुन राशि में रहेंगे।

भारतीय राजनीति पर असर

इस वर्ष त्वचा व संक्रमण की बीमारियों का प्रकोप के आसार हैं। सूर्य के विशेष प्रभाव होने के कारण भारतीय राजनीति पर असर पड़ेगा। विदेशी कूटनीति से लाभ मिलेगा। देश के कई राज्यों में सत्ता परिवर्तन की संभावना बनेगी। कई स्थानीय राजनीतिक पार्टियों का विलय होगा। राजनीतिक परिदृश्य की बात करें, तो इस वर्ष राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की भूमिका सूर्य के समान प्रभावशाली होगी। नेतृत्व में दृढ़ता और अनुशासन देखने को मिलेगा।

अच्छी होगी फसल और बारिश

यदि आर्थिक स्थिति पर दृष्टि डालें तो महंगाई पर कुछ हद तक नियंत्रण रहेगा, जिससे जनता को राहत मिलेगी। फसलें अच्छी होने की संभावना है, जिससे किसानों को लाभ होगा। सूर्य प्रधानता के कारण गर्मी अधिक रहेगी, जिससे जलसंकट और सूखे की स्थिति बन सकती है। उत्तम वर्षा के योग बनेंगे। सुख, समृद्धि, शांति का वातावरण निर्मित होगा। ऋग्वैदीय परंपरा का एक बार पुनः अनुभव होगा। धर्म, अध्यात्म में जनता का मन, बुद्धि संयुक्त होगा। पश्चिम दक्षिण दिशा में कहीं-कहीं खण्ड वृष्टि का योग बनेगा और कुछ स्थान पर फसल अच्छी होने से संतुलन की स्थिति बन सकेगी। अज्ञात संक्रामक रोगों के प्रति सावधानी की आवश्यकता होगी।

प्रशासन में कठोरता

समाज में अनुशासन और परिश्रम की भावना बढ़ेगी। प्रशासन में कठोरता आ सकती है। गर्मी अधिक होने से जलजनित रोग और त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं, इसलिए सावधानी जरूरी है। इस नवसंवत्सर में सूर्य की शक्ति विशेष प्रभाव डालेगी, जिससे प्रशासन और नेतृत्व में मजबूती के साथ-साथ मौसम का तीव्र प्रभाव भी देखने को मिलेगा।

सरकार का बढ़ेगा दबदबा

सूर्य भारतीय ज्योतिष में विशिष्ट भूमिका में रहते हैं। सूर्य के प्रभाव से यह संवत्सर भारत के लिए विशेष महत्वपूर्ण रहेगा। सूर्य नवग्रह में राजा है। इस दृष्टि से पूरे भारत में राज्य स्तरीय राजनीति का प्रमुख केंद्र सेंटर हो जाएगा अर्थात दिल्ली ही संपूर्ण भारत में राजनीति के मापदंड को तय करेगी। प्रधानमंत्री ही सभी राज्यों के मुख्यमंत्री का डेवलपमेंट ग्राफ को तय करेंगे। सूर्य के राजा बनने पर अधिक शक्ति भारत के प्रधानमंत्री के हाथ में सुरक्षित रहेगी। राज्यों को विकास कार्यों के लिए केंद्र पर आश्रित रहना होगा।

प्रशासनिक परिवर्तन

हिंदू नव वर्ष में भारतीय शासन में प्रशासनिक व्यवस्था और न्यायिक व्यवस्था में अलग-अलग प्रकार के परिवर्तन और संशोधन होंगे। वहीं संवैधानिक प्रणालियों पर भी पुनः अध्ययन करने की आवश्यकता अनुभव होगी और बहुत सारे संशोधन जनहित की दृष्टि से करने का संकल्प लिया जाएगा। बहुत से स्थान पर जनता के लिए न्याय तथा प्रशासन का विश्वास बना रहे, इसके लिए विशेष प्रयास भारतीय शासन व्यवस्था में करनी होगी।

पशुओं को पीड़ा

संवत्सर का राजा सूर्य होने से सूर्य की शक्ति का प्रभाव अलग-अलग प्रकार से विभिन्न क्षेत्र में दिखाई देगा। सर्वप्रथम प्राकृतिक परिवर्तन होने से कहीं-कहीं खंडवृष्टि होगी कुछ स्थानों पर चतुष्पद पशुओं को पीड़ा की स्थिति और कहीं प्रजा को रोग आदि का कष्ट हो सकता है। वहीं धान्य का उत्पादन मध्यम से श्रेष्ठ होगा। राष्ट्रीय प्रमुखों के लिए यह समय चिंतनीय रहेगा, विश्व राजनीति में कूटनीति स्पष्ट रूप से दिखाई देगी।

राष्ट्रों में अस्थिरता

युद्ध उन्मादी राष्ट्रों के मध्य अस्थिरता उत्पन्न होगी। कहीं-कहीं न चाहते हुए आंतरिक गृह युद्ध की स्थिति दिखाई देगी। वहीं शांतिप्रिय राष्ट्रों के मध्य विश्व स्तरीय संधि का भी प्रस्ताव आने से क्षेत्र विशेष में अनुकूलता का प्रभाव रहेगा।

शेयर मार्केट में उतार चढ़ाव

शेयर मार्केट में विश्वस्तरीय उठापटक के चलते उतार-चढ़ाव की स्थिति बनेगी, वहीं पॉलिसी बजट से जुड़े मामलों में भी गतिरोध की स्थिति दिखाई देगी। विदेशी मुद्राओं का भंडारण एक्सपोर्ट और इंपोर्ट की पॉलिसी के तहत घटेगा। साइबर अपराध कहीं-कहीं चुनौतियों का विषय बनेगा। उच्च तकनीक या नवीन तकनीक के माध्यम से शासकीय चुनौती की परीक्षा होगी। हालांकि प्रशासनिक क्षमता के बढ़ने से परिस्थिति में सुधार भी होगा।

बढ़ेगी आस्था

अतिथि देवो भव: का संकल्प संपूर्ण विश्व में भारत के नाम को सम्मानित करवाएगा। भारत की निर्यात नीति सहयोगी राष्ट्रों को सहयोग करेगी, वहीं उत्तम कृषि से भंडारण परिपूरित रहेगा। धर्म प्राण जनता में सुख शांति का अनुभव होगा। वैदिक और उपनिषदीय प्रभाव बढ़ेगा। धर्म, अध्यात्म, संस्कृति के प्रति वैचारिक परिवर्तन होंगे। लोगों में आस्था बढ़ेगी। तीर्थ मंदिरों की ओर लोगों का रूझान बढ़ेगा। वन औषधि एवं आयुर्वेदिक औषधि सहित सामुद्रिक वस्तुओं के मूल्य में उछाल आएगा। धातुओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव के साथ वृद्धि होगी।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान, जयपुर-जोधपुर मो.9460872809

सनातन की प्रामाणिकता को समझने का विशेष अवसर हैं नव संवत्सर

नव संवत्सर का महापर्व गुड़ी पड़वा, वर्ष प्रतिपदा, उगादि, चैत्र मास की नवरात्रि, रामनवमी और फिर हनुमान जयंती। अनेक त्यौहारों का यह समूह भारतीय नव वर्ष का उद्घोष तो है ही, एक स्वर्ण अवसर भी है, यह समझने और जानने का कि वास्तव में हमारी भारतीय संस्कृति कितनी पुरातन, गौरवशाली और समृद्धशाली रही है। पहले हम विक्रम संवत्सर की बात करते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार आगामी 29 मार्च 2025 की संध्याकाल में 4:27 पर विक्रम संवत 2082 की वर्ष प्रतिपदा प्रारंभ हो रही है, जो कि अगले दिन यानी 30 मार्च 2025 को मध्यान्ह 12:49 तक रहने वाली है। क्योंकि इस तिथि में सूर्योदय 30 मार्च को होने जा रहा है। फल स्वरुप वर्ष प्रतिपदा 30 मार्च को मनायी जाना सुनिश्चित है। सर्व विदित है कि हम यह त्यौहार सम्राट विक्रमादित्य द्वारा स्थापित विक्रम संवत के अनुसार आने वाले नव वर्ष के रूप में मनाते चले आ रहे हैं। इतिहास की मानें तो सम्राट विक्रमादित्य ने शकों को हराने के बाद उस संवत्सर की स्थापना की थी जो अब 2081 वर्ष पुराना हो चुका है और हम 30 मार्च को संवत्सर 2082 की वर्ष प्रतिपदा मनाने जा रहे हैं। जहां तक मानवीय सभ्यता की बात है तो इसे समूचे विश्व में ईस्वी सन के माध्यम से आंका जाता है जो अभी 2025 से साक्षात्कार कर रहा है। दुर्भाग्य जनक बात यह है कि पश्चिमी सभ्यता से दिग्भ्रमित अनेक भारतीय विद्वान भी भारतीय सनातन की पुरातनता को भूलकर ईस्वी सन को ही सर्वाधिक पुरानी सभ्यता प्रतिपादित करने में लगे रहते हैं।

आशय यह कि यदि पश्चिमी सभ्यता को आधार मानकर मानवीय समृद्धि का आकलन किया जाए तो वह केवल 2025 साल पुरानी ही प्रमाणित हो पाती है। जबकि भारतीय संवत्सर 2082 यह प्रतिपादित करता है कि हमारे यहां पश्चिमी दुनिया से लगभग 57 साल पहले विक्रम संवत स्थापित हो चुका था। यह भी इतिहास में दर्ज है कि सम्राट विक्रमादित्य का शासन काल इतना समृद्ध और विकसित रहा है, जिसके जीवंत प्रमाण भारत में आज भी मौजूद हैं और इसकी संपन्नता के उदाहरण दुनिया भर में दिए जाते हैं। दिन के उजाले की तरह सहज सत्य है कि सम्राट विक्रमादित्य भारतीय सभ्यता में पहले शासक नहीं थे। उनके पहले भी अनेक सभ्यताएं भारत वर्ष में स्थापित हुईं और उन्होंने अपने ज्ञान एवं अनुभवों से पूरे विश्व को लाभान्वित किया। यदि कलियुग की ही बात की जाए तो हमारी सभ्यता कम से कम 5000 वर्ष पुरानी तो हो ही जाती है।

क्योंकि हमारे ग्रंथ बताते हैं कि द्वापर युग के दौरान आज से लगभग 5124 साल पहले कुरुवंशी महाराज युधिष्ठिर का राज्याभिषेक वर्ष प्रतिपदा के दिन ही हुआ था। सब जानते हैं कि पांडवों के स्वर्गारोहण से पूर्व राजा परीक्षित ने जब भारत का राज्य शासन संभाला तब ही कलयुग का प्रारंभ हो गया था। उसी के प्रभाव से वशीभूत होकर राजा परीक्षित ने एक संत के गले में मरा हुआ सर्प डाल दिया था। फल स्वरुप राजा परीक्षित की मृत्यु सर्पदंश के कारण ही हुई थी। इस वर्णन के हिसाब से देखा जाए तो भारतीय सनातन की गौरवशाली एवं समृद्धशाली सभ्यता का इतिहास 5000 वर्षों से भी अधिक पुराना है। केवल कलयुग की ही काल गणना की जाए तो अभी युगाब्ध 5126 प्रचलन में है। इस आधार पर हमारी सभ्यता 5000 सालों से भी अधिक पुरानी हो जाती है। किंतु महाराज युधिष्ठिर को भी भारतीय सभ्यता का प्रथम शासक नहीं माना गया। उनके पहले भी राजा भरत से लेकर पांडु अथवा धृतराष्ट्र तक कुरुवंशियों की अनेक पीढ़ियों ने भारतवर्ष पर शासन किया है। इन सबकी गणना की जाए तो तब से लेकर अभी तक भारतीय सभ्यता 8 लाख 64000 सालों का बेहद संपन्न दौर पूरा कर चुकी है। इससे भी पहले त्रेता युग में सूर्यवंशियों की स्वर्णिम आभा भारतीय सनातन को अपने ऐश्वर्य और वैभव से दैदीप्यमान करती रही हैं। जिसमें राजा इक्ष्वाकु से शुरू होकर लव कुश तक के राजा विश्व के बहुत बड़े भूभाग पर शासन करते रहे हैं, जिसमें भारतवर्ष सत्ता का केंद्र बना रहा। उस युग की काल गणना कर ली जाए तो उसे गुजरे हुए अभी तक 12 लाख 96 हजार सालों का समय गुजर चुका है। जबकि सूर्यवंश की शुरुआत सतयुग में ब्रह्मा जी से है। ब्रह्मा जी के पुत्र मरीचि, उनके पुत्र कश्यप और फिर विवस्वान से सूर्यवंश का प्रादुर्भाव माना जाता है। राजा हरिश्चंद्र का प्रसंग इसी कालखंड का प्रामाणिक इतिहास है। हमारे धर्मशास्त्र बताते हैं कि महाराजा हरिश्चंद्र का शासन विश्व की सर्वोत्कृष्ट सभ्यताओं, ऐश्वर्य वैभव का स्थापित प्रमाण है। यानि कि भारतीय सभ्यता सतयुग में भी समृद्धशाली रही, जिसे गुजरे हुए कम से कम 17 लाख 28 हजार वर्ष का समय व्यतीत हो चुका है।

इस प्रकार देखें तो भारतीय सभ्यता स्वत: ही सनातन सिद्ध हो जाती है। सनातन का मतलब जो सृष्टि के प्राकट्य के साथ ही था, आज भी है और सदैव बना रहेगा। विश्व की अन्य सभ्यताएं भले ही बंदरों को मनुष्यों का पूर्वज मानती रही हैं। लेकिन हमारे लाखों साल पुराने वेद, पुराण, शास्त्र यह प्रतिपादित करते हैं कि भारतीय सभ्यता इस ब्रह्मांड के प्राकट्य के साथ ही अस्तित्व में आई और युगों युगों से पूरे विश्व का मार्गदर्शन करती रही। कालांतर में विदेशी लुटेरों, आक्रांताओं ने सोने की चिड़िया के नाम से विश्व प्रसिद्ध भारतवर्ष पर निरंतर आक्रमण किये। उसे लूटा खसोटा तथा हर उस प्रतीक को मिटाने के जी तोड़ प्रयास किए गए, जो भारतीय सभ्यता की सनातनता को प्रमाणित करते रहे। हमारी गौरवशाली और समृद्धशाली संस्कृति को मिटाने के हर संभव प्रयास किए गए। इसके बावजूद भी आज जब खुदाई के दौरान धरती के गर्भ में पुराने विकसित नगर दिखाई देते हैं, तब सत्यता सर्वोच्च गर्जना के साथ उद्घोष करती है कि विश्व में भारत से पुरानी सभ्यता और कोई नहीं। वर्ष प्रतिपदा स्वयं यह बताती है कि वह आज ही का दिन था, जब ब्रह्मा जी द्वारा ब्रह्मांड की सृष्टि की शुरुआत की गई थी। क्योंकि इसी दिन सृष्टि अस्तित्व में आई तो सतयुग की शुरुआत भी वर्ष प्रतिपदा से ही मानी जाती है। वह आज ही का दिन था जब श्री हरि विष्णु जी ने प्रलय के दौरान मत्स्य अवतार लेकर प्रकृति के बीजों का संरक्षण व संवर्धन किया था। यही वह दिन है जब श्री राम ने त्रेता युग में वानर राज बालि का वध किया था।

और भी बहुत सारे शास्त्रीय, पौराणिक, वैदिक, धार्मिक एवं ऐतिहासिक प्रसंग हैं, जो वर्ष प्रतिपदा को प्रामाणिकता प्रदान करते हैं। साथ में यह प्रतिपादित भी करते हैं कि भारतीय संस्कृति का वास्तविक स्वरूप सनातन ही है। जो सृष्टि के प्राकट्य के साथ ही अस्तित्व में थी, वर्तमान में है और भविष्य में सदैव बनी रहेगी। हर भारतीय को इस त्यौहार पर गर्व करना चाहिए। देश विदेश में भारतीय संस्कृति का परचम लहराने वाले सभी सनातनी हिंदुओं अर्थात भारतीयों को वर्ष प्रतिपदा की ढेर सारी बधाइयां और हार्दिक शुभकामनाएं।

* डॉ. राघवेंद्र शर्मा

12 राशियों के जातकों को चैत्र प्रतिपदा कैसा बीतेगा आज का दिन?

मेष –मन में कुछ उलझने रहने से आपका मन परेशान रहेगा। आपको कार्य क्षेत्र में बेवजह के बाद विवादों में पडने से बचना होगा,क्योंकि इसका असर आपके प्रमोशन पर भी पड़ेगा। आपको अपने सहयोगियों का पूरा समर्थन मिलेगा, लेकिन आप अपने अधिकारों का गलत फायदा ना उठाएं। बिजनेस को लेकर आप किसी के साथ साझेदारी करने की प्लानिंग कर सकते हैं। आप परिवार के सदस्यों को लेकर किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं।

वृषभ– किसी शुभ व मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। आप अपने कामों में कोई बदलाव न करें, जिससे दूर रह रहे परिजन की आपको याद सता सकती हैं। राजनीति में कार्यरत व्यक्तियों का अच्छा लाभ मिलेगा और उन्हें कोई बड़ा पद भी मिलने की संभावना है। आप अपने घर के कामों को कल पर न डालें, नहीं तो परिवार में बड़े सदस्य आपसे नाराज हो सकते हैं। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी।

मिथुन–अपने शत्रुओं पर आसानी से विजय प्राप्त कर सकेंगे। व्यापार में आपको अच्छी उन्नति मिलेगी। आपकी इन्कम के सोर्स बढ़ेंगे। आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा। संतान यदि आपसे किसी बात को लेकर नाराज चल रही थी, तो आपको उन्हे मनाने की पूरी कोशिश करनी होगी। आपको अपने नौकरी के कामो को लेकर मनमानी नहीं चलानी है।

कर्क–दिन तनाव ग्रस्त रहने वाला है। भाई व बहनों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा, लेकिन आपके मन में किसी बात को लेकर टेंशन रहने से आप पर तनाव भरपूर रहेगा। आपको बिजनेस में लेनदेन से संबंधित मामले पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। आपकी मेहनत रंग लाएगी। किसी विपरीत परिस्थिति में आपको धैर्य बनाए रखना होगा। आपको बेवजह के कामों को लेकर भाग दौड़ करने से बचना होगा।

सिंह–सोचे समझे काम पूरे होंगे। आपको किसी पुरस्कार के मिलने की भी संभावना है। आप कुछ नए संपर्कों से लाभ उठाएंगे, लेकिन आप किसी काम में बिना सोचे समझे हाथ ना डालें। आपको उलझने अधिक रहने से आपकी समस्याएं बढ़ेगी। नौकरी में कार्यरत लोगों को प्रमोशन मिलने से एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। आपकी कुछ समस्याएं परिवार के सदस्यों के सामने आ सकती है। आपको किसी से धन को लेकर कोई वादा सोच समझकर करना होगा।

कन्या–कुछ रोजगार के नए-नए अवसर मिलेंगे। आप किसी से तर्क वितर्क में न पड़ें। आपको अच्छी सफलता मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। अपने रोजगार में अच्छी योजना को लेकर काफी खुश रहेंगे। संतान को तरक्की करते देगा आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको कुछ ईषालु व झगड़ालु लोगों से सावधान रहने की आवश्यकता है। आपके मन में कुछ नए-नए आइडिया आएंगे, जो आपके व्यापार के लिए बेहतर रहेंगे।

तुला–अपने कामों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्य क्षेत्र में आपको कोई बहलाने फुसलाने की कोशिश करेगा। आपकी कोई प्रॉपर्टी को लेकर डील अटक सकती है। माताजी का कोई पुराना रोग उभरने से आपकी समस्या बढ़ेंगी। आपको अपनी आर्थिक स्थिति को देख कर कोई कदम उठाना होगा। आप अच्छी सोच का कार्य क्षेत्र में लाभ उठाएंगे। आपको अपने सहयोगियों से लंबे समय तक मिलने का मौका मिलेगा।

वृश्चिक–अपने बढ़े हुए खर्चों को लेकर परेशान रहेगे। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। अध्ययन व आध्यात्म के प्रति आपकी रुचि रहेगी। कल आपकी समस्याएं बढ़ सकती है। सामाजिक कार्यक्रम में भी आपके अच्छी साख रहेगी। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा। आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी।

धनु–मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आप अपने रुके हुए काम को भी योजना बनाकर निपटाने की कोशिश करेंगे, तभी वह पूरे होंगे। आपके बिजनेस में आपको अच्छा उछाल देखने को मिलेगा। राजनीति की ओर कदम बढा रहे लोगों को सलाह मश्वरे से आगे बढ़ाना बेहतर रहेगा। जीवन साथी आपके साथ कंधे से कंधा मिलकर चलेंगे। घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

मकर–दिन सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। सिंगल लोगों की उनके साथी से मुलाकात होगी। परिवार में किस सदस्य को नौकरी मिलने के कारण घर से दूर जाना पड़ सकता है। हजार किसी नये वाहन मकान आदि की खरीदारी कर सकते हैं। आप मौज मस्ती के मूड में रहेंगे, जिस कारण कामों को कल पर टालने की कोशिश करेंगे। आपको अपनी पिताजी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा।

कुंभ–अपने आवश्यक कामों को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। आप सोच समझ से कामों को करेंगे, तभी आपके सभी काम आसानी से निपट पाएंगे। प्रेम व सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपका कोई निकटतम व्यक्ति आपके स्वाभिमान को ठेस पहुंचा सकता है। किसी विपरीत परिस्थिति में भी आपको धारा बनाए रखना होगा। विद्यार्थी पढ़ाई लिखाई में ढील देंगे, तो बाद में समस्या हो सकती है।

मीन–अपने कामों को लेकर कुछ चिंता रहने वाली है। आपको किसी प्रकार का कोई नुकसान होने से आपका मन परेशान रहेगा। आप किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचे, नहीं तो आपकी समस्याएं बढ़ सकती है। स्वास्थ्य में भी यदि आपको कुछ समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप अपने आस पड़ोस के लोगों से किसी काम को लेकर बातचीत कर सकते हैं। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

हम भी जाते हैं स्कूल!!!

दोस्तो, हमें स्कूल जाना, फिर होमवर्क करना...ये सब अच्छा नहीं लगता न। पर आप जानते हैं, हमारे प्यारे गज्जू भइया यानी हाथी, ये भी स्कूल जाते हैं। जानना चाहते हैं, कहां है इनका स्कूल...

थाइलैंड के लामपांग के सागौन उत्पादन केंद्र से 54 किलोमीटर दूर है यह स्कूल। यहां के हर विद्यार्थी का नाम उसके जन्म स्थल के निकट के किसी पहाड़ अथवा झरने के नाम पर रखा गया है।

थाइलैंड में हाथियों का स्कूल है, जहां पांच साल के बच्चे भरती किए जाते हैं, इस स्कूल में हाथियों को इस तरह प्रशिक्षित किया जाता है कि वे अनुशासन में रहकर जंगल में अपने कार्यों को सही ढंग से कर सकें। उनके प्रशिक्षण का पाठ्यक्रम छह वर्षों का होता है। बड़े होकर सभी को अपनी जीविका के लिए काम करना पड़ता है। आखिर हाथी भी सही ढंग से काम को अंजाम देना क्यों न सीखें। इस स्कूल में उन्हें जंगल से लकड़ी के लट्ठों को तय स्थान पर पहुंचाना सिखाया जाता है।

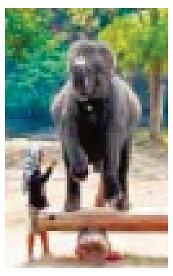

थाइलैंड के लामपांग के सागौन उत्पादन केंद्र से 54 किलोमीटर दूर है यह स्कूल। यहां के हर विद्यार्थी का नाम उसके जन्म स्थल के निकट के किसी पहाड़ अथवा झरने के नाम पर रखा गया है।

स्कूल क्या है, तश्तरीनुमा ऊंची चट्टानी पहाड़ियों से घिरा मैदान है। पास ही 'हुए-माइली' नामक एक झरना है, जहां प्रशिक्षार्थी कक्षा शुरू होने से पहले और बाद में जल क्रीडा करते हैं।

स्कूल का सत्र शुरू होता है जाड़े के दिनों में। हाथियों को पहले लकड़ी के सीखचों में जकड़ दिया जाता है, और फिर उनकी मुलाकात होती है अपने शिक्षक महावतों से। पहला पाठ होता है, महावत से जान पहचान और फिर उनके आदेशों को समझना। आदेशों की खास शब्दावली है और ये शब्द बर्मी भाषा से मिलतेजुलते हैं। जैसे 'शांग' का अर्थ है अपने अगले पांवों को झुकाओ और महावत को ऊपर चढ़ने दो, 'को' का अर्थ है, ठहरो। हाथी इन निर्देशों का सही प्रकार से पालन करना सीखते हैं।

एक महीने तक यही पढ़ाई होती रहती है। उठो, बैठो, उठाओ, घूमो। मीठे बोल का अर्थ है प्यार और सांत्वना और कड़े और तेज स्वर का अर्थ आदेश। हाथी इसे अच्छी तरह से समझते हैं। पहली बार वे हौदे और लट्ठे खींचने की और जंजीर का भार अनुभव करते हैं। महीना पूरा होते-होते छात्र अगले सबक के लिए तैयार हो जाते हैं।

प्रधान शिक्षक एक अनुभवी महावत होता है और वो उन्हें एक पंक्ति में खड़े होने का आदेश देता है। वे महावत को पीठ पर बैठाए, नपे तुले कदमों से प्रशिक्षण भूमि के किनारे-किनारे परेड करते हैं। पहले एक-एक की कतार में, फिर दो-दो की कतार में। इस सब कवायदों को उद्देश्य होता है, उनमें अनुशासन की भावना भरना।

अगला सबक होता है, महावत के चढ़ने और उतरने में विभिन्न तरीकों से मदद करना- चारों पैरों को मोड़ना, अगले पांव को मोड़ कर सिर को झुकाना या एक अगला पांव आगे बढ़ाना, ताकि महावत को सहारा मिले।

फिर बारी आती है, एक सपाट मैदान में लट्ठे खीचने की। जंजीर का एक सिरा हौदे से लगा होता है और दूसरा लट्ठे में फंसाया जाता है। आमतौर पर लट्ठे हाथी के पीछे होते हैं, पर कभी-कभी उन्हें बगल से भी खींचना पड़ता है। लट्ठों की संख्या उनके वजन पर निर्भर होती है-कभी एक तो कभी दो। अगला सबक ज्यादा कठिन होता है। उसमें लट्ठे को सूंड व दांतों से उठाना होता है।

एक मुश्किल करतब यह है कि दो हाथी अपनी सूंडो से लट्ठे उठाकर दूसरे दो हाथियों की सूंडों पर रखते हैं।

फिर लट्ठों को ले जाकर जमा करने की बारी आती है। ढेर से निकलकर लुढ़कते हुए लट्ठों से अपने पांचों को बचाने में खासी कसरत हो जाती है। कुछ-कुछ दिनों के अंतर में सबक दोहराए जाते हैं और सबसे मजेदार होता है उनका अंतिम सबक। छात्र आराम से बैठकर संगीत का आनंद उठाते हैं और महावत कर्कश ध्वनि वाले ढोल, बांसुरी, तंत्री वाद्य आदि बजाते हैं।

जैसे भड़कीले रंगों की चीजें हाथियों को अस्पष्ट और अपने असली आकार से बड़ी दिखाई पड़ती है, वैसे ही विचित्र संगीत भी उन्हें चौंका देता है। लेकिन महावत उन्हें अभ्यस्त बनाते है। जंगल में उपयोग में आने वाली गाड़ी जीप आदि गाड़ियों के भोंपू और आदमियों की चिल्लाहट भी इस संगीत में शामिल होती है।

गर्मी के दिनों में स्कूल सुबह पांच बजे लगता है, और जाड़े के दिनों में छह बजे दोपहर तक हाथी-छात्रों को भले ही सबक सिखा लें, लेकिन क्या मजाल कि दोपहर के बाद उनसे कोई काम ले लें। दोपहर हुई नहीं कि उनके कदम बढ़ते हैं छात्रावास की ओर। उस समय उनके मन में गन्ना समाया होता है। आखिर गन्ना ही तो उनका पुरस्कार होता है। अगर उस समय किसी ने कोई काम लेने की कोशिश की, तो वे सब अड़ जाते हैं।

रात्रि भ्रमण के दौरान हाथी-शिक्षार्थी कैंप से काफी दूर जंगलों में निकल जाते हैं और सुबह होते ही महावतों को उनकी तलाश में भागना पड़ता है। फिर, महावत उन पर सवार होकर उन्हें अपने पांवों के इशारे से झरने के पास ले आते हैं। सुबह के स्नान के लिए।

रंग भरो

शीलू हिरणी और उसका बेटा पोलू जंगल में बैठकर आराम फरमा रहे हैं। ये अपने रंग घर भूल आए हैं। क्या आप इन्हें रंगों से सजा सकते हैं?

अंतर ढूंढो

दोनों चित्रों में आपको दस अंतर ढूढ़कर बताने हैं। उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा।

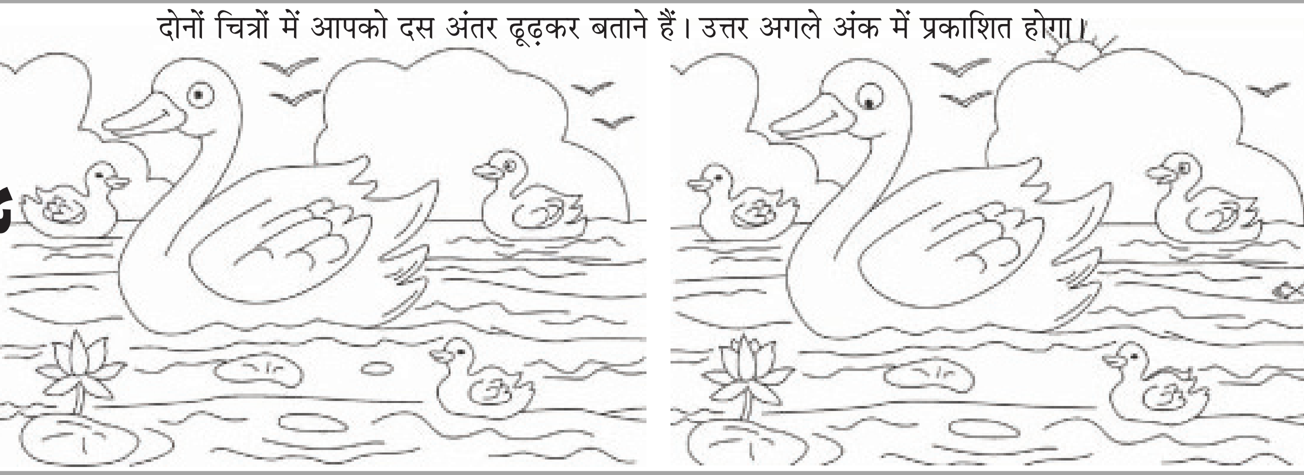

गुलाब का दोस्त

सुहेल गया तो था अपने पापा के स्कूल को देखने पर उसे वहां नया दोस्त मिल गया। आप भी जानिए कौन था वह नया दोस्त। सुहेल की उससे कैसे हुई दोस्ती...

सुहेल आज स्कूल न जाकर पापा के साथ उनके स्कूल जाने की जिद करने लगा। पापा पहले मना कर रहे थे, फिर मम्मी के कहने पर उसे अपने साथ ले गए। बस से बाहर का न ाारा देख कर सुहेल बहुत खुश हो रहा था। हो भी क्यों न, हरे-भरे खेत और लहराते पेड़ भला किसे न अच्छे लगते। सुहेल के पापा का स्कूल गांव के बस अड्डे से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर था और वहां कोई तांगा-रिक्शा भी नहीं जाता था। पर सुहेल स्कूल देखने के चाव में आगे-आगे भागा चला जा रहा था। 'सुहेल धीरे चल बेटा, अटक कर गिर जाएगा।' पापा बारबार कहते।

'मैं नहीं गिरूंगा पापा।' सुहेल ने कहा ।

बातें करते हुए दोनों स्कूल पहुंच गए। झूले तो नहीं थे पर पेड़ बहुत सारे थे वहां। पेड़ों पर बैठे पक्षियों की आवाजों को सुनकर सुहेल वहां चला गया। अपनी जेब में से मूंगफली निकाली और एक तरफ बैठकर खाने लगा । उसे खाते देखकर एक गिलहरी पेड़ से नीचे उतरी और बोली...

'मुझे भी दे न'

'ले तू भी खा।' उसने दो-चार गिरियां फेंक दीं।

गिलहरी अपने छोटे व नुकीले दांतों से गिरियां खाने लगी । सुहेल एक गिरी अपने मुंह में डालता और दो तीन गिलहरी के आगे फेंक देता। वह पक्षियों से खेलने लगा। अचानक सारे पक्षी उड़ गए । गिलहरी झट से पेड़ पर चढ़ गई । सुहेल ने देखा एक बिल्ली दीवार पर से जा रही थी । पक्षियों के जाने के बाद सुहेल उदास हो गया।

'तू उदास मत हो, नन्हे दोस्त!' कही से एक आवाज आई।

'कौन है?' सुहेल ने डरते हुए पूछा।

'तू डर मत, मैं तेरे सामने ही हूं।' एक मुरझाए से गुलाब ने कमजोर सी आवा ा में कहा ।

'तू बीमार है !' सुहेल ने उसके पास जाकर कहा ।

'नहीं प्यास लगी है।' गुलाब एक तरफ लुढ़क गया।

'और बता क्या चाहिए?' सुहेल भागकर नल से पानी ले आया।

'शाबाश!' चैन की सांस लेते हुए गुलाब बोला ।

'कितने दिन से इस हाल में हो।' गुलाब पर पानी छिड़कते हुए सुहेल ने पूछा ।

'एक सप्ताह से।' गुलाब ने कहा।

' किसी ने पानी नहीं पिलाया।' सुहेल ने पूछा ।

'जब मैं खिला हुआ था, सब के मन को भाता था। अब मैं थोडा मुरझा गया तो ...।' बात करते करते गुलाब का मन भर आया ।

'तू चिंता मत कर, मैं और पानी लेकर आता हूं।' सुहेल फिर से गिलास लेकर नल की ओर गया।

'सुहेल रोटी खा ले बेटा।' पापा ने सुहेल को देखकर आवाज लगाई।

'नही पापा, मुझे भूख नहीं।' सुहेल पापा की ओर बिना देखे गुलाब की ओर चल पड़ा।

'यह पानी किसे देने जा रहा है और तेरे दूसरे हाथ में क्या है?' सुहेल के पापा ने उसके पास आते हुए कहा।

'पापा पौधों में पानी व खाद डालने जा रहा हूं।' सुहेल ने कहा।

'अच्छा ! तू पौधों में खाद डालने चला है।' पापा ने सुहेल के हाथ में गोबर देखकर कहा।

'तूने यह बहुत अच्छा काम किया है।' सुहेल को गुलाब की जड़ों में खाद डालते देखकर गिलहरी बोली।

'हां-हां यह भलाई का काम है।' साथ वाले फूलों पर मंडरा रही तितलियों ने गिलहरी की बात पर हामी भरी। सभी पक्षी और गिलहरियां पेड़ों से उतर कर सुहेल के साथ खेलने आ गईं और सुहेल भी खेलने मे व्यस्त हो गया। आज उसे भूख प्यास नहीं लगी थी। न जाने कब फूल-पक्षियों के साथ खेलते हुए तीन चार घंटे बीत गए, पता ही न चला।

'अरे वाह! गुलाब खिल गया।' तितली गुलाब पर मंडराती हुई तालियां बजा रही थी। 'यहां आ मेरे पास, तू मेरा सच्चा दोस्त है।' गुलाब बोला।

'हां, तू तो मेरा दोस्त है।' सुहेल गुलाब को सहलाते हुए बोला। 'जीता रह सुहेल! तूने हमारे साथी की जान बचाई है।' पेड़-पौधों ने कहा। सुहेल ने जाते वक्त गुलाब को देखा तो वह भी मुड़-मुड़ के सुहेल को देख रहा था।

जिज्ञासा

खतरे के लिए लाल बत्ती ही क्यों?

बच्चो, क्या आपको मालूम है, खतरे का संकेत देने के लिए लाल बत्ती का ही उपयोग क्यों किया जाता है? यह असल में टिंडल प्रभाव पर आधारित है। लाल रोशनी हवा में मौजूद कणकीय सामग्री द्वारा सबसे कम छितराई जाती है। इसलिए धूल, धुंध, बारिश आदि में भी लाल रोशनी अधिक आसानी से दिखाई देती है, और लोगों को खतरे की सूचना मिलती रहती है। इसी कारण से यातायात बत्तियों में भी रुकने के संकेत के लिए लाल बत्ती का उपयोग किया जाता है ताकि उसका उल्लंघन करने पर जब पुलिस कर्मी आपको घेरे, तो आप यह न कह सकें कि वह आपको दिखी ही नहीं! इसी तरह उषा काल में आकाश में गुलाल घुलता दिखाई देता है, यानी सूर्योदय या सूर्यास्त के समय आसमान लाल दिखाई देता है। होता यह है सूर्योदय या सूर्यास्त के समय प्रकाश हमारी आंखों तक हवा में अधिक लंबी दूरी तय करके आता है। इस यात्रा में उसका नीला अंश तो छितार दिया जाता है, जबकि लाल अंश आगे बढ़ता रहता है। इसलिए आसमान लाल दिखाई देता है।

कविता

समय की बयार

उलटी चल रही है समय की बयार,
है शहीदों सा कोई आज पतवार ।

उनकी ही बदौलत मिली है आजादी,
हम हैं कि गुलाम बनने को तैयार।

हमने उन्हें बुत बनाकर छोड़ दिया,
साल में दो बार मारते पानी की बौछार।

गले में माला डाल लगाकर दो नारे,
दिखाते हैं हम नहीं, वे हमारे कर्जदार।

न सुख भोगा, ना जोड़ी माया,
कैसे कहते हैं नेता वे पहरेदार।

आओ जगाएं, खुद भी जागें,
क्या कहेंगे उनसे जो कल के भगत हैं
करतार।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिनभर तनाव रहेगा पारिवारीक झगड़े बढ़ सकते हैं कहासुनी होगी और सहयोगियों के साथ विवाद संभव है. आपको विनम्रता एवं धैर्य के साथ मसलों को निपटाना होगा संपत्ति सम्बंधित मामलों में सावधानी से निपटने की आवश्यकता है और इस संबंध में आपको एक ठोस कदम उठाना चाहिए. स्त्री वर्ग की सेहत कुछ चिंता का कारण बन सकती है. यह समय किसी नए कारोबार मे निवेश के लिए श्रेष्ठ नही हैं, सेहत बढीया रहेगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप को संतुलित भोजन लेने की आवश्यकता हैं स्वास्थ्य अच्छा रहेगा आपके काम समय से पूरे होंगे. साथ ही आपको अपनी मेहनत का फल भी अवश्य मिलेगा. आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा. कुछ लोगों को आप का व्यक्तित्व प्रभावित करेगा ऑफिस में सहकर्मी आपकी मदद के लिये तैयार खड़े रहेंगे. आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. मित्रों का सहयोग पूरा रहेगा . हराचारा गौशाला मे दान करें ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आय के स्त्रोत बढेंगे धन लाभ हो सकता है. ऐसे काम करना होगा जो लंबे समय तक फायदा देगा कई तरह के रोचक विचार और योजनाएं आज बन सकती हैं. अविवाहित लोगों का विवाह भी तय हो सकता है. आप बुद्धि से अपने काम पूरे करवा सकते हैं. आज आप खुद को साबित करके दिखा देंगे. दोस्तों और परिवार से सहयोग मिलनेके योग हैं. कोई अच्छी खबर भी आज आपको मिल सकती है. आप खुश हो जाएंगे । बच्चों का सहयोग रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज क्रोध के आवेश मे आकर घरेलू मसले आप उलझाएंगे दिमाग़ को ठंडा रखें ऐसे व्यवहार से काम करने की क्षमता को भी ख़राब कर देंगे. धन की स्थिति कमजोर दिखाई देगी, इसे मजबूत बनाने का प्रयास करें. आज आप घर के कामों में व्यस्त रहेंगे. इस वजह से बाहर जाना मुश्किल होगा. धन खर्च की मात्रा बढ़ेगी. आपके द्वारा लिया गया निर्णय आगे लाभप्रद साबित होगा. सुबह घर मे गोबर की धूप प्रज्वलित करें मानसिक शान्ति होगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिश्रित रहेगा आप मे से कुछ के लिए अति शुभ परिणामदायक हो सकता है.किसी के लिए तकलीफ़े पैदा हो सकती हैं आप लंबित असाइनमेंट को पूरा करने में सक्षम होंगे. सामाजिक कार्य या राजनीति से जुड़े लोगों के लिए कुछ विशेष उपलब्धि संभव है. कारोबारी के लिए समय शुभ है. नए संघों का गठन भी किया जा सकता है, जो लाभकारी होंगे. अच्छी तरह से सोचा गया निर्णय आपको अच्छा लाभ देगा. पारिवारिक संबंध और बातचीत अच्छी रहेगी और घर मे उत्सव का माहौल रहेगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन का काम फटाफट पूरा होगा आप रिलैक्स फील करेंगें । छात्रों के लिए दिन उत्साह वर्धक रहेगा पहले की तुलना मे अच्छे और संतोष जनक परिणाम आएंगे . वकालत करनेवालो के लिए दिन तनाव मे गुजरेगा परिश्रम अधिक होगा. करियर में आप नए आयाम स्थापित करेंगे. आप जिससे भी मदद की उम्मीद करेंगे, उससे आपको समय पर मदद मिल जायेगी. कौवे को रोटी का तुकडा डालें , चीटियों को आटा डालें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज रुके हुए पूरे काम हो जाएंगे अधिक परिश्रम की आवश्यकता नहीं हैं शाम का वक्त फ्री होगा भविष्य की योजना बनाए फायदा हो सकता है. आज आप अच्छा महसूस करेंगे. सामूहिक और सामाजिक काम के लिए दिन अच्छा है. परिवार के ज्यादातर काम आपको निपटाने पड़ सकते हैं. दोस्तों के साथ समय बिताएंगे. धन लाभ हो सकता है. उधार दिया गया पैसा आपको मिल सकता हैं भैरव मंदिर मे कालाउडद चढाए तेलका दीपक प्रज्वलित करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज परिवार की जरुरते पूरी करेंगे बच्चों के लिए भविष्य निधि सुरक्षित करें । अपने दफ्तर में बिल्कुल संतुलित व्यवहार करें. आपकी इनकम बढ़ने के भी चांस ज्यादा है. प्रेम में इमोशन प्रभावी रहेगा. मानसिकता को बदलने की बेहत जरूरत है. उन्नति में बाधा आएगी. आपका मन काम में लगेगा. ससुराल जाने का प्रोग्राम बनेगा आप को सम्मान और प्यार दोनो मिलेगा छात्रो को जरुर निराशा मिलेगी मन कुछ उदास रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज खर्चा अधिक होगा परन्तु कुछ आप को लिमिट तय करनी पडेगी क्योंकि आमदनी सीमित रहेगी. मानसिक तनावों को हावी ना होने दें. विपरीत परिस्थितियों को भी अपने पक्ष में करने की अपनी क्षमता का प्रयोग करें. अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें. जल्दबाजी में कोई काम ना करें. नये लोगों के साथ अनजान जगह जाने से बचें घात सम्भव हैं अथवा अनावश्यक किसी परेशानी में पड़ जाएं. विरोधियों पर भरोसा नही करना चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन कमजोर ही रहेगा. आपको नये लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए. किसी भी काम में बड़ों की सलाह लेना बेहतर रहेगा. बच्चे पढ़ाई के प्रति कुछ कुछ कम रूचि ले सकते हैं. बिजनेस में विरोधियों से आपको बचकर रहना चाहिए. ऑफिस में सीनियर आपके काम से खुश होकर आपको कुछ गिफ्ट कर सकते हैं. खुद को फिट रखने के लिए आपको योग करना चाहिए.अपनी किमती वस्तु को बहुत सम्हाल कर रखें ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप को मजबूती से और धैर्य से काम लेंना होगा .पुश्तैनी जमीन प्रॉपर्टी के कामों से भी धन लाभ होने के योग बन रहे हैं. कोई नया काम करने की सोच रहे हैं तो आपके सामने कुछ और काम आ सकते हैं. रोजमर्रा के कामकाज ज्यादा ही रहेंगे. थोड़े समय में सब ठीक हो जाएगा. धैर्यरखें। आगे बढ़ने के लिए आपको कुछ नया सीखना होगा. सेहत स्वास्थ्य तंदुरुस्त रहेगा चिंता मुक्त रहेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बहुत इमोशनल होनी की जरुरत नही हैं दिमाग से सोच समझकर ही किसी भी निर्णय को अन्तिम रुप देना होगा करियर में आगे बढने के बेहतर प्रस्ताव मिलेंगे. शिक्षा, बिजनेस, नौकरी या महत्वपूर्ण कागजात को बडी ही सूझबूझ से इस्तेमाल मे लेना होगा यात्रा के योग भी बन रहे हैं आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा. आप अपने रोजमर्रा के काम में ही बिजी रहेंगे. कबूतर को दाना डालें और मंदिर मे श्री फल अर्पण करें ।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 30 मार्च 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा दोपहर 12:51 तक
नक्षत्र : रेवती सायं 04:35 तक
योग : ऐन्द्र सायं 05:53 तक
करण : बव दोपहर 12:51 तक
चन्द्रराशि : मीन सायं 04:35 तक
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 06:28 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:17 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:20 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00 दिशाशूल : पश्चिम दिशा उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष : नववर्ष विक्रम संवत् 2082 आरंभ , युगादि तिथि , पंचक सायं 04:35 तक , गण्डमूल चालू है , सिंधारा , खरमास चालू है , नवरात्रि आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान दिवस महोत्सव

मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान का हुआ शुभारंभ

कोटा,29 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि युवा शक्ति का प्रदेश के विकास और राष्ट्र निर्माण में अधिक से अधिक योगदान सुनिश्चित किया जाए। इसी क्रम में हम युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने और उनकी प्रगति के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने के साथ ही, सरकारी और निजी क्षेत्र में 10 लाख रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के अपने संकल्प पर तेजी से काम कर रही है। जिला मुख्यालयों पर रोजगार मेला एवं कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन किया जा रहा है, ताकि हर क्षेत्र के युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार अवसर मिल सकें।

शर्मा राजस्थान दिवस के साप्ताहिक कार्यक्रमों की कड़ी में शनिवार को कोटा के दशहरा मैदान में आयोजित मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सात दिवसीय राजस्थान दिवस महोत्सव हमारी मातृशक्ति, युवा शक्ति, अन्नदाता और अंत्योदय को समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि हम युवाओं को रोजगार देने के साथ ही उनमें उद्यमिता का विकास कर उन्हें रोजगार देने योग्य भी बना रहे हैं।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने युवा वर्ग को कई सौगातें देते हुए विभिन्न विभागों में नव चयनित कार्मिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। प्रदेशभर में 7 हजार 800 से अधिक कार्मिकों को नियुक्ति पत्र प्राप्त हुए। इसके साथ ही शर्मा ने 'मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान' का भी शुभारंभ किया। इस दौरान अभियान से संबंधित वीडियो फिल्म का प्रदर्शन एवं विवरणिका का विमोचन किया गया। श्री शर्मा ने शिक्षा विभाग के दो ऐप एवं आरएसओएस अन्तर्गत ऑन डिमाण्ड परीक्षा तथा डिजिटल प्रवेश उत्सव का शुभारंभ करते हुए विद्यार्थियों को बैग एवं यूनिफॉर्म की डीबीटी की शुरूआत की। कार्यक्रम में युवा नीति एवं स्किल नीति का विमोचन, निजी क्षेत्र में रोजगार पर 10 हजार रूपये की सहायता हेतु योजना के दिशा-निर्देश, द्रोणाचार्य अवार्डियों को भूमि आवंटन हेतु दिशा-निर्देश, अटल ज्ञान केन्द्र तथा नई किरण नशा मुक्ति केन्द्र के दिशा-निर्देश भी जारी किए गए। मुख्यमंत्री ने रोजगार मेले के तहत आयोजित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में प्रदेश के युवाओं को हर कदम पर अन्याय और अत्याचार का सामना करना पड़ा। पेपरलीक के कारण उनके सपनों पर कुठाराघात हुआ। हमने सरकार बनते ही पेपरलीक की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया जो पेपरलीक माफिया को सलाखों के पीछे पहुंचा कर युवाओं को न्याय दिलवा रही है।

शर्मा ने कहा कि आज कौशल नीति और युवा नीति का विमोचन किया गया है। कौशल नीति का उद्देश्य युवाओं को आधुनिक तकनीकों का कौशल प्रदान कर उद्योगों की जरूरत के मुताबिक तैयार करना है। वहीं, युवा नीति युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए एक रोडमैप है, जिसमें युवा विकास के सभी पहलू शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पहले ही साल में 16 नीतियां जारी की है, जो काम और परिणाम के प्रति हमारे समर्पण को दिखाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम ने निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए सरकार के पहले वर्ष में ही राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया, जिसमें 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। ये निवेश प्रस्ताव तेजी से धरातल पर भी उतर रहे हैं और लोगों को रोजगार मिल रहा है।

दिया कुमारी ने किया राजस्थान उत्सव का अवलोकन

जयपुर,29 मार्च (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शनिवार को नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में चल रहे राजस्थान उत्सव 2025 का अवलोकन किया। राज्य की अतिरिक्त आवासीय आयुक्त अंजु ओम प्रकाश तथा संयुक्त आवासीय आयुक्त रिंकू मीना ने उप मुख्यमंत्री को उत्सव का अवलोकन करवाते हुए विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर उप आवासीय आयुक्त मनोज सिंह सहित बीकानेर हाउस स्थित कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे।

दिया कुमारी ने उत्सव में राजीविका द्वारा लगाए गए क्राफ्ट मेले और फूड फेस्टिवल का भ्रमण करते हुए प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए काश्तकारों, हस्तकारों और हस्तशिल्पियों इत्यादि के स्टॉल्स पर जाकर उनके उत्पादों के बनाने की विधि एवं अन्य जानकारियां ली। उन्होंने सभी हस्तकलाकारों से उनके अनुभवों और उत्पादों की प्रशंसा करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। राजस्थान स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 2 अप्रैल तक चलने वाले इस नौ दिवसीय राजस्थान उत्सव में उपस्थित आगंतुकों को उपमुख्यमंत्री ने हिन्दी नव वर्ष की शुभकामनाएं दी।

रन फॉर फिट राजस्थान सम्पन्न

जयपुर,29 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि फिटनेस केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हमारे जीवन की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने फिट राजस्थान अभियान शुरू करने का संकल्प लिया था, 'रन फॉर फिट राजस्थान' इसी संकल्प का प्रतीक है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि देश में युवा, महिला, किसान और मजदूर सशक्त होंगे तो देश-प्रदेश भी सशक्त होंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा राजस्थान दिवस महोत्सव के तहत महिला, किसान, अन्त्योदय, युवा एवं सुशासन को समर्पित कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।शर्मा ने राजस्थान दिवस समारोह के तहत कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को अमर जवान ज्योति पर आयोजित रन फॉर फिट राजस्थान दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा स्वयं भी दौड़ में शामिल होकर प्रदेशवासियों को स्वस्थ रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर खिलाड़ी को पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने तथा उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रतिबद्ध है।

डॉ. मीणा ने की व्यवस्थाओं की समीक्षा

दौसा,29 मार्च (एजेंसियां)। जिला अस्पताल में नवीन आईसीयू वार्ड का उद्घाटन शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अस्पताल में मरीजों को सभी आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में कोई कमी नहीं रखी जाएगी।

डॉ. किरोड़ी ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का दौरा कर भर्ती मरीजों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। साथ ही उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं और सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया।कैबिनेट मंत्री ने डॉक्टरों और अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि मरीजों के इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सभी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

विकास की चुनौतियों को पूरा करने में राजस्थान के सांसद निभाएंगे अपनी भूमिका?

जयपुर ,29 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के सात करोड़ से अधिक नागरिक आगामी 30 मार्च को राजस्थान का 76 वा स्थापना दिवस मनाएंगे। राजस्थान भौगोलिक दृष्टि से भारत के सबसे बड़ा प्रान्त है जिसके एक ओर विशाल थार रेगिस्तान अपने पैर पसारे हुए है वहीं दूसरी ओर अरावली पर्वत श्रृंखलाएं और पिछड़ा आदिवासी क्षेत्र है। खान और खनिज से समृद्ध राजस्थान में खूबसूरत झीलें और वन अभ्यारण्य तहत विश्व प्रसिद्ध मशहूर किले,प्राचीन महल और मंदिर तथा शेखावाटी की हेरिटेज हवेलियां तथा विरासत का भंडार है जिसके कारण राजस्थान विश्व पर्यटन मान चित्र पर अपना एक अलग ही स्थान रखता है।

राजस्थान की इन खूबियों के साथ राज्य में भौगिलिक विषमताओं और पश्चिम राजस्थान में पाकिस्तान से सटी बहुत लंबा सीमावर्ती क्षेत्र है तथा मरुस्थलीय इलाकों की अपनी समस्याएं हैं। इसके वाबजूद राज्य में विकास की अथाह संभावनाएं है। विशेष कर सोलर एनर्जी तथा तेल रिफायनरी के क्षेत्र में आने वाले समय में होने वाले विकास के कारण प्रदेश की दशा और दिशा बदलने वाली है।

बजट से पहले औद्योगिक संगठनों के सुझावों पर काम

पानीपत,29 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा में मुख्यमंत्री ने इस साल की शुरुआत में औद्योगिक संगठनों के साथ बैठक कर उनके सुझावों को बजट में शामिल किया था,

जिससे राज्य के उद्योगों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इसको लेकर हरियाणा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने केंद्र सरकार के साथ मिलकर टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए एक ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में सरकार ने उद्योगपतियों को नई तकनीक की जानकारी दी, जिससे उन्हें अपने उद्योगों में सुधार लाने में मदद मिलेगी।

हरियाणा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष विनोद धमीजा ने कहा कि इस ट्रेनिंग प्रोग्राम से उद्योगपतियों को बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह

सब्सिडी बढ़ाकर उद्योगों को मिलेगा नया बल

पहली बार है जब इस साल जनवरी में मुख्यमंत्री ने बजट से पहले पानीपत के उद्योगपतियों को बुलाकर उनके सुझाव और समस्याओं को सुनकर उन्हें बजट में शामिल किया। इससे हरियाणा के उद्योगों को नई दिशा मिली है। अध्यक्ष ने बताया कि मुख्यमंत्री ने सभी समस्याओं को संबंधित विभागों के उच्च अधिकारियों को भेज दिया है, ताकि उनका समाधान जल्दी से हो सके। विनोद धमीजा ने यह भी कहा कि पहली बार मुख्यमंत्री ने औद्योगिक संगठनों को बुलाकर उनके सुझाव और समस्याओं को गंभीरता से लिया है। उन्होंने बताया कि चैंबर द्वारा जो यूनिट नॉन कंफार्मिंग एरिया में थीं, उन्हें नियमित करने का वादा किया गया है और आत्मनिर्भर योजना के तहत सब्सिडी को बढ़ाकर 4000 करोड़ कर दिया गया है। इसके साथ ही वर्किंग महिलाओं के लिए हॉस्टल की सुविधा बढ़ाई गई है और ग्रॉस वाटर की समय सीमा को एक साल से बढ़ाकर तीन साल कर दिया गया है। एचएसआईडीसी की मांगों को भी अधिकारियों को पत्र भेजकर पूरा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सचिव राजीव अग्रवाल ने बताया कि यह एक ऐतिहासिक कदम है, क्योंकि 32 साल में किसी मुख्यमंत्री ने औद्योगिक संगठनों के साथ बैठक की और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने बताया कि चैंबर ऑफ कॉमर्स ने 19 मांगों का पत्र सौंपा था, जिनमें से अधिकांश को पूरा कर लिया गया है।

नूपुर श्योराण का भिवानी में जोरदार स्वागत गोल्ड मेडल के साथ घर वापसी

भिवानी,29 मार्च (एजेंसियां)। हाल ही में ग्रेटर नोएडा में आयोजित राष्ट्रीय महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप में हरियाणा की बेटियों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में कुल 10 वेट कैटेगरी थीं, जिनमें से 9 गोल्ड मेडल हरियाणा की बेटियों ने जीते और इनमें से 5 गोल्ड मेडल अकेले भिवानी की बेटियों के नाम रहे। इन विजेताओं में एक प्रमुख नाम था, नूपुर श्योराण, जिन्होंने 80+ वेट कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता और पांचवीं बार राष्ट्रीय चैंपियन बनीं। नूपुर श्योराण के भिवानी लौटने पर शनिवार को उनका शानदार स्वागत किया गया।

इस दौरान मीडिया से बात करते हुए नूपुर ने कहा कि यह मेरी पांचवीं राष्ट्रीय चैंपियनशिप है और मुझे इस उपलब्धि पर बहुत गर्व है। अब मेरी नजरें वर्ल्ड चैंपियनशिप पर हैं, जो सितंबर में इंग्लैंड में होगी। उन्होंने आगे कहा कि हरियाणा की बेटियां विशेष होती हैं, लड़ना और जीतना हमारे डीएनए में है। इस दौरान नूपुर ने सरकार द्वारा खिलाड़ियों के लिए की जा रही योजनाओं की सराहना की और

कहा कि इस तरह की योजनाएं खेलों को बढ़ावा देती हैं और खिलाड़ियों को उनके सपने साकार करने का अवसर प्रदान करती हैं।वहीं, नूपुर के पिता और कोच संजय श्योराण ने कहा कि मेरे पिता, मैं और मेरी बेटी, तीन पीढ़ियां बॉक्सिंग में हैं और यह एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इस चैंपियनशिप में नूपुर और उनकी दूसरी शिष्या पूजा बोहरा ने गोल्ड मेडल जीते हैं। अब नूपुर वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारी में जुटेंगी।

भिवानी, जिसे मिनी क्यूबा के नाम से जाना जाता है, के बॉक्सिंग खिलाड़ियों ने हमेशा से ही राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। इस बार भी भिवानी की बेटियां पूरी दुनिया में अपनी सफलता का परचम लहरा रही हैं।

फरीदाबाद में अवैध खनन रोकने के लिए कड़ी निगरानी, प्रशासन मुस्तैद

चंडीगढ़,29 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार द्वारा अवैध खनन पर सख्त नियंत्रण बनाए रखने के लिए निरंतर कठोर अभियान चलाया जा रहा है। फरीदाबाद में खनन विभाग और अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त टीम ने क्रैशर जोन पाली से जुड़े क्षेत्रों का अचानक निरीक्षण किया और वाहनों की जांच की। खनन विभाग के एक प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों के तहत, खनन विभाग के महानिदेशक के.एम. पांडुरंग स्वयं विभागीय गतिविधियों की निगरानी कर रहे हैं और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान कर रहे हैं। सरकार का मुख्य उद्देश्य खनन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना और अवैध खनन को समाप्त करना है। महानिदेशक के आदेशों के अनुसार, विभागीय टीम पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन कर रही है और सभी आवश्यक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान सभी वाहनों के पास वैध ई-रवाना बिल पाए गए। चेकिंग के दौरान किसी भी स्थान पर अवैध खनन की गतिविधि नहीं पाई गई है, और यदि कहीं भी नियमों का उल्लंघन होता है, तो खनन विभाग की टीम तुरंत आवश्यक कार्रवाई करेंगी। खनन विभाग की टीम राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य मार्गों और अन्य प्रमुख रास्तों पर लगातार सक्रिय रूप से तैनात है। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में उन स्थानों पर जहां अवैध खनन की संभावना अधिक है, वहां पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। इसके अंतर्गत जिले के विभिन्न इलाकों में अचानक निरीक्षण किए जा रहे हैं और दोषियों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जा रहे हैं।

हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र रहा महत्वपूर्ण और प्रभावशाली : कल्याण

चंडीगढ़,29 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र 7 मार्च से 28 मार्च, 2024 तक चला, जो विशेष रूप से प्रभावी और उत्पादक माना गया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने इस सत्र के परिणामों की रूपरेखा बताई। उन्होंने कहा कि इस सत्र में 13 बैठकें हुईं, जिसमें विधायकों ने कई विषयों पर ध्यानपूर्वक चर्चा की, बजट में संशोधन किया और प्रमुख सिफारिशें कीं।

हरियाणा विधान सभा का बजट सत्र राज्य की प्रशासनिक और विकास परियोजनाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा है, इस दौरान सदन में 18 विधेयक पारित किए गए। इन तेरह बैठकों में कुल 3,498 मिनट तक सदन की कार्यवही चली। इस प्रकार विधान सभा की उत्पादकता भी 114 प्रतिशत रही है। विधान सभा की कार्यवाही में 70 प्रतिशत से अधिक में नए सदस्यों ने भाग लिया जोकि सराहनीय थी। उन्होंने कहा कि सदन में अब कोई व्यवधान नहीं था, इसलिए बहस बिना किसी बाधा के आगे बढ़ सकती थी।विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि बजट सत्र के दौरान आधिकारिक रूप से स्वीकृत हरियाणा के राज्य गीत को एक बड़ी उपलब्धि के रूप में

देखा जा रहा है।

विधान सभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने बताया कि सत्र के दौरान 2212 लोगों ने विधानसभा की बैठकों को देखा जिससे नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने में मदद मिली। उन्होंने बताया कि 46 सदस्यों ने राज्यपाल के अभिभाषण पर 11 घंटे और 33 मिनट तक विचार-विमर्श किया; कांग्रेस, भाजपा और इनेलो सहित अन्य ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इसके साथ ही कुल 11 घंटे और 57 मिनट के दौरान, विभिन्न राजनीतिक दलों के विधानसभा सदस्यों ने बजट पर अपने विचार और चिंताएं व्यक्त कीं। सदन कार्यवाही के दौरान शून्य काल में 66 सदस्यों ने प्रदूषण, कैंसर और अन्य सामाजिक मुद्दों सहित राज्य की तत्काल समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि बजट सत्र के दौरान गैर-सरकारी विचार भी सामने रखे गए बजट सत्र में नए सुधार विधान सभा अध्यक्ष ने बताया कि विधान सभा सदस्यों को शून्य काल में अपनी राय निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत करने के लिए अधिक समय मिलता है क्योंकि शून्य काल की अवधि 3 मिनट से बढ़ाकर 5 मिनट कर दी गई है। उन्होंने बताया कि विधान सभा की दो नई समितियां गठित की गईं: 1. प्रदूषण और पर्यावरण संबंधी समिति 2. युवा मामले और युवा कल्याण समिति। इस बजट सत्र के दौरान पुलिस अधिकारियों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई। पंचायती राज और शहरी स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों के लिए सम्मेलन करने की योजना बनाई गई। उन्होंने बताया कि युवा संसद के दो सम्मेलन: 31 मार्च को पहला सम्मेलन ,दूसरा 2 और 3 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा।

हरियाणा विधानसभा का यह बजट सत्र काफी महत्वपूर्ण रहा । सरकार और विपक्ष दोनों ने सकारात्मक भूमिका निभाई, जिससे राज्य में सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। भविष्य की सत्र में भी समान रूप से प्रभावी बहस और समाधान की उम्मीद है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रामनवमी को लेकर अयोध्या नगर निगम की बड़ी तैयारी

श्रद्धालुओं के लिए किए जा रहे विशेष इंतजाम

अयोध्या, 29 मार्च (एजेंसियां)। अयोध्या में इस बार रामनवमी के पर्व को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए नगर निगम ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। भीषण गर्मी को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। श्रृंगारहाट से रामपथ के गेट नंबर तीन तक मैटिंग बिछाई जाएगी और उस पर पानी का छिड़काव किया जाएगा। वहीं, धर्मपथ पर छायादार अस्थायी शिविर बनाए जाएंगे, ताकि भक्तों को धूप से राहत मिल सके। पानी की व्यवस्था के लिए 243 स्थानों पर पेयजल की सुविधा सुनिश्चित की गई है।

मेला क्षेत्र में साफ-सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मशीनों के साथ-साथ श्रमिकों की टीम सफाई कार्य में जुटी है। इसके अलावा, 34 मोबाइल टॉयलेट्स सहित अस्थायी शौचालयों की व्यवस्था की गई है। मेला क्षेत्र को अतिक्रमण से मुक्त रखने के लिए प्रवर्तन दल सक्रिय रहेगा। इन सभी तैयारियों की निगरानी खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कर रहे हैं, वहीं आगामी दिनों में मुख्यमंत्री ने अयोध्या में समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों के निर्देशित किया था कि अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत का सामना न करना पड़े।

अयोध्या में रामनवमी का उत्सव इस बार नए राम मंदिर के उद्घाटन के बाद और भी खास होने जा रहा है। लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता। ऐसे में, अयोध्या नगर निगम ने रामनवमी के आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए तैयारियों को पुख्ता करने में जुट गया है। गर्मी से बचाव, स्वच्छता और व्यवस्था के ये कदम श्रद्धालुओं के लिए एक सुखद अनुभव का मार्ग प्रशस्त करेंगे। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अयोध्या न केवल धार्मिक, बल्कि व्यवस्थित और सुरक्षित तीर्थस्थल के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। नगर आयुक्त संतोष शर्मा ने बताया कि नगर निगम अपनी तैयारियों के साथ मेले में उतर रहा है। हमारी कोशिश है कि किसी भी श्रद्धालु को तकलीफ न पहुंचे।

रामनवमी मेले के दृष्टिगत आवंटित रुट पर तीन चरण में सफाई होगी। धर्मपथ, रामपथ, भक्ति, आरती घाट, चौधरी चरण सिंह घाट व दर्शन पथ समेत अन्य प्रमुख मार्गों पर प्रथम चरण में 1204, द्वितीय चरण में 398 व तृतीय चरण में 136 सफाई कर्मी उतारे जाएंगे।

इनका सुपरविजन करने के लिए 73 पर्यवेक्षक लगाए गए हैं। कूड़ा एकत्रित करने के लिए 395 डस्टबिन की व्यवस्था भी की गई है। प्रवर्तन दल द्वारा पुलिस बल के साथ मिलकर संपूर्ण मेला क्षेत्र में भ्रमण करते हुए अतिक्रमण हटाए जाने की कार्यवाही की जाएगी। इसके अतिरिक्त, सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में पॉलीथीन के विरुद्ध कार्यवाही एवं जागरूकता अभियान भी चलाया जायेगा। सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में निराश्रित गोवंशों को प्रतिबंधित किए जाने हेतु तीन टीम गठित की गयी है, जो समयानुसार अपने कार्यों का निर्वहन करेंगे। इसके अतिरिक्त, नगर निगम के कर्मचारी रामपथ व धर्मपथ, भक्तिपथ मार्ग पर आवश्यकतानुसार छुट्टा जानवरों के रोकथाम का कार्य करेंगे।

प्रयागराज में स्थापित होगा नया रेल नीर संयंत्र

आईआरसीटीसी को 2.5 एकड़ भूमि आवंटित

लखनऊ, 29 मार्च (एजेंसियां)। प्रयागराज के सरस्वती हाई-टेक सिटी में भारतीय रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) द्वारा रेल नीर संयंत्र स्थापित किया जाएगा। यूपीसीडा ने इस परियोजना के लिए 2.5 एकड़ भूमि आवंटित की है। इस संयंत्र में 25 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है और इसकी उत्पादन क्षमता एक लाख लीटर प्रति दिन होगी। उल्लेखनीय है कि आईआरसीटीसी पूरे भारत में कई रेल नीर पैकेज्ड पेयजल संयंत्र संचालित करता है, जिनमें से दो उत्तर प्रदेश में स्थित हैं। एक अमेठी और दूसरा हापुड़ में। इस तरह प्रदेश में यह तीसरा संयंत्र स्थापित किया जाएगा।

रेल नीर संयंत्र के संचालन से रेलवे यात्रियों को स्वच्छ एवं उच्च गुणवत्ता वाला पैकेज्ड पेयजल सुलभ होगा, जिससे जलजनित बीमारियों की रोकथाम में भी मदद मिलेगी। इस परियोजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, जिससे क्षेत्र की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। रेल नीर संयंत्र की स्थापना औद्योगिक निवेशकों के लिए एक प्रेरणास्रोत बनेगी और यूपी में नए निवेश को आकर्षित करेगी। यह संयंत्र रेलवे स्टेशन से 5 किमी, प्रयागराज हवाई अड्डे से 25 किमी और राजमार्ग से 15 किमी की दूरी पर स्थित होगा, जिससे इसकी लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी। यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी ने कहा, यह परियोजना औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ रेलवे यात्रियों के लिए सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाएगी।

सम्भल के कायाकल्प में जुटी योगी सरकार

बहजोई में अत्याधुनिक जिला अस्पताल की सौगात

लखनऊ, 29 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व की सरकारों में तुष्टिकरण में आगे रहे और विकास के मामले में पिछड़े संभल के कायाकल्प को योगी सरकार तैयार है। इसी क्रम में योगी सरकार अप्रैल से सम्भल के बहजोई में अत्याधुनिक जिला अस्पताल के निर्माण कार्य में तेजी लाने जा रही है। 25.8 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में नए जिला अस्पताल का निर्माण होना है जिसमें 100 बेड की क्षमता होगी। नियोजन विभाग ने निर्माण व विकास कार्यों को पूरा करने के लिए मास्टर प्लान तैयार कर लिया है। योजना के अनुसार, 18 महीने में अस्पताल भवन समेत विभिन्न प्रकार के निर्माण व विकास कार्यों को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसकी शुरुआत अप्रैल से हो सकती है।

नियोजन विभाग द्वारा सम्भल के बहजोई में निर्मित होने वाले जिला अस्पताल में 2 मंजिला अनावासीय अस्पताल भवन के साथ विभिन्न खंडों के आवासीय भवनों का निर्माण होगा। इसके अतिरिक्त, नर्सों के लिए हॉस्टल, पोस्टमॉर्टम हाउस, तीमारदारों के लिए आश्रय स्थल तथा सब स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। संपूर्ण परिसर में सड़क, फुटपाथ, पार्किंग, आरसीसी ड्रेन, बिजली व पानी सप्लाई, 2 मेन गेट व बाउंड्री वॉल समेत विभिन्न प्रकार के कार्यों को पूरा किया जाएगा। परिसर को भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर निर्मित किया जाएगा। इसे यूपीएस सिस्टम, सीसीटीवी सिस्टम, एलएएन सिस्टम, लिफ्ट, एचवीएसी तथा एसटीपी, ईटीपी व डब्ल्यूटीपी जैसी प्रणालियों से युक्त किया जाएगा। निर्माण कार्यों को पूरा करने के दौरान पर्यावरण के मानकों का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाएगा तथा इस बात को सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी निर्माण व विकास कार्य उच्च गुणवत्ता के हों। अस्पताल के निर्माण में 51 करोड़ रुपए (जीएसटी अतिरिक्त) की धनराशि खर्च की जाएगी।

योजना के अनुसार, अस्पताल परिसर की आधारभूत संरचना के निर्माण व विकास के साथ ही इसे भविष्य की जरूरतों को देखते हुए विभिन्न प्रकार की अत्याधुनिक मेडिकल इक्विप्मेंट्स से लैस करने की तैयारी है। इसके लिए एक्सपर्ट्स की टीम का गठन किया जाएगा जो कि मेडिकल इक्विपमेंट्स के इंस्टॉलेशन तथा सुगम संचालन की प्रक्रिया को मॉनिटर करेंगे। जिला अस्पताल परिसर में हरित क्षेत्र विकसित करने पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है। 8.4 हजार वर्ग मीटर से अधिक एरिया में हरित क्षेत्र विकसित किया जाएगा जिसमें 100 वृक्षों समेत 300 विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे लगाए जाएंगे। अस्पताल परिसर में 6 से 9 मीटर चौड़ी सड़कों का विकास किया जाएगा जिससे किसी को आवागमन में परेशानी न हो। परिसर में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्रक्रिया तथा सिक्योरिटी रूम जैसे निर्माण व विकास कार्यों को भी पूरा किया जाएगा।

युवाओं के कौशल विकास को बढ़ावा

यूपी के 250 आईटीआई अपग्रेड किए जाएंगे

लखनऊ, 29 मार्च (एजेंसियां) उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में कौशल विकास को लेकर सरकार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को कौशल विकास, आईटीआई विस्तार और प्रधानमंत्री की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। यूपी सरकार के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी से कौशल भवन, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में मुलाकात की और राज्य के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे।

बैठक में यूपी सरकार के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने प्रदेश में आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों) के विस्तार और सुधार को लेकर प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने भारत सरकार की 1000 आईटीआई उन्नयन योजना के तहत यूपी के लिए 250 आईटीआई आवंटित करने का अनुरोध किया। इसपर केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया।

बैठक में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन को 1 लाख युवाओं के लिए प्रशिक्षण लक्ष्य आवंटित करने की मांग की गई। केंद्रीय मंत्री ने इस पर भी विचार करने का आश्वासन दिया, जिससे प्रदेश के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। डॉ. हरिओम ने जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश सरकार ने अब तक 1 लाख से अधिक विश्वकर्माओं को प्रशिक्षित किया है। यदि यह लक्ष्य प्रत्यक्ष रूप से यूपी कौशल विकास मिशन को सौंपा जाता है, तो यह संख्या तेजी से बढ़ाई जा सकती है। केंद्रीय मंत्री ने सुझाव दिया कि यूपी में संचालित विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की सभी ट्रेडों को जोड़ा जाए। इसपर मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि इस विषय पर एमएसएमई विभाग के मंत्री से चर्चा की जाएगी और आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

बैठक में युवाओं को विदेशी अवसरों के लिए तैयार करने हेतु भाषा प्रशिक्षण देने पर भी चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री ने यूपी सरकार से इस दिशा में ठोस प्रयास करने को कहा, जिस पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल और डॉ. हरिओम ने तेजी से कार्यवाही करने का भरोसा दिलाया। केंद्रीय मंत्री ने यूपी सरकार से राज्य में कौशल विकास की बेहतरीन नीतियों और सफल योजनाओं को भारत सरकार के साथ साझा करने का अनुरोध किया, जिससे अन्य राज्यों को भी इसका लाभ मिल सके। बैठक में प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशक नेहा प्रकाश, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के मिशन निदेशक अभिषेक सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शौर्य वाटिका में लगेंगे करगिल युद्ध के हेलीकॉप्टर-एयरक्राफ्ट

लखनऊ, 28 मार्च। योगी सरकार नौसेना शौर्य संग्रहालय से जुड़े निर्माण व विकास कार्यों में तेजी लाने की तैयारी कर रही है। सीएम योगी के विजन को मिशन मानकर उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने इस विषय में तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस बीच, उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग शौर्य वाटिका ओपन एयर म्यूजियम की शान में इजाफा करने के लिए करगिल युद्ध में बड़ी भूमिका निभाने वाले टीयू-148 एयरक्राफ्ट व एसके43बी हेलीकॉप्टर को लखनऊ लाने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू होने वाली है। पर्यटन विभाग द्वारा तैयार की गई योजना के अनुसार, चेन्नई के निकट स्थित आईएनएस राजली एयरबेस पर दोनों एयरक्राफ्ट्स को डिस्मेंटल कर लखनऊ लाया जाएगा। यहां पर वापस हेलिकॉप्टर व एयरक्राफ्ट के सभी पुर्जों को रीकैलिब्रेट करते हुए अत्याधुनिक वातानुकूलन प्रणाली से लैस किया जाएगा। वहीं, शौर्य वाटिका में शौर्य स्मारक पार्क के विभिन्न कार्यों की पूर्ति में भी तेजी लायी जाएगी। यहां बैटल सिमुलेशन, गैलेंट्री अवॉर्ड वॉल, प्रसिद्ध युद्धों के विवरण तथा नौसेना के इतिहास को प्रदर्शित करने वाली विभिन्न सुविधाओं और प्रक्रियाओं की पूर्ति के कार्य भी जल्द पूरे किए जाएंगे।

नौसेना शौर्य संग्रहालय में शौर्य वाटिका ओपन एयर म्यूजियम का निर्माण व विकास किया जाएगा जिसमें करगिल युद्ध के दौरान बड़ी भूमिका निभाने वाले तथा वर्तमान में डीकमीशंड हो चुके टीयू-148 एयरक्राफ्ट व एसके43बी हेलिकॉप्टर को स्थापित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय नौसेना में 8 सोवियत टीयू-142 एमकेई एयरक्राफ्ट का संचालन 1988 से 2017 तक यानी 29 वर्षों तक किया गया जिसे बाद में पोसाइडन एयरक्राफ्ट से रिप्लेस किया गया। टीयू-142 एमकेई एयरक्राफ्ट 53.08 मीटर लंबा विमान है जिसका विंग स्पैन 50 मीटर तथा ऊंचाई 12.12 मीटर है। यह 90 हजार किग्रा वजनी विमान 1.85 किग्रा टेकऑफ वेट के साथ उड़ान भरने में सक्षम था। वहीं, नौसेना में 1970 के दशक में शामिल किए गए वेस्टलैंड सी-किंग हेलीकॉप्टर के एमके 42बी वेरिएंट को 1980 के दशक में शामिल किया गया था। इसने करगिल समेत विभिन्न कॉम्बैट व रिलीफ ऑपरेशंस में बड़ी भूमिका निभाई है। हेलिकॉप्टर 17.02 मीटर लंबा, 5.3 मीटर ऊंचा और 9,707 किग्रा के अधिकतम टेकऑफ लोड के साथ उड़ान भरने में सक्षम है।

इन दोनों ही एयरक्राफ्ट्स को चेन्नई के पास स्थित नौसेना के राजली एयरबेस पर डिस्मैंटल करके लखनऊ लाने की योजना है। लखनऊ में इन एयरक्राफ्ट्स के कलपुर्जों को वापस से कैलिबरेट करते हुए अत्याधुनिक वातानुकूलन प्रणाली से लैस कर स्थापित किया जाएगा। इस कार्य को पूरा करने के लिए विशिष्ट टीम के गठन की प्रक्रिया जारी है। ओपन एयर म्यूजियम में आने वाले टूरिस्ट इन दोनों एयरक्राफ्ट में बैठने का आनंद ले सकेंगे। उन्हें इन एयरक्राफ्ट्स के इंटीरियर टूर की सुविधा मिलेगी जहां वह इन विमान से जुड़ी बारीकियों, इनके संचालन, महत्व और कॉम्बैट व रेस्क्यू ऑपरेशंस में रही भूमिका के बारे में अवगत हो सकेंगे। ये विमान युवाओं को भारतीय सशस्त्र बलों की गौरवगाथा जानने के लिए प्रेरित करने का माध्यम बनेंगे। यहां स्टूडेंट टूर समेत विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का संचालन किया जाएगा जिससे उन्हें भारतीय सेना में करियर ऑप्शंस के बारे में जानकारी भी दी जाएगी।

वहीं, नौसेना शौर्य संग्रहालय में शौर्य स्मारक पार्क समेत विभिन्न कार्यों को भी पूरा करने की तैयारी है। संग्रहालय में बैटल सिमुलेशन के लिए वर्चुअल रिएलिटी (वीआर) और ऑग्युमेंटेड रिएलिटी (एआर) जैसी तकनीकों का सहारा लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त गैलेंट्री अवॉर्ड वॉल की स्थापना, प्रसिद्ध युद्धों के विवरण तथा नौसेना के इतिहास प्रदर्शित करते विभिन्न उपकरणों की स्थापना व प्रदर्शनी के कार्य में भी तेजी लायी जाएगी।

एयरफोर्स कैंपस में घुसकर इंजीनियर की गोली मारकर हत्या

प्रयागराज, 29 मार्च (एजेंसियां)। प्रयागराज में एयरफोर्स (नॉर्थ जोन) के चीफ सिविल इंजीनियर (वर्क) 50 वर्षीय सत्येंद्र नारायण मिश्रा की अज्ञात अपराधियों ने आज सुबह गोली मारकर हत्या कर दी। आज तड़के हमलावरों ने उनके घर की खिड़की खटखटाकर सोए हुए मिश्रा को जगाया। उन्होंने जैसे ही खिड़की खोली, हमलावरों ने उन्हें गोली मार दी। आवाज सुनकर दूसरे कमरे में सो रहे परिजन पहुंचे, तब तक हमलावर भाग चुके थे।

मिश्रा का आवास कड़ी सुरक्षा वाले बमरौली इलाके के सेंट्रल एयर कमांड कैंपस के भीतर बनी कॉलोनी में है। प्रयागराज के डीआईजी अजयपाल शर्मा का कहना है कि हमलावर गेट से नहीं आए थे। आशंका जताई जा रही है कि हमलावर चारदीवारी फांदकर कैंपस में घुसे थे। आसपास के सीसीटीवी में एक संदिग्ध दिखा है, जिसकी पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम को कई साक्ष्य मिले हैं। बिहार के सासाराम के रहने वाले इंजीनियर मिश्रा की हत्या की जांच में पुलिस पारिवारिक या निजी रंजिश, टेंडर से जुड़ा मामला या ऑफिस के कर्मियों की मिलीभगत आदि एंगल से भी जांच कर रही है। मृतक के मोबाइल को जब्त करके उसके डेटा से जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। एसएन मिश्रा ज्वाइंट सेक्रेटरी लेवल के अधिकारी थे। एयरफोर्स भी अपने स्तर पर मामले की जांच कर रही है।

हमारा अगला बड़ा लक्ष्य 2026 एशियाई खेलों में भारत के लिए पदक जीतना है : कोच हेमराज

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय सेपक टकरा टीम के मुख्य कोच हेमराज ने हाल ही में खेले गए सेपक टकरा विश्व कप 2025 में टीम के ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की भूमिका पर बात की।

इसी के साथ उन्होंने कहा कि हमारा अगला बड़ा लक्ष्य 2026 एशियाई खेलों में भारत के लिए पदक जीतना है।

बिहार के पटना में सेपक टकरा विश्व कप 2025 में भारतीय पुरुष रेगु टीम ने ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता। 20 से 25 मार्च तक पाटलिपुत्र इंडोर स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जापान को 2-1 से हराया। प्रतियोगिता में भारतीय दल ने एक स्वर्ण, एक रजत और पांच कांस्य सहित कुल सात पदक जीते। पुरुषों की रेगु टीम ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि महिलाओं की युगल टीम ने रजत पदक जीता। पुरुषों की युगल टीम, महिलाओं की रेगु टीम, मिश्रित क्वाड टीम, महिलाओं की क्वाड टीम और पुरुषों की क्वाड टीम ने कांस्य पदक जीते।

भारतीय सेपक टकरा टीम के मुख्य कोच हेमराज ने साई मीडिया से बातचीत में कहा कि खिलाड़ियों ने 8 से 10 वर्षों तक बवाना (दिल्ली), इम्फाल, दीमापुर और बरेली में साई प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण लिया और अपने कौशल को निखारा है। टीम के अधिकांश खिलाड़ी साई से निकले हैं, जिन्हें निरंतर सहायता मिलती रही है। विश्व कप की तैयारी के लिए साई ने थाईलैंड में डेढ़ महीने का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया, जहां इन खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की।

भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए कोच ने कहा कि हमारा अगला बड़ा लक्ष्य 2026 एशियाई खेलों में भारत के लिए पदक जीतना है। उससे पहले हमारे पास मई में मलेशिया में पुरुषों का एशिया कप और जुलाई में बैंकॉक (थाईलैंड) में विश्व चैंपियनशिप है। हमारा लक्ष्य इन सभी आगामी आयोजनों में अपनी निरंतरता बनाए रखना है।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्टुअर्ट लॉ बने नेपाल क्रिकेट टीम के हेड कोच

नई दिल्ली। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्टुअर्ट लॉ को अगले 2 वर्षों के लिए नेपाल पुरुष क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है। नेपाल क्रिकेट एसोसिएशन (सीएएन) ने इसकी जानकारी दी है। लॉ से पहले मोंटी देसाई नेपाल टीम के कोच थे। उनका कार्यकाल इस साल फरवरी में समाप्त हो गया था। नेपाल क्रिकेट एसोसिएशन ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज स्टुअर्ट लॉ अगले दो वर्षों के लिए नेपाल पुरुष राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की कमान संभालेंगे। 56 साल के स्टुअर्ट लॉ ने ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए वर्ष 1994 से 1999 के बीच क्रिकेट खेला। उन्होंने एक टेस्ट और 54 वनडे मैच खेले, जिसमें 1291 रन बनाए और 12 विकेट अपने नाम किए। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद उन्होंने कोचिंग की दुनिया में कदम रखा। उनके पास कोचिंग का काफी अनुभव हो चुका है। वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका, श्रीलंका, बांग्लादेश, वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के साथ काम कर चुके हैं। पिछले साल उनकी कोचिंग में अमेरिका टीम ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। घरेलू धरती पर खेले गए टूर्नामेंट में यूएसए ने ग्रुप चरण में अपने शुरुआती मैच में कनाडा को हराया। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ एक ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इससे वे सुपर आठ चरण में पहुंचने में कामयाब रहे थे।

सीएसके की हार में भी खूब चमका ये अफगानी गेंदबाज

चैन्नई। आईपीएल-2025 में 17 साल बाद चेन्नई सुपर किंग्स को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने मात दी। करारी हार के बावजूद सीएसके के लिए खेल रहे अफगानी मूल के क्रिकेटर नूर अहमद मैच में खूब चमके। नूर अहमद ने चार ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट चटकाए और इसके साथ ही वह टूर्नामेंट में पर्पल कैप की रेस में सबसे आगे हो गए। टूर्नामेंट में नूर अहमद ने कुल दो मैच खेले हैं और उन्होंने 7 विकेट अपने नाम किए हैं। आरसीबी के खिलाफ उतरने से पहले उनके खाते में चार विकेट थे और वह पर्पल कैप की रेस में दूसरे नंबर पर थे। आरसीबी के खिलाफ नूर ने अच्छी गेंदबाजी की। नूर अहमद के बाद पर्पल कैप की रेस में लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर हैं। शार्दुल के बाद आरसीबी के जोश हेजलवुड हैं, जिनके नाम दो मैच में 5 विकेट हैं। चौथे नंबर पर सीएसके के खलील अहमद हैं, जिनके नाम दो मैच में चार विकेट हैं। बता दें चेपॉक के मैदान पर आईपीएल 2025 का 8वां मुकाबला आरसीबी और सीएसके के बीच खेला गया। सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। आरसीबी ने पहले बैटिंग करते हुए 197 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सीएसके 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 146 रन बना सकी। इस तरह आरसीबी ने सीएसके को 50 रनों से हरा दिया। आरसीबी की इस मैदान पर यह दूसरी जीत थी।

2025 क्लब वर्ल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट 14 जून से

सेन डियागो। 2025 क्लब वर्ल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट ये 14 जून से 13 जुलाई, 2025 तक संयुक्त राज्य अमेरिका में होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 32 टीमें भाग लेंगी। इसमें सात मैचों का ग्रुप स्टेज और प्लेऑफ फॉर्मेट होगा। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा ने इसके लिए इनामी राशि घोषित कर दी है। इसमें कुल इनामी राशि 1 बिलियन डॉलर 32 प्रतिभागी क्लबों में वितरित की जाएगी। इसमें विजेता टीम को 125 मिलियन डॉलर तक जीतने का निर्धारित।अवसर मिलेगा। इसके अलावा वैश्विक क्लब फुटबॉल को समर्थन देने के लिए 250 मिलियन डॉलर अलग रखे गए हैं। वहीं इसमें शामिल टीमों को 525 मिलियन डॉलर मिलेंगे। इसके अलावा यूईएफए क्लब 12.81 मिलियन डॉलर से 38.19 मिलियन डॉलर तक की राशि हासिल करेंगे, जो उनकी रैंकिंग और राजस्व पर निर्भर करेगा। इसके तहत शीर्ष स्तर के क्लब चेल्सी, मैनचेस्टर सिटी, रियल मैड्रिड और बायर्न म्यूनिख बड़ी इनामी राशि हासिल करने की दावेदार रहेंगी। कोंमेबोल (दक्षिण अमेरिकी) क्लब को 15.21 मिलियन डॉलर के करीब रकम मिलेगी।

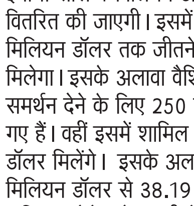

हार्दिक पंड्या ने जिस टीम को बनाया था चैंपियन, उसी के आगे घुटने टेके, मुंबई को गुजरात ने शर्मसार किया

अहमदाबाद, 29 मार्च (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 9वें मैच में गुजरात टाइटंस ने अपने घर में मुंबई इंडियंस को 36 रन से हरा दिया। मुकाबले में टॉस हारने के बाद गुजरात टाइटंस की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर क खेल में 8 विकेट के नुकसान पर 196 रन का स्कोर खड़ा किया था।

इसके जवाब में मुंबई इंडियंस 20 ओवर में 6 विकेट गंवाकर 160 रन ही बना पाई। इस तरह मुंबई इंडियंस को आईपीएल के 18वें सीजन में लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। सीजन के उसके पहले मैच में सीएसके ने मात दी थी। रोहित शर्मा और रायन रिकेल्टन के आउट होने के बाद सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने कुछ देर के लिए पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा की कसी हुई गेंदबाजी के आगे तिलक वर्मा ने अपना विकेट गंवा दिया। तिलक वर्मा ने 36 गेंद में 39 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सूर्यकुमार यादव यादव भी ज्यादा देर तक क्रीज पर समय नहीं बिता सके। मुंबई के आखिरी उम्मीद सूर्या भी दबाव में बिखर गए। सूर्यकुमार यादव को भी प्रसिद्ध कृष्णा को अपना विकेट दे दिया। सूर्यकुमार यादव 28 गेंद में 41 रन बनाकर आउट हुए।

सूर्यकुमार के बाद उम्मीद थी कि कप्तान हार्दिक पंड्या अपनी टीम के लिए कुछ चमत्कार करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। इस दौरान हार्दिक और गुजरात के साई किशोर के बीच कुछ नोकझोंक भी देखने को मिली थी। हार्दिक पंड्या मुंबई के लिए 17 गेंद खेलकर सिर्फ 11 रनों का योगदान दे पाए। आखिर के ओवरों में नमन धीर और मिचेल सैंटनर ने 18-18 रन बनाए, लेकिन वह टीम की जीत के लिए काफी नहीं थे।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में गुजरात टाइटंस की गेंदबाजी शानदार रही। खास तौर से प्रसिद्ध कृष्णा का स्पेल शानदार था। कृष्णा ने 4 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा मोहम्मद सिराज ने टीम को शुरुआती सफलता दिलाई। सिराज ने 4 ओवर में 34 रन देकर 2 सफलता हासिल की। इसके अलावा कगिसो रबाडा और आर साईं किशोर के खाते में भी एक-एक सफलता आई।

मुंबई के खिलाफ इस मुकाबले में गुजरात के लिए साईं सुदर्शन ने कमाल की बल्लेबाजी की। साई सुदर्शन टीम के लिए ओपनिंग करते हुए 41 गेंद में 63 रनों की पारी खेली। अपनी इस पारी में सुदर्शन ने 4 चौके और 2 छक्के भी लगाए।

इसके अलावा टीम के कप्तान शुभमन गिल ने 27 गेंद में 38 रनों का योगदान दिया। वहीं जोस बटलर ने भी टीम के लिए 24 गेंद में 39 रनों का योगदान दिया।

टॉप ऑर्डर बल्लेबाजों के इस शानदार खेल के कारण गुजरात की टीम ने निर्धारित 20 ओवर के खेल में 196 रन का स्कोर खड़ा किया था।

आईपीएल-2025 में अब तक का सबसे लंबा छक्का ट्रेविस हेड ने लगाया

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)।

आईपीएल सीजन 18 में क्रिकेट प्रेमियों को ऐसा खेल देखने को मिला जिससे वह गदगद हैं क्योंकि हर मैच में बड़े बड़े शाट्स देखने को मिल रहे हैं और दर्शकों का पैसा भी वसूल हो रहा है। सीजन में अभी तक कई रोमांचक मुकाबले हो चुके हैं। अभी तक हुए मुकाबलों में सबसे लंबा छक्का लगाने वाले बल्लेबाज ट्रेविस हेड हैं, जो सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाड़ी हैं। इस सूची के टॉप 5 बल्लेबाजों में कोई भारतीय बल्लेबाज नहीं है। इस सीजन के पहले 5 मैचों में कुल रन रेट में 17 फीसदी की वृद्धि हुई है, लेकिन जो आंकड़े वास्तव में आपको चौंकाते हैं, वे हैं बाउंड्री की संख्या। इस सीजन में छक्कों की संख्या में 37 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि चौकों की संख्या में 34 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है। इस सीजन में अब तक 32 से अधिक छक्के लगाए गए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 23 मार्च को हुए मैच में 105 मीटर का छक्का लगाया था।

इस सूची के टॉप 5 बल्लेबाजों में एक भी भारतीय बल्लेबाज का नाम नहीं

ये आईपीएल 2025 में अभी तक का सबसे लंबा छक्का है। इस मुकाबले में हेड ने 31 गेंदों में 67 रन बनाए थे। इस पारी में उन्होंने 3 छक्के और 9 चौके जड़े थे। दिल्ली कैपिटल्स प्लेयर ट्रिस्टन स्टब्स आईपीएल 2025 में अभी तक सबसे लंबा छक्का लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 98 मीटर का छक्का लगाया था। इस मुकाबले को दिल्ली ने 1 विकेट से जीता था।

अभी तक खेले गए मैचों में कई भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार पारियां तो खेली है पर उस सूची में किसी भी बल्लेबाज का नाम नहीं है जहां पूरन दो बार अपना नाम लिखवा चुके है। सबसे लंबा छक्का लगाने के मामले में टॉप 5 में 2 सिक्सर्स तो निकोलस पूरन के हैं।

फिगर स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप

बोस्टन में फिगर स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप में आइस डांस रिदम डांस कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शन करती स्लोवाकिया की मारिया सोफिया पुचेरोवा और निकिता लिसाक।

वनडे सीरीज में कीवी टीम से अब्बास ने किया डेब्यू, पाक गेंदबाजों को धोया

24 गेंदों में अर्धशतक जड़कर रचा इतिहास, क्रुणाल का तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)।

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच चल रही वनडे सीरीज के पहले मैं में कीवी टीम से पाकिस्तान के एक पूर्व क्रिकेटर का बेटा मैदान में उतरा। पाकिस्तान के लिए घरेलू क्रिकेट में धूम मचा चुके अजहर अब्बास के बेटे मोहम्मद अब्बास ने मैच में डेब्यू किया। अपने पहले ही मुकाबले में 21 साल के अब्बास ने 26 गेंदों पर 52 रन ठोकर दमदारी दिखाई।

अब्बास ने तीन चौके और तीन छक्के लगाए। अपने डेब्यू मैच में मोहम्मद अब्बास 200 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। उन्होंने सिर्फ 24 गेंदों में अर्धशतक जड़कर वनडे क्रिकेट में डेब्यू पर सबसे तेज फिफ्टी का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने भारत के क्रुणाल पंड्या को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने अपने डेब्यू वनडे में 26 गेंदों पर अर्धशतक लगाया था।

बता दें मोहम्मद अब्बास के पिता अजहर अब्बास पाकिस्तान के घरेलू क्रिकेट में 21 फर्स्ट-क्लास मैच खेल चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने 15 लिस्ट ए और 19 टी20 मुकाबले भी घरेलू क्रिकेट में खेले।

इसके बावजूद भी वह पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय टीम में डेब्यू नहीं कर पाए थे। बेटे मोहम्मद अब्बास में क्रिकेट का जुनून बचपन से ही था। मात्र 3 साल की उम्र से वे क्रिकेट के प्रति आकर्षित हो गए थे। उनके इस जुनून को देखते हुए न्यूजीलैंड क्रिकेट ने 16 साल की उम्र में उन्हें अपने टैलेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम में जगह दी थी। उनकी मेहनत और समर्पण का फल अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर देखने को मिला, जब उन्होंने अपने पहले ही मैच में इतिहास रच डाला।

न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और मोहम्मद अब्बास की तूफानी पारी की मदद से 50 ओवर में 9 विकेट पर 344 रन का स्कोर खड़ा कर दिया। अब्बास के अलावा मार्क चैपमैन ने 132 रनों की शतकीय पारी खेली, जिसने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

अब्बास के आक्रामक खेल ने पाकिस्तानी गेंदबाजों पर दबाव बना दिया, जिसके चलते न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के सामने 345 रनों का विशाल लक्ष्य रखा। पाकिस्तानी मूल के इस युवा खिलाड़ी का अपनी जन्मभूमि की टीम पाकिस्तान के खिलाफ ऐसा प्रदर्शन चौंकाने वाला है। यह दिखाता है कि प्रतिभा किसी देश या सीमा की बाध्यता नहीं मानती। अपने डेब्यू मैच में ही अब्बास ने साबित कर दिया कि वे भविष्य में न्यूजीलैंड क्रिकेट का बड़ा चेहरा बन सकते हैं।

स्व. बहादुर सिंह ठाकुर स्मृति में रायगढ़ का पहला आईपीएल टूर्नामेंट आठ अप्रैल से

रायगढ़, 29 मार्च (एजेंसियां)।

रायगढ़ जिले में पहली बार टेनिस बॉल रात्रि कॉलिन क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन इंडियन प्रीमियर लीग होने जा रहा है। यह अनूठा प्रयोग न केवल जिले के क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक नया अनुभव लेकर आया है, बल्कि खिलाड़ियों, आयोजकों और दर्शकों में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। यह प्रतियोगिता 8 अप्रैल से 13 अप्रैल तक डिग्री कॉलेज लाल मैदान ग्राउंड पर दूधिया रोशनी में खेली जाएगी।

लाल मैदान खेल समिति के अध्यक्ष चंद्रकांत जलक्षत्री (चंदू) ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि उसके साथियों का सपना था कि रायगढ़ में आईपीएल जैसा टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट हो। इस सपने को सच करने के लिए उनके साथी, 120 खिलाड़ी, 8 फ्रेंचाइजी मालिक और स्पॉन्सर्स ने साथ दिया है। चंदू ने कहा कि यह रायगढ़ टेनिस क्रिकेट का नया चेहरा होगा। हम इसे ऐसा बनाएंगे कि लोग सालों तक याद रखें। टूर्नामेंट के संरक्षक राजेंद्र सिंह ठाकुर और लीनू जॉर्ज के मार्गदर्शन में गजेंद्र राजपूत, कुलदीप सिंह ठाकुर, संतोष केसरी, हिरेन्द्र जलक्षत्री, अक्षय सिदार, श्रीमंत मिश्रा और दीपक पण्डा समेत कई साथियों ने इस मिशन को पंख दिए हैं।

आपसी सौहार्द और भाईचारे को बढ़ावा देगा

टूर्नामेंट के संरक्षक एवं वार्ड क्रमांक 26 के पूर्व पार्षद राजेंद्र ठाकुर ने कहा कि, मेरे पिताजी, स्वर्गीय बहादुर सिंह ठाकुर की स्मृति में इस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन मेरे लिए गर्व महसूस करा रहा है। ऐसे आयोजन न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में आपसी सौहार्द और भाईचारे को भी बढ़ावा देते हैं। मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि मेरे पिताजी के नाम पर इतना भव्य टूर्नामेंट आयोजित हो रहा है। यह हमारे परिवार के लिए एक भावुक क्षण है।

सह सचिव संतोष केसरी और रितेश निषाद ने बताया कि टूर्नामेंट जीतने वाली टीम को 77 हजार 777 रुपये और दूसरी टीम को 44 हजार 444 रुपये के साथ ट्रॉफी मिलेगी। मैन ऑफ द मैच, बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर, बेस्ट कीपर, बेस्ट फील्डर जैसे ढेर सारे अवॉर्ड्स भी तैयार हैं।

स्वर्गीय बहादुर सिंह ठाकुर की याद में समर्पित

समिति के उपाध्यक्ष गजेंद्र राजपूत कहते हैं कि यह टूर्नामेंट सिर्फ खेल का मंच नहीं, बल्कि एक भावुक श्रद्धांजलि भी है। यह रायगढ़ के भाजपा नेता राजेंद्र सिंह ठाकुर के पिता स्वर्गीय बहादुर सिंह ठाकुर की याद में समर्पित है। पहला सीजन उनके नाम है, जो इसे और भी खास बनाता है। यह एक ऐसा मंच है जहाँ खेल और सम्मान एक साथ नजर आएंगे।

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी में घटकर पांच महीने के निचले स्तर पर

पिछले साल इसी महीने में बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत रही थी

नई दिल्ली, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी में गिरावट देखी गई है। इस दौरान ये घटकर पांच महीने के निचले स्तर 2.9 प्रतिशत पर आ गई। यह जानकारी हाल ही में जारी किए गए आधिकारिक आंकड़ों से मिली।

पिछले साल इसी महीने में बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत रही थी। मासिक आधार पर इन उद्योगों की वृद्धि दर जनवरी में दर्ज 5.1 प्रतिशत की वृद्धि से कम रही।

इससे पहले सितंबर में 2.4 प्रतिशत की न्यूनतम वृद्धि दर्ज की गई थी। फरवरी में कच्चा तेल तथा प्राकृतिक गैस उत्पादन की वृद्धि में गिरावट आई।

कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, इस्पात और बिजली की उत्पादन वृद्धि क्रमशः 1.7 प्रतिशत, 0.8 प्रतिशत, 5.6 प्रतिशत और 2.8 प्रतिशत रही। फरवरी 2024 में यह 11.6 प्रतिशत, 2.6 प्रतिशत, 9.4 प्रतिशत और 7.6 प्रतिशत थी। हालांकि, समीक्षाधीन महीने में उर्वरक तथा सीमेंट उत्पादन में क्रमशः 10.2 प्रतिशत और 10.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-फरवरी अवधि में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली की वृद्धि दर 4.4 प्रतिशत रही।

पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि में यह 7.8 प्रतिशत थी। आठ प्रमुख क्षेत्र औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 प्रतिशत का योगदान है। आईआईपी समग्र औद्योगिक विकास को मापता है।

न्यूज ब्रीफ

आईजीआईए से विदेश यात्रा करना अब होगा महंगा, 16 अप्रैल से इंटरनेशनल यात्रियों के लिए यूजर डेवलपमेंट फीस बढ़ेगी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआईए) से विदेश यात्रा करने वालों को अब ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे। एयरपोर्ट इकोनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी (ऐरा) ने 16 अप्रैल से इंटरनेशनल यात्रियों के लिए यूजर डेवलपमेंट फीस (यूडीएफ) बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। यह शुल्क अब यात्रियों की ट्रैवल क्लास के हिसाब से वेरिएबल यानी अलग-अलग होगा। ऐरा के मुताबिक, घरेलू यात्री आईपीआईए के कुल यात्रियों का 80 फीसदी हिस्सा हैं। ऐसे में चौथे कंट्रोल पीरियड में घरेलू यात्रियों के लिए यूडीएफ को पहले की तरह 129 रुपये पर ही बरकरार रखा गया है। अभी तक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों पर यूडीएफ एकसमान लगता था, लेकिन अब नए टैरिफ के तहत इंटरनेशनल यात्रियों को अपनी ट्रैवल क्लास के आधार पर ज्यादा शुल्क देना होगा। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से यात्रा करने वाले यात्रियों को अब नई फीस संरचना के तहत ज्यादा यूजर डेवलपमेंट फीस चुकानी होगी। इकॉनॉमी क्लास के यात्रियों से अब प्रस्थान के समय 650 रुपये और आगमन पर 275 रुपये वसूले जाएंगे। वहीं, बिजनेस क्लास में यात्रा करने वालों को प्रस्थान के समय 810 रुपये और आगमन पर 345 रुपये यूडीएफ देना होगा। इसके विपरीत घरेलू उड़ानों पर यूडीएफ की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। घरेलू यात्रियों से प्रस्थान के समय 129 रुपये और आगमन पर 56 रुपये यूडीएफ वसूला जाता रहेगा। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर विमान लैंडिंग चार्ज में बदलाव किया गया है। अब विमान के आकार के हिसाब से शुल्क तय किए जाएंगे।

एसबीआई की दो स्पेशल एफडी के लिए सिर्फ 2 दिन बाकी, दोनों स्कीम में निवेश की आखिरी तारीख 31 मार्च

नई दिल्ली। देश का प्रमुख बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) फिलहाल एसबीआई 2 ऐसी स्पेशल

एफडी स्कीम- अमृत वृष्टि और अमृत कलश ऑपरेट कर रही हैं, जिसमें जोरदार रिटर्न मिल रहा है। इन दोनों स्कीम में निवेश की आखिरी तारीख 31 मार्च है। एसबीआई की 'अमृत वृष्टि' एफडी स्कीम 16 जुलाई 2024 को शुरू की गई थी और इसमें निवेश करने की आखिरी 31 मार्च 2025 है। इस स्कीम में आप 444 दिन के लिए निवेश कर सकते हैं। आम ग्राहकों के लिए 7.25 फीसदी सालाना और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 7.75 फीसदी सालाना की ब्याज दर दी जाती है। अगर आप इस स्कीम में 2 लाख रुपये निवेश करते हैं तो 444 दिन बाद यानी मैच्योरिटी पर यह रकम बढ़कर 218532 रुपये हो जाएगी यानी आपको 18532 रुपये ब्याज के तौर पर मिलेंगे। वहीं वरिष्ठ नागरिकों को 109936 रुपये मिलेंगे। एसबीआई की 'अमृत कलश' एफडी स्कीम में 400 दिनों के लिए निवेश कर सकते हैं। यह योजना 12 अप्रैल 2023 को शुरू की गई थी और 31 मार्च 2025 तक उपलब्ध है। इसमें आम ग्राहकों के लिए 7.10 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 7.60 फीसदी ब्याज दरें दी जाती हैं। अगर आप इस स्कीम में 2 लाख रुपये निवेश करते हैं तो 400 दिन बाद यानी मैच्योरिटी पर यह रकम बढ़कर 215562 रुपये हो जाएगी यानी आपको 15562 रुपये ब्याज के मिलेंगे। वहीं वरिष्ठ नागरिकों को मैच्योरिटी पर 216658 रुपये मिलेंगे।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हो सकती है इस साल कटौती

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि अगर कच्चे तेल की कीमतें मौजूदा स्तर पर

बनी रहती हैं तो इस साल पेट्रोल और डीजल के दाम घट सकते हैं। गौरतलब है कि 14 मार्च को लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की कटौती हुई थी। उससे पहले 22 मई 2022 को केंद्र सरकार ने एक्साइज ड्यूटी घटाई थी, जिससे पेट्रोल पर 13 रुपये और डीजल पर 16 रुपये प्रति लीटर की राहत मिली थी। हरदीप पुरी ने कहा कि मैं पूरी गंभीरता से कह सकता हूं कि अगर लोग पूछते हैं कि ईंधन की कीमतें कब और कम होंगी, तो मेरा जवाब होगा कि अगर यह प्रवृत्ति जारी रहती है, तो कीमतों में कटौती की उचित संभावना है। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार ईंधन की कीमतों में कटौती की उम्मीदें सितंबर 2023 से बनी हुई हैं, जब वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतें 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई थीं। हालांकि, बीच-बीच में कीमतों में हल्की बढ़ोतरी देखी गई, लेकिन ज्यादातर समय यह 70-75 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में बनी रही। दिलचस्प बात यह है कि जहां सरकारी तेल कंपनियों ने कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का फायदा ग्राहकों तक नहीं पहुंचाया, वहीं निजी कंपनियां 3 रुपये प्रति लीटर तक की छूट देकर बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर रही हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने 22,919 करोड़ की योजना मंजूर

योजना से 59,350 करोड़ के निवेश के साथ 4.56 लाख करोड़ का उत्पादन होगा

नई दिल्ली, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट डिस्प्ले और कैमरा मॉड्यूल, नॉन-सरफेस माउंट डिवाइस, मल्टी-लेयर पीसीबी, डिजिटल ऐप्लिकेशन के लिए लीथियम-आयन सेल आदि के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 22,919 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी। उम्मीद है कि इस योजना से 59,350 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 4.56 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन होगा। सरकार इस योजना के तहत बैटरी पैक, मोबाइल फोन, लैपटॉप, टैबलेट और अन्य उपकरणों में उपयोग होने वाले आवश्यक घटकों जैसे रेसिस्टर, कैपेसिटर, इंडक्टर, ट्रांसफॉर्मर, फ्यूज, थर्मिस्टर और पोटेंशियोमीटर के देश में विनिर्माण के लिए भी प्रोत्साहन प्रदान करेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी देते हुए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस योजना से 91,600 लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे और लगभग 59,350 करोड़ रुपये का निवेश आने का अनुमान है।

वैष्णव ने कहा कि हम भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत सेमीकंडक्टर विनिर्माण को बढ़ावा दे रहे हैं और पीएलआई (उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन) योजना के जरिये तैयार उत्पादों के विनिर्माण को सहायता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ उत्पादन में वृद्धि के आधार पर कंपनियों को प्रोत्साहन देने के बजाय सरकार नई योजना के तहत प्रोत्साहन वितरित करने के लिए त्रिआयामी नजरिया अपनाएगी। वैष्णव ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स पहले से ही भारत से निर्यात की जाने वाली शीर्ष तीन वस्तुओं में है। इस कार्यक्रम के साथ निर्यात 2.5 लाख करोड़ रुपये और बढ़ेगा तथा आने वाले वर्षों में इसके दोगुना होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष रोजगार की संख्या पर प्रोत्साहन के असर का का पता लगाने के लिए सरकार आवेदकों से यह पूछेगी कि वे अपनी विनिर्माण इकाइयों में कितने लोगों को रोजगार देने वाले हैं तथा उस संख्या के आधार पर उनका मूल्यांकन करेगी।

गूगल पर लगाए गए जुर्माने को घटाकर किया 216 करोड़

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी कानून अपील न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने गूगल के खिलाफ जारी दबदबे के मामले में सीसीआई के फैसले को आंशिक रूप से बरकरार रखा है। गूगल पर लगाए गए जुर्माने को 216 करोड़ रुपये में कम करके एनसीएलएटी ने इसे दोबारा विचार करने के लिए तारीख तय की है। एनसीएलएटी के आदेश में गूगल को व्यावसायिक पोलीसी में सुधार करने का निर्देश दिया गया है, साथ ही ऐप डेवलपर्स को और अधिक स्वायत्तता प्रदान करने की अनुमति दी गई है। एनसीएलएटी ने कहा है कि गूगल को अपने प्लेटफॉर्म पर आए डेटा का सही उपयोग करने के लिए पारदर्शी नीतियों का अधिक विकल्प प्रदान करना चाहिए। इसके साथ ही गूगल को ऐप डेवलपर्स को अधिक स्वायत्तता देने के लिए प्रेरित करने के लिए कई सुविधाएं प्रदान करने के निर्देश भी दिए गए हैं।गूगल को व्यावसायिक पोलीसी में सुधार करने का निर्देश भी दिया गया यह फैसला भारत में व्यावसायिक पोलीसी स्वायत्तता का महत्व दर्शाता है और अधिक स्पष्टता और स्वतंत्रता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गूगल ने एनसीएलएटी से संपर्क कर सीसीआई के 25 अक्टूबर, 2022 के आदेश पर रोक लगाने की मांग की थी, जिसमें उस पर 936.44 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया था और गूगल को प्लेस्टोर में आपत्तिजनक गतिविधियों को रोकने और उनसे दूर रहने को कहा गया था। यह मामला गूगल प्लेस्टोर की नीति से जुड़ा है, जिसके तहत सभी ऐप डेवलपर्स को ग्राहकों से शुल्क लेने के लिए केवल गूगल प्ले के बिलिंग सिस्टम (जीपीबीएस) का उपयोग करना होता है।

1 अप्रैल से बुखार और एलर्जी जैसी कई बीमारियों की दवाएं होंगी महंगी

दवाओं के दाम में 1.74 प्रतिशत तक बढ़ोतरी को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। नए वित्तीय वर्ष से मौसमी बुखार और एलर्जी जैसी कई बीमारियों की दवाओं की कीमत में बढ़ोतरी हो सकती है। हाल ही में कई आम बीमारियों में उपयोगी दवाओं की कीमत बढ़ाने को लेकर सरकार ने मंजूरी दे दी है। जिन दवाओं की कीमतें अगले महीने से बढ़ने जा रही हैं।

इनमें से कई का इस्तेमाल डायबिटीज, बुखार और एलर्जी जैसी आम बीमारियों में किया जाता है। जबकि कुछ दवाओं का इस्तेमाल पेन किलर की रूप में होता है। बताया जा रहा है कि इन दवाओं के बढ़ती कीमतों का मुख्य कारण कच्चे माल की बढ़ती लागत है। हालांकि इन दवाओं की दामों में इजाफा सीमित ही होगा।

दरअसल, सरकार ने जरूरी दवाओं की लिस्ट यानी नेशनल लिस्ट ऑफ एसेंशियल मेडिसिन में शामिल दवाओं के दाम में 1.74 प्रतिशत तक बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। इनमें पेरासिटामोल, एज़िथ्रोमाइसिन, एंटी-एलर्जी, एंटी-एनीमिया, और विटामिन और मिनरल्स की दवाएं शामिल हैं। केंद्र सरकार ने जिन दवाओं की कीमतें बढ़ाने की मंजूरी दी है।

उनकी कीमत में बढ़ोतरी होलसेल प्राइस इंडेक्स के आधार पर तय की गई है। इस बार होलसेल प्राइस इंडेक्स में 1.74 प्रतिशत की बढ़त आई है। दवाओं के भाव अब इसी हिसाब से दाम बढ़ाए जा रहे हैं।

फार्मा कंपनियों का कहना है कि हम लंबे वक्त से कीमतें बढ़ाने की मांग कर रही थे। कच्चे माल की कीमत, यानी दवा बनाने वाले कंपोनेंट्स के दाम पिछले कुछ समय से बढ़ रहे थे, जिसकी वजह से लागत भी बढ़ गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जज-जज...

जबकि याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि जांच करना कोर्ट का काम नहीं है। इसे पुलिस पर छोड़ देना चाहिए। इन-हाउस कमिटी वैधानिक प्राधिकरण नहीं है। यह विशेष एजेंसियों द्वारा की जाने वाली जांच का विकल्प नहीं हो सकती है।उल्लेखनीय है कि होली के दिन 14 मार्च 2025 की रात करीब 11.30 बजे जज वर्मा के घर में आग लगी। आग की सूचना घर वालों ने जज वर्मा को दी, जो उस समय दिल्ली के बाहर थे। इसके बाद जज वर्मा के निजी सचिव ने दिल्ली फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी। दमकल की दो गाड़ियों ने 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया। उस दौरान स्टोर रूम में बोरों में भरकर रखे भारी मात्रा में नोट जल चुके थे। नोटों के बारे में दमकल कर्मियों ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को बताया। आग बुझने के बाद जज वर्मा के निजी सचिव ने मौके पर पहुंचे पांच पुलिसकर्मियों को वहां से चले जाने को कहा। जब इस मामले के जांच अधिकारी अगली सुबह जज वर्मा के आवास पर आए तो उन्हें वापस भेज दिया गया। दिल्ली पुलिस ने घटना की रात को पंचनामा नहीं बनाया। तुगलक रोड थाने में एक दैनिक डायरी दर्ज की गई, लेकिन उसमें वित्तीय बरामदगी का जिक्र भी नहीं किया गया। घटना के 8 घंटे बाद इसकी जानकारी दिल्ली के पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा को मिली। नई दिल्ली जिला के एडिशनल डीसीपी ने 15 मार्च को अपने वरिष्ठ अधिकारियों को वह डायरी सौंपी। इसके बाद दिल्ली के पुलिस कमिश्नर को घटना की जानकारी दी गई और नोटों में लगी आग का वीडियो भी दिखाया गया। इसके बाद पुलिस कमिश्नर ने इसकी जानकारी गृह मंत्रालय को दी। घटना की जानकारी मिलते ही दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र उपाध्याय फौरन सक्रिय हो गए और फिर सुप्रीम कोर्ट भी सक्रिय हो गया। यह सक्रियता कानूनी कार्रवाई के लिए थी या कानून को ताक पर रखने के लिए थी, यह जगजाहिर हो चुका है...

म्यांमार की...

धरती में बहुत गहराई में नहीं था। आम तौर पर भूकंप के केंद्र जमीन में 25 किमी तक नीचे होते हैं, लेकिन इस भूकंप का केंद्र महज 10 किमी ही नीचे था।

इस विनाशकारी भूकंप से थाईलैंड के बैंकॉक में 30 मंजिला इमारत ढह गई। वहां 2,000 से ज्यादा इमारतों को नुकसान हुआ। थाईलैंड में एक मस्जिद गिरने से 20 लोगों की भी मौत की खबर आई है। वहीं, कई बौद्ध पगोडा भी तबाह हो चुके हैं। भवनों के धराशाई होने से सैकड़ों लोगों की मौत हुई। जियोलॉजिस्ट जेस फीनिक्स ने कहा है कि म्यांमार से थाईलैंड तक आए इस भूकंप ने 334 परमाणु विस्फोट जितनी ऊर्जा पैदा की, ऐसे झटके महीनों तक आ सकते हैं। इस भूकंप की वजह से पैदा हुई ऊर्जा ने सबकुछ तबाह कर दिया है और पलक झपकते ही बड़ी से बड़ी इमारतें जमींदोज हो गई।

थाईलैंड के जियोलॉजिस्ट्स के मुताबिक यह देश में 200 साल में आया सबसे बड़ा भूकंप है। भूकंप के झटके इतने शक्तिशाली थे कि केंद्र से सैकड़ों किमी दूर बैंकॉक के कई इमारतें नष्ट हो गईं। 1930 से 1956 तक 6 बड़े भूकंप आए थे। इस बार भी मांडले में इरावदी नदी का पुराना अवा ब्रिज ढह गया। लोग डरे हुए हैं, घरों में जाने की हिम्मत नहीं। म्यांमार की खराब मेडिकल सुविधाएं मुसीबत बढ़ा रही हैं। हर तरफ अफरा-तफरी है, लोग अपनों को ढूंढ रहे हैं।

नेपाल के...

पूर्व नरेश की हैसियत से ज्ञानेंद्र वीर विक्रम शाह को अभी भी नेपाली सेना की वीवीआईपी सुरक्षा मिली हुई है। नेपाल सरकार राजशाही के पक्ष में हो रहे प्रदर्शनों और शुक्रवार को हुई हिंसा के लिए ज्ञानेंद्र शाह को मुख्य जिम्मेदार बनाने का कुचक्र रच रही है। सरकार पूर्व नरेश के खिलाफ मुकदमा चलाने और जेल में ठूंसने की तैयारी में है।उल्लेखनीय है कि साल 2008 में नेपाल के सियासी दलों ने संसद की घोषणा के जरिए 240 साल पुरानी राजशाही को खत्म किया और हिंदू राष्ट्र को एक धर्मनिरपेक्ष, संघीय, लोकतांत्रिक गणराज्य में बदला। 17 साल बाद अब काठमांडू की सड़कों पर राजशाही की बहाली और हिंदू राष्ट्र की मांग उबाल मार रही है। काठमांडू के कुछ हिस्सों में यह आंदोलन इतना हिंसक हुआ कि 53 पुलिसकर्मी, सशस्त्र पुलिस बल के 22 जवान और 35 प्रदर्शनकारी घायल हो गए। 14 इमारतों में आग लगा दी गई।

नौ इमारतों में तोड़फोड़ हुई। दर्जनों निजी और सरकारी वाहनों में आगजनी और तोड़फोड़ की गई। कई इलाकों में कर्फ्यू लगाना पड़ा।

काठमांडू में राजतंत्र समर्थक आंदोलनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक टकराव ने राजा और राजतंत्र को नेपाल की राजनीति के केंद्र में ला दिया है। यह आंदोलन पुराने राजतंत्र को बहाल करने का प्रयास मात्र है। माओवादियों के 10 साल के जनयुद्ध और मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियों के जन आंदोलन के बाद बनी पहली संविधान सभा ने 2008 में नेपाल के 238 साल पुराने राजतंत्र को खत्म कर देश को गणतांत्रिक व्यवस्था में परिवर्तित कर दिया था। लेकिन इस सियासी बदलाव के बावजूद नेपाली समाज में राजा के प्रति आकर्षण कम नहीं हुआ था। 2008 में सभी राजनीतिक दल माओवादियों के जनयुद्ध से परेशान थे और एक नई संवैधानिक व्यवस्था की ओर बढ़ना चाहते थे। इसलिए संघात्मक शासन, गणतंत्र और धर्मनिरपेक्ष नेपाल की कल्पना का कोई विशेष विरोध नहीं हुआ। लेकिन राजा समर्थक ताकतें वहां मौजूद थीं।जब पहली संविधान सभा नेपाल का संविधान बनाने में असफल रही और 2013 में दूसरी संविधान सभा का गठन हुआ, तो नेपाली कांग्रेस, एमाले और माओवादी जैसे सभी राजनीतिक दल लगभग एक समान एजेंडे को लेकर चल रहे थे। लेकिन राजा समर्थक राष्ट्रीय प्रजातांत्रिक पार्टी का चुनावी एजेंडा अलग था। वह हिंदू राष्ट्र, संवैधानिक राजतंत्र और एकात्मक शासन का झंडा उठाए चल रही थी। इस चुनाव में उसे प्रत्यक्ष निर्वाचन में कोई सफलता नहीं मिली, लेकिन समानुपातिक प्रणाली में उसके 25 प्रत्याशी संविधान सभा में जगह पा गए। लेकिन 2017 में संविधान लागू होने के बाद उसकी स्थिति खराब हो गई और उसे केवल 2 प्रतिशत मत मिले। यह मत प्रतिशत 2022 में बढ़कर 6 प्रतिशत हो गया। इसके बाद राष्ट्रीय प्रजातांत्रिक पार्टी में विभाजन भी हो गया। इसके बाद भी यह पार्टी काफी प्रभावशाली है। मुख्य राजनीतिक दलों से मोहभंग की हालत यह है कि राजा समर्थक आंदोलन का चेहरा बने दुर्गा परसाई एक पुराने माओवादी हैं।राजा के प्रति सहानुभूति उभरने के दो प्रमुख कारण हैं। पहला नेपाल के राजनीतिक दलों के बीच सिद्धांत की प्रतिस्पर्धा और सत्ता के प्रति अतिरिक्त अनुराग। 2008 से 2025 के 17 सालों में यहां 11 सरकारें बन चुकी हैं। इसका सीधा अर्थ है कि कोई भी सरकार डेढ़ साल के औसत कार्यकाल की रहीं। तीन प्रमुख राजनीतिक दल कांग्रेस, माओवादी और एमाले आपस में कुर्सी दौड़ में इतना अधिक व्यस्त रहे कि जनता के प्रति इनका कोई ध्यान नहीं रहा। केंद्र की अस्थिरता का प्रभाव राज्यों पर भी पड़ा और वहां भी सरकारें केंद्र के साथ ही बनती बिगड़ती रहीं। इतनी अधिक राजनीतिक अस्थिरता के कारण जनता का विशेष तौर पर मध्यम वर्ग का इन राजनीतिक दलों से मोहभंग होना शुरू हो गया।

पिछले चुनाव में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के तौर पर एक राजनीतिक दल का उदय हो गया। अपने जन्म के छह माह में ही इसने चुनाव में अपनी असरदार मौजूदगी दर्ज करा दी। इस पार्टी के नेता को उप-प्रधानमंत्री पद पर पहुंचा दिया। इस पार्टी को मध्यम वर्ग के अलावा विदेशों में रहने वाले नेपालियों का समर्थन भी हासिल था।राजतंत्र के समर्थन में इस आंदोलन का दूसरा कारण भारत में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में उभरता दक्षिणपंथ और राष्ट्रवाद है। नेपाल में यह राजा समर्थक नेताओं को प्रभावित करता है। फिर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वर्तमान में गोरखपुर स्थित गोरक्षपीठ के महंत हैं और गोरक्ष पीठ का नेपाल की जनता में काफी प्रभाव है और राजा भी उनको अपने गुरु के रूप में मान्यता देते हैं। इधर नेपाल के अंदर राजा के समर्थन और विरोध में दलों और संगठनों के बीच गोलबंदी होने लगी है। राजा समर्थक दल नवीन समझदारी नाम से एकत्रित होने लगे हैं, तो विरोधी समाजवादी फ्रंट के तहत एकजुट हो रहे हैं। एमाले और माओवादी, दोनों दल राजा को चुनौती दे रहे हैं कि अगर लोकप्रिय हो तो चुनाव में आकर दिखाओ। प्रचंड इसके लिए वर्तमान प्रधानमंत्री केपी ओली को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं कि उनके कमजोर नेतृत्व के कारण राजा को सहानुभूति मिली है। यह मामला अभी शांत होने वाला नहीं है और भविष्य में यही नेपाल की राजनीति के केंद्र में रहेगा।

2014 के बाद...

उनमें से आठ को मृत्युदंड दिया गया था और भारत के कूटनीतिक हस्तक्षेप के कारण उनकी सजा कम कर दी गई और फिर उनमें से अधिकांश को रिहा कर दिया गया। एक अन्य इस्लामिक देश ईरान ने 2024 में 77 भारतीय नागरिकों को और 2023 में 12 मछुआरों सहित 43 को रिहा किया है, जबकि बहरीन सरकार ने 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के दौरान 250 भारतीय कैदियों को माफ किया था।

कुवैत के अमीर ने 2017 में कूटनीतिक वार्ता के बाद 22 भारतीयों को रिहा किया और 97 अन्य की सजा कम की। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि भारत के नियमित हस्तक्षेप के कारण श्रीलंका द्वारा भारतीय मछुआरों को नियमित रूप से रिहा किया गया है और 2014 से 3,697 को रिहा किया गया है। उन्होंने कहा कि 2014 से, अथक कूटनीतिक प्रयासों से पाकिस्तान से 2,639 मछुआरों और 71 नागरिक कैदियों की रिहाई सुनिश्चित हुई है।

रूस की सेना में...

सरकार ने संसद को बताया कि रूसी अधिकारियों से सेना में फंसे नागरिकों की सुरक्षा और उनकी जल्द रिहाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है। साथ ही लापता व्यक्तियों के बारे में भी जानकारी देने की अपील की गई है। रूसी पक्ष ने अगस्त 2024 में घोषणा की थी कि रक्षा मंत्रालय ने अप्रैल 2024 से अपने सशस्त्र बलों में भारतीय नागरिकों की भर्ती बंद कर दी है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अमावस्या पर गौसेवा के साथ-साथ भजन कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गोशाला में अमावस्या पर गौसेवा के साथ-साथ भजन कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

भजन गायक अचलाराम हाम्बड़, मोहनलाल भायल, गिरधारीलाल प्रजापत पिटुभाई, चेतन नाथ ने भक्ति गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, उपाध्यक्ष कालुराम काग, सह सचिव ढगलाराम सेपटा, कोषाध्यक्ष नारायणलाल परिहार, भंगाराम मुलेवा, पवन हाम्बड़, भंवरलाल बर्फा, डायाराम लचेटा, अर्जुनलाल बर्फा, भंवरलाल मुलैवा, मोहनलाल हाम्बड़,गोपाराम मुलैवा, हीरालाल चोयल, ओंकारलाल हाम्बड़, पारसमल शर्मा, चेनाराम परिहार, बाबूलाल मुलेवा, ओमप्रकाश पंवार, बाबूलाल लचेटा, जगदीश मालवीया, राकेश मालवीया, विकास शर्मा, आनंद शर्मा,जगदीश सीरवी, नेमाराम हांम्बड़, ओमप्रकाश परिहार ,चन्द्र प्रकाश गेहलोत, कानाराम, ओमप्रकाश काग, कैलाश सानपुरा, महिला मंडल मैना सीरवी,सुगणा हाम्बड़ ,पुजा हाम्बड़, सरीया बाई शर्मा,गेरी देवी, प्रेमा, मांगी देवा, अनिता हाम्बड़, मैना देवी हाम्बड़, कुसुम हाम्बड़,आदि ने भाग लिया। स्व विनोद हाम्बड़ की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में हरा घास खिलाते हुए। मांडी बाई बर्फा, हरजीराम, मोहनलाल बर्फा , हरा घास की व्यवस्था की ।तुलसी बाई,मुलाराम पुत्र उमाराम पंवार द्वारा महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

अमावस्या के पावन अवसर पर बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव द्वारा कोटी स्थित रानी पार्क के पास स्थित पूज्य श्री नल्ला पोचम्मा मंदिर में अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का समापन सभी के लिए शांति, समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना के साथ हुआ। श्रीकांत, रवि, शेखर, प्रभु व अन्य उपस्थित थे।

एस.डी.सिग्नोडीया कॉलेज के एम.बी.ए. विभाग में सम्मान समारोह आयोजित

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित सिग्नोडीया कॉलेज के एम.बी.ए. विभाग में प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों का सम्मान किया गया । एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा विभाग के करेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग की प्रथम वर्ष की छात्र करिश्मा ठाकुर ने प्रथम सेमेस्टर में सभी विषय में दस में से दस अंक प्राप्त कर ओ ग्रेड प्राप्त किया उसी प्रकार द्वितीय वर्ष के छात्र मुजाहिद ने भी तृतीय सेमेस्टर में सभी विषय में दस में से दस अंक प्राप्त किया । प्रथम सेमेस्टर में 93%, तृतीय सेमेस्टर में 90% परिणाम आया । अन्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु यह सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया । अपने संबोधन में विभाग की निदेशिका डॉ. पल्लवी रंगनाथ तथा कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. सी.एच. दल पड़ाल ने दोनों विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभ कामनाएँ प्रदान की । उन्होंने अग्रवाल शिक्षा समिति के प्रबन्धन एवं विशेषकर एम.बी.ए. विभाग के कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल

अग्रवाल का आभार जताया जिनके प्रयास से इस वर्ष शुद्ध जल की मशीन, सभी कक्षाओं में पंखे, विद्यार्थियों के लिए कुर्सी, कंप्यूटर लैब में 15 नए कंप्यूटर, पुराने 6 कंप्यूटर को अपडेट, प्रिंटर, सभागृह का नवीनीकरण, पूरी इमारत को पेंटिंग, स्टाफ रूम में कुलर उपलब्ध करवाया । कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल ने सभी विद्यार्थियों को उज्वल भविष्य हेतु शुभ कामनाएँ प्रदान डरते हुए दोनों विद्यार्थियों द्वारा ओ ग्रेड तथा अन्य सभी विद्यार्थियों को बधाई दी जिन्होंने ए ग्रेड प्राप्त किया तथा परीक्षाओं में उत्तीर्ण हुए । अपने संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों के अभिभावकों, विभाग की निदेशिका, प्रोफेसर, कॉलेज के प्रधानाचार्य, विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उज्वल भविष्य हेतु शुभ कामनाएँ प्रदान की । इस वर्ष शत प्रतिशत एडमिशन हेतु संयोजक प्रोफेसर रश्मिता, भवन रख रखाओ हेतु संयोजक प्रोफेसर वेंकटेश, समान खरीदी के संयोजक प्रोफेसर सत्यजीत को उनके प्रयास हेतु बधाई दी । पढ़ाई के साथ साथ खेल कूद हेतु सत्यजीत तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु रश्मिता को संयोजक बनाया गया । कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थि गण उपस्थित थे । डॉ. पल्लवी रंगनाथ के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ ।

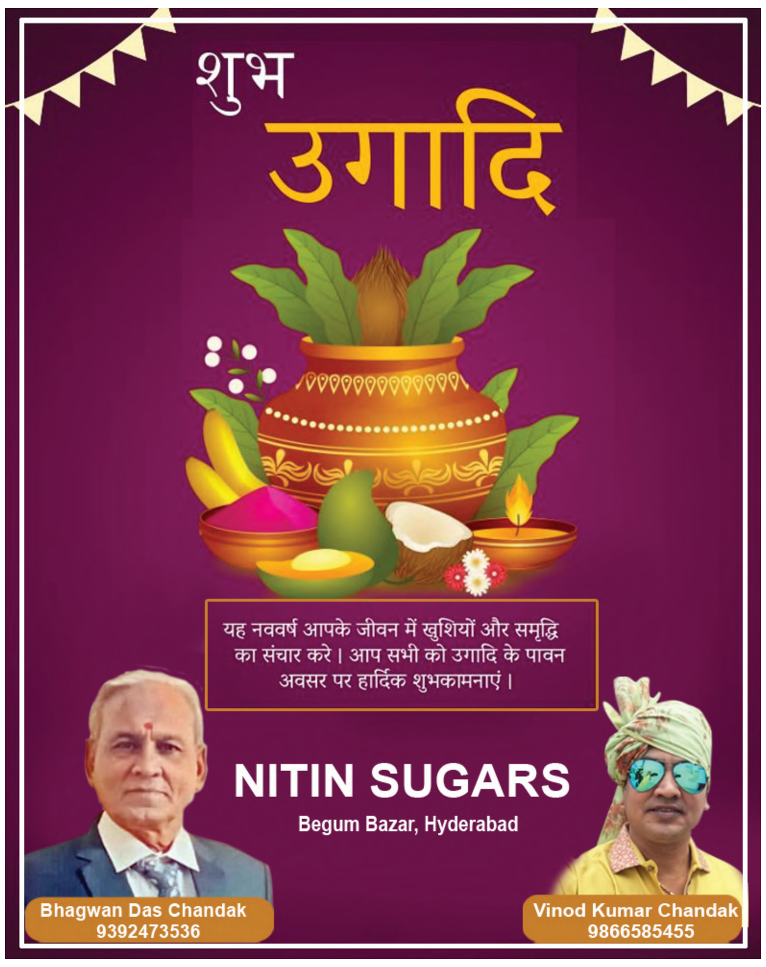

शनि अमावस्या के अवसर पर झूला स्थित श्री रानी सती दादी मंदिर में श्री रानी सती मंगल पाठ का आयोजन किया गया। अवसर पर महेश अग्रवाल, चिल्केश महाराज एवं अन्य उपस्थित थे।

जामबाग पार्षद राकेश जैसवाल पार्षद ने शनिवार को अपने मंडल से संबंधित 100 से अधिक आवेदकों को जल्द से जल्द राशन कार्ड जारी करने के लिए सर्कल 4 की सहायक नागरिक आपूर्ति अधिकारी श्रीमती पुष्पा लता को सौंपे।

अरुण कुमार जैन ने मलकाजगिरी रेलवे स्टेशन उन्नयन कार्यों का निरीक्षण किया

हैदाबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने आज यानी 29 फरवरी, 2025 को मलकाजगिरी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया, ताकि चल रहे उन्नयन कार्यों की स्थिति की समीक्षा की जा सके। निरीक्षण के दौरान उनके साथ हैदराबाद डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर श्री लोकेश विश्नोई और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी मौजूद थे।अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत, मलकाजगिरी रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास लगभग 27.61 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है, ताकि आधुनिक यात्री सुविधाएं प्रदान की जा सकें और उन्हें विकास केंद्रों में परिवर्तित किया जा सके। कुल मिलाकर, प्रस्तावित कार्यों में से 70% अब तक पूरे हो चुके हैं। साथ ही, सभी कार्य तेजी से प्रगति पर हैं और इस वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।महाप्रबंधक ने विभिन्न उन्नयन कार्यों और स्टेशन के अग्रभाग, 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) के निर्माण के साथ-साथ लिफ्टों और एस्केलेटरों आदि के प्रावधान जैसे सुधारों की समीक्षा की। उन्होंने वन स्टेशन वन प्रोडक्ट स्टॉल का भी दौरा किया और बेचे जा रहे विभिन्न उत्पादों के बारे में विक्रेता से बातचीत की। उन्होंने यात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए हैदराबाद डिवीजन के अधिकारियों द्वारा किए गए व्यापक उपायों की भी समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुनर्विकास कार्यों के मद्देनजर पर्याप्त सुरक्षा संवर्द्धन और यात्री सहायता पहल प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण ढांचागत संशोधन शामिल हैं।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत शनिवार को श्रीमती मधु अग्रवाल, श्रीमती तृप्ति अग्रवाल, श्रीमती रुचि अग्रवाल, सुचि गुप्ता और परिवार तथा श्रीमती अनिता नैथानी, राजेश नैथानी और श्रीमती शिल्पा धानुका परिवार और ग्यारसीलाल महेशकुमार अग्रवाल दिल्लीवाला परिवार (श्री पद्मावती ज्वेल्स) की ओर से नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

नरसिंग दास आत्माराम, बड़ागाँव वाले परिवार द्वारा प्रत्येक अमावस की भाँति शनि अमावस के दिन गोल्डन टेंपल, बंजारा हिल्स में करीब 400 स्थानीय निवासियों में अन्न प्रसाद वितरित किया गया । अवसर पर परिवार के सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, ईश्वर लाल अग्रवाल, मधु अग्रवाल, नयन अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल, ललिता अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

गंगोत्री धाम, उत्तराखण्ड के प्रमुख रावल शिवप्रकाशजी महाराज के नगरागमन पर श्री श्याम मंदिर, काचीगुडा में स्वागत करते हुए श्याम मन्दिर सेवा समिति के सहमंत्री रामदेव अग्रवाल, पुरुषोत्तमदास गोयल, महेश बैंक के चेयरमैन रमेशकुमार बंग, महेश कुमार अग्रवाल, गोविन्द अग्रवाल, निखिल गोयल, श्याम डालिया एवं राज बंग ।

स्व. बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती की जयंती पर वृत्त चित्र का किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट द्वारा स्व. बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती के 97 वी जयंती पर बंजारा हिल्स स्थित ताज डेक्कन में बदरी विशाल पित्ती-कला, करुणा और कर्मयोग पर वृत्त चित्र का प्रदर्शन किया गया जिसको भारी संख्या में लोगों ने देखा।

ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल के संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन के पश्चात स्व.बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती के चित्र पर माल्यार्पण ट्रस्ट के लक्ष्मीनिवास शर्मा, जी.विजय कुमार, अक्षय पित्ती ने किया। अवसर पर ट्रस्टी अक्षय पित्ती ने सभी का स्वागत किया। अवसर पर बदरी विशाल पित्ती-कला, करुणा और कर्मयोग पर वृत्त चित्र का प्रदर्शन किया गया जिसमें प्रमुख रूप से ट्रस्ट के सीएमडी शरद बी.पित्ती, गोपेश्वर सिंह, अरुण गारोडिया, प्रयाग शुक्ल, उषा गारोडिया, स्वप्न सुन्दरी, गोपाल सिंह द्वारा वृत्त चित्र के माध्यम से बदरी विशाल पित्ती के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके राजनीतिक, कला, सांस्कृतिक, हिन्दी की प्रसिद्ध पत्रिका कल्पना, समाज सेवा , हिन्दी के प्रति सेवा का विशेष तौर पर उल्लेख किया गया। अवसर पर पित्ती परिवार उस समय के सुसम्पन्न परिवार द्वारा निज़ाम के समय में आर्थिक व वित्त के कार्यों में प्रमुखता, शरद पित्ती के प्रपितामह सेठ मोतीलाल को उनके सामाजिक योगदान के कारण राजा बहादुर की उपाधि से अलंकृत किया जाना, पितामह सेठ बंसीलाल को भी रायबहादुर की उपाधि प्रदत्त करना। इसके अतिरिक्त सेठ बंसीलाल को अपनी उदारता व परोपकारी प्रवृत्ति के कारण सर (नाइटहुड) की उपाधि से ब्रिटिश सरकार द्वारा अलंकृत किया जाना। राजा पन्नालाल पित्ती निज़ाम सरकार के मानद (ऑनररी) वित्त परामर्शदाता और हैदराबाद के भारत में विलय से पूर्व गठित अंतरिम सरकार के 6 मंत्रियों में से एक होना। भारतीय सेना के समक्ष निजाम के आत्मसमर्पण में प्रमुख भूमिका का निर्वाह करना। कई धर्मशालाओं, अस्पतालों, और शिक्षण संस्थानों की स्थापना करना। बदरी विशाल पित्ती का सम्पूर्ण जीवन जरूरतमंदों, निर्धनों व गरीबों के उत्थान के लिए समर्पित करने व साहित्य, कला, संगीत, सांस्कृतिक, राजनीतिक व सामाजिक कार्यों में गहरी रुचि पर सभी ने अपने विचार रखे। साथ ही हिन्दी साहित्य की सेवा में साहित्यिक पत्रिका कल्पना प्रारम्भ करना। विश्वविख्यात चित्रकार एम.एफ. हुसैन में छिपी प्रतिभा की पहचान कर प्रोत्साहित करना। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती के राजनीतिक जीवन समाजवादी नेता, डॉ. राममनोहर लोहिया से सम्पर्क कर आजीवन समाजवादी आंदोलन के प्रमुख स्तम्भ बने रहना।सन् 1967 में संयुक्त समाजवादी पार्टी के टिकट पर आंध्र प्रदेश विधान सभा के सदस्य के रूप में निर्वाचित होना।बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती के सामाजिक कार्यों, शैक्षणिक संस्थानों व मन्दिरों को संचालित करना, साहित्य का प्रसार करना और गरीब व जरूरतमंद लोगों को सहयोग करना आदि का उल्लेख किया गया। इसके अतिरिक्त पित्ती परिवार द्वारा वंशानुगत सेवा कार्य के लिए बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट की स्थापना कर चिकित्सा शिविर, छात्रवृत्ति व अन्य वृद्धाश्रम, अनाथालय में जरूरत की वस्तुएं उपलब्ध करवाने का कार्य का उल्लेख किया गया। अवसर पर काफी संख्या में लोगों ने वृत्त चित्र में बदरीविशाल पित्ती द्वारा की गई सेवा को जाना। तत्पश्चात सहभोज का कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम का संचालन कवि अजित गुप्ता ने किया।

अवसर पर लक्ष्मीनिवास शर्मा, ट्रस्टी विजय कुमार, अजीत गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र केडिया, कैलाश केडिया, विनय सी. अग्रवाल, उर्मिला अग्रवाल, गोपाल सिंह, शंकर यादव, घनश्याम भाटी, निखिल राणासरिया, कवि वेणुगोपाल भट्टड़, नंदगोपाल भट्टड, ज्योतिनारायण, अनुराधा रेड्डी, इन्द्रचंद जैन सहित साहित्य, कला, समाज सेवा से जुडे गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ईसीआईएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठक आयोजित

ईसीआईएल राजभाषा के तकनीकी क्षेत्र में उद्यमी संस्थान के रूप में अग्रसर : अनुराग कुमार

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारत सरकार (परमाणु ऊर्जा विभाग) का उद्यम, हैदराबाद में अनुराग कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 170वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राजभाषा हिन्दी के प्रभावी कार्यान्वयन और उसकी प्रगति पर गहन चर्चा की गई। अध्यक्ष महोदय ने कहा कि ईसीआईएल नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति का समन्वय कार्यालय है। ईसीआईएल को सभी सम्मानित सदस्य कार्यालयों के समक्ष सदैव अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करना है। बैठक में ईसीआईएल के सभी आंचलिक, शाखा एवं यूनिट कार्यालयों के प्रभारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस अवसर पर ईसीआईएल के प्रबंधक एवं प्रभारी राजभाषा अनुभाग डॉ. राजनारायण अवस्थी कॉरपोरेशन में राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन की स्थिति, संसदीय राजभाषा समिति के सुझावों और उनके अनुपालन की प्रगति पर विस्तृत समीक्षा की गई। राजभाषा के उपयोग को बढ़ाने और इसे कार्यालयीन कार्यों में सहज रूप से लागू करने के लिए अनेक सुझाव भी प्राप्त हुए।

बैठक के दौरान, ईसीआईएल के विभिन्न कार्यालयों में हिन्दी के प्रचार-प्रसार और उसके प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों पर चर्चा की गई। हिन्दी में आधिकारिक कामकाज की गुणवत्ता और मात्रा में सुधार हेतु नए लक्ष्य निर्धारित किए गए। साथ ही, राजभाषा नीति के अनुपालन में सर्वोत्तम प्रयासों को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गतन विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र के साथ सम्मानित किया गया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने इस अवसर पर कहा कि ईसीआईएल में राजभाषा हिन्दी के प्रभावी कार्यान्वयन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अटल है। हमें हिन्दी के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक और व्यावसायिक पहचान को और सशक्त बनाना है। उन्होंने सभी विभागों और कार्यालयों से हिन्दी के उपयोग को बढ़ाने के लिए और अधिक प्रयास करने का आह्वान किया। ईसीआईएल का यह प्रयास हिन्दी को प्रोत्साहित करने और राष्ट्रीय राजभाषा नीति के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ईसीआईएल परिवार के सभी सदस्यों को इस दिशा में उनके योगदान के लिए सराहा गया और आगे भी इसे मजबूती से जारी रखने के लिए प्रेरित किया गया। अध्यक्ष महोदय के निदेशानुसार राजभाषा चेतना मास के अंतर्गत ईसीआईएल में एक भव्य राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। बैठक की समापन टिप्पणी में अध्यक्ष महोदय ने कहा कि किसी भी संकल्प में समय प्रबंधन, योजना तथा निरंतर समीक्षा का समन्वय होगा तो सफलता अवश्य प्राप्त होगी। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. सीएच. अंबेडकर, वी.कनका श्री महालक्ष्मी, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक; अजहर सुल्तान, अनुभाग सहायक तथा मो. विनिला, प्रशिक्षु एवं सीएलडीसी के प्रशिक्षुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

समृद्ध भारत की बुलंद तस्वीर: नया पांबन ब्रिज

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। 'राष्ट्र सेवा' को मंत्र मानकर माननीय प्रधानमंत्री जी ने अपनी अद्वितीय नेतृत्व क्षमता, अटूट संकल्प और दूरदर्शी सोच द्वारा भारत की आधारभूत संरचना को नए शिखर पर पहुंचा दिया है। प्रधानमंत्री जी की कर्मठता, अदम्य इच्छाशक्ति और राष्ट्र निर्माण की भावना ने हर ऐतिहासिक सपने को साकार किया है। उनके नेतृत्व में, भारतीय रेल भी विकास के आसमान में ऊंची उड़ान भर रही है। आए दिन नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रेलवे समृद्ध भारत के सफर में अपनी समुचित भागीदारी सुनिश्चित कर रही है।

तमिलनाडु के विशाल नीले समंदर पर निर्मित नया पांबन ब्रिज भी रेलवे विस्तार और इंजीनियरिंग कौशल की वो तस्वीर है जिसे देखकर हर भारतवासी को गर्व की अनुभूती होगी। यह भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेलवे सी ब्रिज है, जो समुद्र के ऊपर से गुजरते हुए रामेश्वरम द्वीप को तमिलनाडु के मंडपम से जोड़ता है। यह पुल केवल दो स्थानों को जोड़ने का माध्यम ही नहीं, बल्कि नई तकनीक, आत्मनिर्भर भारत और तेज गति परिवहन का प्रतीक है।नए पांबन ब्रिज की अनूठी लिफ्ट प्रणाली बड़े जहाजों को भी आसानी से गुजरने की अनुमति देती है। मन्नार की खाड़ी पर स्थित यह पुल यातायात को सुगम बनाने के साथ अपने आप में एक ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व भी रखता है। आधुनिक तकनीक से निर्मित यह पुल भारतीय रेलवे के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है जिससे आने वाले समय में समुद्री मार्गों पर निर्भर पर्यटन और व्यापार को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा।

भारत का पहला समुद्री पुल पांबन ब्रिज का निर्माण 1911 में शुरू और 1914 में इसे यातायात के लिए खोल दिया गया था। तब यह भारत का एकमात्र समुद्री पुल था जो सन् 2010 में बान्द्रा-वर्ली समुद्रसेतु के खुलने तक भारत का सबसे लम्बा समुद्री सेतु रहा।अपनी सेवा समय के दौरान इस ब्रिज ने कई विकट परिस्थितियां देखी और उनका डटकर सामना किया। 1964 में आए एक चक्रवाती तूफान ने इस पुल को बहुत नुकसान पहुंचाया था बावजूद इसके ये समुद्र की लहरों के बीच अडिग खड़ा रहा और लगभग 106 साल तक देशहित में समर्पित रहा।

21वीं सदी और बदलते भारत की परिवहन आवश्यकताओं ने पुराने पांबन ब्रिज के समक्ष कई तरह की नई चुनौतियाँ रख दी थीं। जिसे देखते हुए आधुनिक ट्रेनों और बड़े समुद्री जहाजों की आवश्यकताओं के अनुरूप एक नई संरचना की जरूरत महसूस की गई। इस जरूरत को पूरा करने के लिए 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में इस नए ब्रिज के निर्माण की आधारशिला रखी गई। नवाचार का जूनून और विकास की अभूतपूर्व गति के कारण मात्र 4 साल में समुद्र पर इस अद्भुत निर्माण को पूरा कर लिया गया।2.08 किलोमीटर का ये भव्य संरचना पुराने पांबन ब्रिज से से 3 मीटर अधिक ऊँचा है, ताकि छोटे जहाज सुगमता के साथ इसके नीचे से होकर गुजर सकें। इस पूरे ब्रिज को बनाने में 18.3 मीटर के 99 स्पैन का प्रयोग किया गया है साथ ही ब्रिज के मध्य में 72.5 मीटर का एक वर्टिकल लिफ्ट स्पैन है, जिसे जरूरत पड़ने पर बड़े जहाजों के लिए 17 मीटर तक ऊपर उठाया जा सकता है।इस ब्रिज में 333 पाइल्स और 101 पाइल कैप्स का इस्तेमाल कर मजबूत आधार के साथ दोहरी रेल लाइनों के लिए डिज़ाइन किया गया है। जिसपर भारी-भरकम मालगाड़ियों के साथ वंदे भारत जैसी तेज गति से चलने वाली अत्याधुनिक सेमी हाई-स्पीड ट्रेनें भी बड़े ही आसानी से गुजर सकती है। साथ ही इसकी सतह को 58 वर्षों तक सुरक्षित रखने के लिए उत्कृष्ट सुरक्षा प्रणाली अपनाई गई है।

इस ब्रिज के निर्माण के दौरान समुद्री तूफानों, तेज़ हवाओं और ज्वार-भाटाओं जैसी परिस्थितियों का भी खास ध्यान रखा गया है। पॉलिसिलोक्सेन पेंट, स्टेनलेस स्टील और फाइबर रिइंफोर्स्ड प्लास्टिक (ऋछझ) के प्रयोग ने समुद्र के खारा पानी के बीच होते हुए भी इसे लंबे समय तक मजबूत और टिकाऊ बनाए रखेगा।

यह ब्रिज पुराने पुल की तुलना में अधिक टिकाऊ और अत्याधुनिक तकनीकों से बनाया गया है। इसका सब-स्ट्रक्चर भी तय समय सीमा से पहले ही पूरा कर लिया गया था, जो इसकी मजबूती को सुनिश्चित करता है। सटीक और अद्भुत इंजीनियरिंग के तहत इस पुल के लिए 99 स्पैन को एकल लाइन हेतु निर्मित कर उत्कृष्टता के साथ स्थापित किया गया है। इसकी निर्माण तकनीक और डिज़ाइन इसे केवल दक्षिण भारत में ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण संरचना बनाते हैं।

इस पुल का डिजाइन जहां इंटरनेशनल कंसल्टेंट टीवाईपीएसए द्वारा बनाया गया है तो वही आईआईटी चेन्नई व आईआईटी बॉम्बे द्वारा डिजाइन को सत्यापित किया गया है। उच्च ग्रेड सामग्री और स्टेनलेस स्टील के प्रयोग ने इसे एक दृढ़, सुरक्षित और कम रखरखाव वाली संरचना बना दिया है। ब्रिज के केंद्र में 72.5 मीटर का वर्टिकल लिफ्ट स्पैन है, जिसे जहाजों के आकार के हिसाब से ऊपर-नीचे किया जा सकता है।

पांबन ब्रिज का भगवान राम और भगवान शिव के साथ सीधा संबंध है। ये ब्रिज जिस द्वीप रामेश्वरम को मुख्य भूमि से जोड़ता है, उसे हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माना जाता है। यहां स्थित रामेश्वरम मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। ऐसा माना जाता है कि जब भगवान श्रीराम लंका पर चढ़ाई करने जा रहे थे, तब उन्होंने इस ज्योतिर्लिंग की स्थापना की थी और भगवान शिव की पूजा की थी।

पांबन ब्रिज से होकर गुजरने वाला मार्ग भगवान राम की लंका यात्रा का महत्वपूर्ण भाग माना जाता है, जिससे यह धार्मिक रूप से और भी विशेष हो जाता है। रामायण के अनुसार, भगवान राम और उनकी वानर सेना ने लंका जाने के लिए रामसेतु का निर्माण किया था, जो वर्तमान पांबन ब्रिज के पास स्थित है।

ऐसे में नया पांबन ब्रिज श्रद्धालुओं के लिए रामेश्वरम की यात्रा को आसान और सुरक्षित बनाएगा। यह पुल आधुनिक तकनीक से निर्मित है, जिससे श्रद्धालु बिना किसी बाधा के भगवान शिव और भगवान राम से जुड़े स्थलों के दर्शन कर सकते हैं।

नया पांबन ब्रिज भारत की नवाचार क्षमता, अद्वितीय इंजीनियरिंग कौशल और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान का एक अद्भुत प्रतीक है। साथ ही भारत की तकनीकी प्रगति, आत्मनिर्भरता और आधुनिकीकरण के प्रति प्रतिबद्धता का भी जीवंत प्रमाण है। यह ब्रिज समुद्र की लहरों के ऊपर दृढ़ संकल्प की तरह खड़ा है, जो दो स्थानों को पाटने के साथ-साथ भारत की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति और भविष्य की असीम संभावनाओं को भी दर्शाता है।6 अप्रैल 2025 को राम नवमी के अवसर पर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे राष्ट्र को समर्पित करेंगे। जिसके बाद यातायात और परिवहन को सुगम बनाते हुए यह ब्रिज पर्यटन, व्यापार और सांस्कृतिक संवाद को नया आयाम देगा, जिससे भारत की प्रगति और समृद्धि को और अधिक गति मिलेगी।

यूट्यूबर और पत्रकार शंकर पर बलात्कार का आरोप, गिरफ्तार

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलुगु समाचार चैनल न्यूज़ लाइन के लिए काम करने वाले यूट्यूबर और पत्रकार शंकर को 29 मार्च को हैदराबाद में गिरफ्तार किया गया। उन्हें एक महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर गिरफ्तार किया गया, जिसने उन पर बलात्कार का आरोप लगाया था, आरोप लगाया था कि उन्होंने उसे यह सोचकर धोखा दिया था कि वे शादी कर लेंगे।अम्बरपेट पुलिस ने उनके खिलाफ कानून की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

शंकर एक प्रभावशाली तेलुगु पत्रकार रहे हैं और उनका चैनल अक्सर सरकार और उनकी नीतियों की आलोचना करता है।

अपनी खोजी पत्रकारिता और सामाजिक मामलों के विश्लेषण के कारण उन्होंने अपने चैनल पर बड़ी संख्या में अनुयायी प्राप्त कर लिए हैं। फिर भी यह नवीनतम गिरफ्तारी उनके खिलाफ विवादों की सूची में शामिल हो गई है, क्योंकि उन्हें पहले भी अपने मुखर रुख के कारण कानूनी परेशानी और आरोपों का सामना करना पड़ा है।वरिष्ठ पत्रकार रेवती पोगदंडा को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को बदनाम करने वाला एक वीडियो पोस्ट करने के आरोप में 12 मार्च को हैदराबाद की साइबर अपराध पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

वीडियो में एक किसान कांग्रेस सरकार के हाथों पीड़ित होने की शिकायत करता हुआ दिखाई दे रहा है और सरकार ने इसे अपमानजनक बताया है। रेवती, जो वेब-आधारित समाचार चैनल पल्स न्यूज़ की प्रबंध निदेशक हैं, और उनके साथी पत्रकार थानवी यादव पर मानहानि और सामाजिक अशांति को बढ़ावा देने सहित कई आरोपों के तहत मामला दर्ज किया गया है।इन घटनाओं ने प्रेस की स्वतंत्रता और तेलंगाना तथा भारत में पत्रकारों के साथ व्यवहार के संबंध में बहस छेड़ दी है, विशेषकर उन पत्रकारों के साथ जो सरकारी प्राधिकारियों से टकराव करते हैं।

तेलंगाना फोन टैपिंग मामला: एसआईटी ने श्रवण राव को नोटिस जारी किया

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। चल रहे फोन टैपिंग मामले में एक महत्वपूर्ण मोड़ में, विशेष जांच दल (एसआईटी) ने एक प्रमुख मीडिया संगठन के प्रबंध निदेशक अरुवेल श्रवण राव को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया है।

एसआईटी ने श्रवण राव से शनिवार 28 मार्च को उनके समक्ष उपस्थित होने का अनुरोध किया है। उनके परिवार के सदस्यों को 26 मार्च को नोटिस भेजा गया, जिससे जांच की तात्कालिकता का संकेत मिलता है।

पिछले साल मार्च में अनधिकृत फोन टैपिंग के आरोपों के बाद पुंजागुट्टा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। मामले के दर्ज होने की जानकारी मिलने पर श्रवण राव लंदन भाग गया और बाद में अमेरिका चला गया।

उसकी हरकतों के मद्देनजर अधिकारियों ने उसे पकड़ने के लिए रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया। कानूनी चुनौतियों का सामना करते हुए श्रवण राव ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जिसने उसे अग्रिम जमानत दे दी और पुलिस जांच में सहयोग करने का आदेश दिया।

जैसे-जैसे दिन बीतता जा रहा है, इस बात को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है कि श्रवण राव पूछताछ के लिए एसआईटी के सम्मन का पालन करेंगे या नहीं।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने श्रवण कुमार को अंतरिम राहत प्रदान करते हुए उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका में रहते हुए जांच में भाग लेने की अनुमति दे दी है।

न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने सोमवार को यह आदेश जारी किया।श्रवण कुमार ने तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा अग्रिम जमानत देने से इंकार करने के फैसले को चुनौती देते हुए विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर की थी।

कार्यवाही के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता दामा शेषाद्रि नायडू ने याचिकाकर्ता की ओर से दलीलें पेश करते हुए न केवल प्रतिवादियों को नोटिस जारी करने का अनुरोध किया, बल्कि गिरफ्तारी से अंतरिम राहत देने का भी अनुरोध किया।

राज्य सरकार के वकील ने इस अनुरोध का विरोध करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने हस्तक्षेप करते हुए सवाल किया कि क्या राज्य श्रवण कुमार को तुरंत गिरफ्तार कर सकता है।

राज्य के वकील ने जवाब दिया कि वे ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि वह अमेरिका में छिपा हुआ है।

इसके बाद न्यायमूर्ति नागरत्ना ने सुझाव दिया कि राज्य को उसे वापस लाने के लिए आधिकारिक प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए, तथा इस बात पर बल दिया कि अंतरिम राहत देने से राज्य को लाभ होगा, क्योंकि इससे श्रवण कुमार भारत लौटने के लिए बाध्य हो जाएगा।

अदालत ने कहा कि यदि उन्होंने यह अंतरिम राहत नहीं दी तो ऐसी संभावना है कि वह कभी भारत वापस नहीं लौटेंगे।यह कहा गया कि यदि पुलिस जांच में उपस्थित होने के लिए उन्हें नोटिस जारी करती है तो उन्हें वापस आना होगा।

परिणामस्वरूप, अदालत ने उन्हें अगली सुनवाई तक अंतरिम राहत देने का निर्णय लिया, इस शर्त के साथ कि उन्हें जांच में सहयोग करना होगा।

याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को आश्वासन दिया कि श्रवण कुमार 48 घंटे के भीतर भारत लौट आएगा।

तेलंगाना ने प्रमुख जलविद्युत विस्तार के लिए हिमाचल के साथ साझेदारी की

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश की राज्य सरकारों ने राज्य को बिजली आपूर्ति के लिए दो प्रमुख जलविद्युत परियोजनाएं विकसित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।तेलंगाना राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (टीए-सजीईएनसीओ) को सौंपी गई प्रस्तावित परियोजनाएं, सेली (400 मेगावाट) और मेयार (120 मेगावाट), तेलंगाना की स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती मांग में योगदान देंगी और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त करने में मदद करेंगी।शनिवार 29 मार्च को शिमला में तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री भट्टी ने हिमाचल प्रदेश के जल विद्युत उत्पादन की प्रशंसा की तथा तेलंगाना के लोगों को सस्ती, विश्वसनीय और हरित बिजली उपलब्ध कराने का विश्वास व्यक्त किया।

भट्टी ने कहा, हिमाचल प्रदेश में बारहमासी हिमालयी नदियाँ हैं, जिनमें साल में 9-10 महीने तक जल विद्युत उत्पादन की क्षमता है, जबकि दक्षिण भारतीय नदियों पर बिजली उत्पादन की अवधि सीमित है। थर्मल पावर की तुलना में, जल विद्युत उत्पादन की परिवर्तनीय लागत बेहद कम है। इसके अलावा, थर्मल पावर उत्पादन की लागत हर साल बढ़ती है, जबकि जल विद्युत उत्पादन की लागत कम होती है।

उन्होंने कहा, तेलंगाना की स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा नीति 2025 के अनुरूप कांग्रेस सरकार तेजी से बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।इस साझेदारी से तेलंगाना की बिजली उत्पादन क्षमताओं को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, साथ ही हिमाचल प्रदेश के अपने जलविद्युत संसाधनों का इष्टतम उपयोग करने के प्रयासों को भी समर्थन मिलेगा।

गायत्री महिला मंडल का गणगौर बंदोला आयोजित

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गायत्री महिला मंडल द्वारा गणगौर बंदोला का आयोजन धूमधाम से किया गया ।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार,मंडल द्वारा गणगौर उत्सव के दौरान बग्गी में ईसर-गौर को अनिता इन्दौरिया के निवास से माहेश्वरी भवन पुराना कबुतर खाना डीजे की धुन पर नाचते गाते हुए निकला गया तत्त पश्यात विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम तंबोला,सोलहसिगार आदि सम्पन्न हुए ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मे डीसीपी साउथ जोन सेन्हा महेरा जी,एडवोकेट श्रीकिशन जी शर्मा,ईस्ट जोन अध्यक्ष पीस कमेटी तेजू कुमारी जी, बीजेपी लीडर एडवोकेट मेघरानी जी रिंकु गर्ग अग्रवाल ,समाज सेवी एवं उत्कर्ष ज्वैल्स के संस्थापक विशाल इंदौरिया एवं समाज सेवी जीत जैसवाल ने कार्यकम में हिस्सा लिया ।इस अवसर पर अनीता इंदौरिया,सोनम शर्मा,विजयलक्ष्मी शर्मा (अँबाजोगाई),पूजा जैन,सगीता जैन,विजया शर्मा,दीप्ती तिवारी,मधुलता शर्मा,सपना शर्मा,लता सिंह,कविता गोयल,नीता लोहिया,वैशाली शर्मा,भारती ओझा,सीमा सोनी,सुनीता सोनी,कंचन वर्मा,राधिका जोशी आदि उपस्थित रहे।

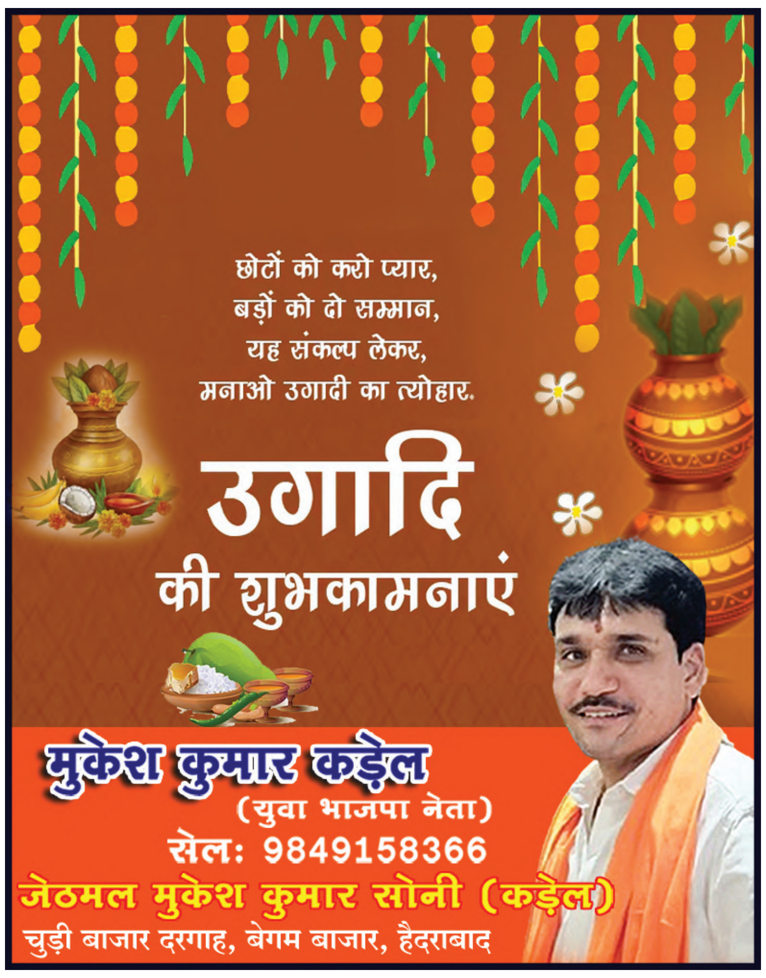

स्कूल शिक्षा विभाग ने 626 शिक्षकों का तबादला किया

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्कूल शिक्षा विभाग ने शुक्रवार को पारस्परिक तबादलों के तहत 626 शिक्षकों का तबादला कर दिया। स्कूल शिक्षा निदेशक ईवी नरसिम्हा रेड्डी ने एक आदेश जारी किया।

जीओ 317 के अनुसार, विभाग द्वारा पारस्परिक स्थानांतरण की सुविधा प्रदान की गई थी। आदेश के अनुसार, मार्च महीने में सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले सभी लोगों को शनिवार को और अन्य को 23 अप्रैल को कार्यमुक्त किया जाना है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.

राज्य सरकार से अपर्याप्त अनुदान के बाद ओयू ने 43.15 करोड़ रुपए के घाटे के साथ बजट पेश किया

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्य सरकार से अपर्याप्त अनुदान मिलने के कारण, उस्मानिया विश्वविद्यालय (ओयू) ने शनिवार को 2025-26 के लिए 43.15 करोड़ रुपये के घाटे के साथ बजट पेश किया।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस मैनेजमेंट के प्रोफेसर डी. श्रीरामुलु द्वारा प्रस्तुत विश्वविद्यालय के वार्षिक बजट में व्यय 815.69 करोड़ रुपये अनुमानित किया गया है, जबकि उपयोग के लिए उपलब्ध कुल राशि 772.54 करोड़ रुपये है।

बजट का बड़ा हिस्सा (55.65 प्रतिशत) वेतन के लिए, 38 प्रतिशत पेंशन के लिए, 5.86 प्रतिशत आकस्मिकताओं के लिए और 0.49 प्रतिशत कर्मचारियों को ऋण के लिए है।प्रो. श्रीरामुलु ने कहा, विश्वविद्यालय में उपलब्ध सभी संसाधनों को एकत्रित करने के बावजूद भी 815.69 करोड़ रुपये के कुल व्यय के मुकाबले 43.15 करोड़ रुपये की कमी है।

प्रोफेसर श्रीरामुलु ने कहा कि

वर्ष 2025-26 के लिए विश्वविद्यालय के लिए राज्य बजट में सरकार द्वारा आवंटित ब्लॉक अनुदान अपर्याप्त है, और विश्वविद्यालय सरकार से ब्लॉक अनुदान बढ़ाने का आग्रह करेगा।

अपर्याप्त वित्त पोषण से जूझने के बावजूद, विश्वविद्यालय ने बुनियादी ढांचे के विकास की योजनाएं शुरू कीं, जिनमें 25 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लॉ में कक्षा परिसर और मूट कोर्ट सुविधा का निर्माण, 10 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से पूर्व छात्रों के सहयोग से एआईएमएल का उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करना, तथा 2 करोड़ रुपये की लागत से सिविल इंजीनियरिंग विभाग में कम्प्यूटेशनल लैब का निर्माण शामिल है।39.50 करोड़ रुपये की लागत से 300 क्षमता वाले छात्रावास (लड़कों) का निर्माण पूरा करना, नए प्रशासनिक भवन के लिए आंतरिक साज-सज्जा और विश्वविद्यालय भवनों के रखरखाव का भी प्रस्ताव रखा गया है। 30 करोड़ रुपये के सरकारी कोष से लड़कों और लड़कियों के लिए एक-एक छात्रावास का निर्माण भी किया जाएगा।'तेलंगाना टुडे' से बात करते हुए, ओयू के कुलपति, प्रो. एम कुमार ने कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास के काम सरकार द्वारा आवंटित विशेष अनुदानों से किए जाएंगे।

ओयू के छात्रों ने परिसर में विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाने के विश्वविद्यालय प्रबंधन के फैसले के खिलाफ प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

उस्मानिया विश्वविद्यालय छात्र संयुक्त कार्रवाई समिति के सदस्यों ने परिसर में विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाने के विश्वविद्यालय प्रबंधन के फैसले के खिलाफ अपना प्रदर्शन जारी रखा।

शनिवार को बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के छात्रों ने आर्ट्स कॉलेज में धरना दिया और परिपत्र को वापस लेने की मांग की।13 मार्च के परिपत्र को अलोकतांत्रिक बताते हुए प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उस्मानिया विश्वविद्यालय में एकतरफा और अन्यायपूर्ण निर्णयों के लिए कोई जगह नहीं है।

समाजशास्त्र विभाग की छात्रा स्वाति ने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से उनके विरोध करने के लोकतांत्रिक अधिकार को कुचलना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि छात्रों को छात्रवृत्ति और सुविधाओं के समय पर जारी होने सहित वास्तविक मांगों पर अपनी चिंताओं को व्यक्त करने का अधिकार है।उन्होंने परिपत्र को अलोकतांत्रिक बताया तथा इसे तत्काल वापस लेने की मांग की।

किंग्स पैलेस फंक्शन हॉल में एक्सपो के दौरान गोलियां चलीं

हैदराबाद, 29 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक परेशान करने वाली घटना में, गुडीमलकापुर एक्स रोड्स में किंग्स पैलेस फंक्शन हॉल के अंदर दावत-ए-रमजान एक्सपो के आयोजकों में से एक ने शनिवार 29 मार्च को खुले में दो राउंड गोलियां चलाईं।कुलसुमपुरा के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) मोहम्मद मुनव्वर के अनुसार, एक्सपो में परफ्यूम खरीदने आए फरहान और आयोजकों के बीच झगड़ा हुआ था।

एसीपी ने कहा, एक तीखी बहस के बाद फरहान और उसके दोस्तों ने कुछ लोगों पर हमला कर दिया, जिसमें अतीकुद्दीन भी शामिल था। अचानक उसने अपनी लाइसेंसी बंदूक निकाली और हवा में दो राउंड फायर कर दिए। एसीपी ने बताया कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और अतीकुद्दीन से हथियार जब्त कर लिया। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। दावत-ए-रमज़ान एक्सपो का आयोजन टेनिस दिग्गज सानिया मिर्ज़ा की बहन अनम मिर्ज़ा द्वारा किया गया है।

हिंदू नव वर्ष उगादी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ...
मॉं दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट (रजिस्टर्ड)
घांसी बाज़ार, हैदराबाद (तेलंगाना)
पिछले दस वर्ष से हमारा ट्रस्ट जनकल्याण की सेवा हेतु कार्य कर रहा है जिसमें शहर के विभिन्न स्थानों जैसे बाल ग्रह, कन्या ग्रह, वृद्धाश्रम आदि स्थानों में निरंतर सेवा प्रदान की जाती है । नियमित सेवाओं में निम्न स्थान में अल्पाहार एवं भोजन की सेवा सम्मिलित है ।
1. आदरना बाल ग्रह, सैदाबाद, 2. लहरी वृद्धाश्रम, उप्पल, 3. सरकारी ई. एन.टी. हॉस्पिटल, कोठी, पार्क लेन सिकंदराबाद, 4. होम फॉर डिसेबल, बंसीलाल पेट, मलकपेट, 5. कन्या पूजन, कोलसावाडी, हुसैनी आलम, घाँसी बाज़ार कार्यालय, कन्या विवाह सहायता 6. श्री हनुमान जयंती यात्रा, श्री श्याम निशान यात्रा, श्री गणेश विसर्जन यात्रा में अन्नप्रसाद एवं शीतल पेय की व्यवस्था की जाती है, 7. ग्रीष्म काल में शीतल पेय की व्यवस्था विभिन्न स्थानों में की जाती है, 8. गौ सेवा शमशेर गंज, गगन पहाड़, अत्तापुर में निरंतर की जाती है, 9. धार्मिक कार्यक्रम में वैभव लक्ष्मी व्रतम, तुलसी विवाह, अन्नकूट प्रसाद, 10. अमेरिका में निरंतर पूजा एवं आध्यात्मिक प्रवचन प्रदान किए जाते हैं, 11. हमारी नागपुर शाखा में प्रत्येक रविवार को अन्नप्रसाद सेवा आदि का कार्यक्रम निरंतर किया जाता है, 12. रक्तदान शिविर, 13. महिला दिवस, 14. मदर्स डे के अवसर पर कार्यक्रम किए जाते हैं, 15. नीलोफर हॉस्पिटल एवं सरकारी ई. एन. टी. हॉस्पिटल में मरीजों का इलाज निशुल्क करवाया जाता है, 16. नीलोफर हॉस्पिटल, चेस्ट हॉस्पिटल, एस. आर. नगर, निम्स हॉस्पिटल में पानी की मशीन के अतिरिक्त अन्य वस्तुएं भेंट की गई ।
उपरोक्त सेवाओं को देखकर भारत सरकार द्वारा 80G तथा CSR का सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है । ट्रस्ट की ओर से आग्रह है उपरोक्त सेवाएं देख कर जिनको भी सहयोग देना हो वह आमंत्रित है।
-: संस्थापक ट्रस्टी : -
विनय किशोर तायल
हेमा मालिनी तायल एडवोकेट
ट्रस्ट के अन्य सदस्य गण : मुकुंद लाल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, गोवर्धनलाल अग्रवाल, आनंद गोयल, राजेंद्र अग्रवाल, अशोक कुमार तायल, गोविंद लाल अग्रवाल, उमा अग्रवाल, कांता अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, रेखा तुलसियान, मधु गोयल, मीरा अग्रवाल, निर्मला अग्रवाल, वंदना केडिया, मंजू अग्रवाल, नमिता अग्रवाल, नम्रता अग्रवाल, संतोष गोयल, सुनीता अग्रवाल, सपना तुलसियान, पूनम अग्रवाल, ललिता अग्रवाल ।

All India Old Temple Renovation Trust
Renovating the Old Temples
Restoring the Sanathana Dharma
For Renovating the Old Temples call:
R.K. Jain, Chairman
98667 04895
AIOTRT

Happy Ugadi
Always Use Cow Milk & Cow Ghee
Love for Cow Foundation
Prani Mitra Ramesh Jagirdar Memorial Foundation
Jasmat Patel 9848865900 Ridesh Jagirdar 9849988999

Vnext VISAKA INFRA.MARKET AAC BLOCKS UNICEIL SOFFIT
N.S. PATEL AGENCIES
Distributors for : VISAKA INDUSTRIES LTD. AAC BLOCKS & UNICEIL
build the future
V Boards, V Premium, V Plank, V Designer, V Panel, V Frame, V False Ceiling
Visaka AC Sheet & Shakti AC Sheet
Jasmat Patel Ph : 9848865900 Ram Krishna Patel Ph : 95504 17777

दाहिमा समाज (रजि.)
दाहिमा युवा मंच दाहिमा महिला मण्डल
हैदराबाद-सिकन्दराबाद के तत्वावधान में
चैत्र नवरात्रि महोत्सव-2025
रविवार दि.30-3-2025 से रविवार दि.6-4-2025 तक
शुभस्थल : दाहिमा मन्दिर, चूड़ी बाजार, हैदराबाद
प्रतिदिन नित्य
दुग्धाभिषेक प्रात: 9:01 बजे | कुंकुम अर्चना सायं 6:31 बजे | भजन एवं संकीर्तन रात्रि 8:31 बजे से समाज बन्धुओं द्वारा | शयन आरती रात्रि 10:31 बजे
प्रमुख कार्यक्रम
रविवार दि.30-3-2025
घट स्थापना मध्याह्न 12:15 बजे
मुख्य यजमान : श्री रामकुमार खेमचन्द करेशिया
गणगौर शोभा यात्रा सायं 5:01 बजे
श्री शंकरलालजी सुरेन्द्रजी डोबा आचार्य के निवास स्थान से दाहिमा मन्दिर आयेगी
भजन संध्या रात्रि 7:31 बजे (अरुणजी दाधीच द्वारा)
बुधवार दि.2-4-2025
सुन्दरकाण्ड सायं 6:01 बजे से (शत्रुघ्न दाहिमा एवं सहयोगियों द्वारा)
शुक्रवार दि.4-4-2025
माताजी का रातीजोगा रात्रि 9:01 बजे से (स्वजातीय महिलाओं द्वारा)
शनिवार दि.5-4-2025
मंगलपाठ मध्याह्न 1:01 बजे से (दाहिमा महिला मण्डल द्वारा)
हवन सायं 5:31 बजे से (आचार्य एवं ब्राह्मणों द्वारा)
रविवार दि.6-4-2025
राम नवमी महोत्सव पूजन
प्रात: 11:01 बजे से तत्पश्चात कन्या पूजन (समाज की 4 से 10 वर्ष की कन्याओं का)
31 मार्च, 1, 2, 3 एवं 4 अप्रैल 2025 को परिवार एवं गोत्र के नाम सामूहिक दुग्धाभिषेक एवं कुंकुम अर्चना
प्रधान आचार्य : पं. श्री भवानीशंकरजी केरिया
इस पुण्य, पवित्र अवसर पर पधारकर माताराणी के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करें ।
अध्यक्ष सुरेश गाँधी (असोपा) | उपाध्यक्ष रमेश गाँधी, खेमचंद करेशिया | मंत्री सत्यप्रकाश डोबा | कोषाध्यक्ष नन्दकिशोर काकड़ा
नवरात्रि कार्यक्रम संयोजक : श्यामसुन्दर तिवाड़ी (LIC), गणेश जोपट, पवन जोपट, महेश व्यास
सह-मंत्री : गिरीराज मिश्र, सुरेश खटोड़ संगठन मंत्री : अशोक तिवाड़ी, श्यामसुन्दर रतावा, दीपक काकड़ा
परामर्शदाता : नरसिंगप्रसाद दाहिमा, लक्ष्मीनारायण जोपट व्यास, श्रवणकुमार इटोदिया, गोविन्द मडी, पुरुषोत्तम मिश्रा, भंवरलाल रिणवा, गोपाल डोबा 'पाल'
कार्यकारिणी सदस्य : रामप्रसाद रिणवा, रूपेश काकड़ा, दिलीप ईटोदिया, मूलचंद पाटोदिया, सुभाष करेशिया, श्यामसुन्दर कंठतिवाड़ी, गणेश जोपट, गोविन्द तिवाड़ी, द्वारकाप्रसाद तिवाड़ी, श्यामसुन्दर तिवाड़ी, राजगोपाल व्यास, अवधेशप्रसाद दाहिमा
क्षेत्रीय प्रभारी : बेगम बाजार - संजय तिवाड़ी, नवनीत खटोड़, पवन जोपट, मुरली तिवाड़ी, राजेन्द्र बोरायडा, रमेशचंद तिवाड़ी, महेश व्यास, रामकिशन चीपडा, अमित पलोड, अभिलाष गाँधी मल्लेपल्ली - सुनील ईटोदिया, सागर जोपट व्यास अत्तापुर, शिवरामपल्ली, काटेदान - मधुसूदन गोटेचा, महेश दाहिमा सिकन्दराबाद - कैलाश रिणवा, पूनम सूँठवाल, जगदीश करेशिया, मनीष सूँठवाल, हरिप्रसाद रिणवा कोठी, काचीगुडा, नारायणगुडा - राजगोपाल बोरायडा, पवन जोपट पुराना शहर - मनोज करेशिया, मनोज जोपट महाराजगंज, गौलीगुडा, उस्मानगंज - रमाकांत जोशी मलकपेट से एल.बी. नगर - राधेश्याम गोठडीवाल, राजेश बोरायडा
दाहिमा महिला मण्डल | दाहिमा युवा मंच
सत्यनारायण मुकुन्दलाल डोबा, ज्ञानबाग कॉलोनी, बेगम बाजार, हैदराबाद ☎ 9392664743, 9849130001
मुकुन्द ट्रेडिंग कं. शुगर मर्चेन्ट, बेगम बाजार, हैदराबाद ☎ 9440218197, 9849073374, 9989424209

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.